खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :32°C
न्यूनतम: 24°C

मेरठ, मंगलवार 9 सितम्बर 2025 मेरठ संस्करण: वर्ष 19 अंक 99 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com भाद्रपद शुक्ल पक्ष 15 विक्रमी सम्वत् 2082 16 रबी उल अव्वल1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

एकेटीयू दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि होंगे शुभांशु शुक्ला

पेज 2

अनन्या व दिव्यांशी ने अंडर-15 युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता

खेल टाइम्स

रिश्तों की गरिमा की पुनः स्थापना!

सम्पादकीय

गाजा में इजरायली सेना का हमला 50 लोगों की मौत

पेज 12

एएमयू की पहली महिला कुलपति नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की पहली महिला कुलपति के रूप में प्रोफेसर नईमा खातून की नियुक्ति के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखने का सोमवार को फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली प्रोफेसर मुजफ्फर उरुज रब्बानी और प्रोफेसर फैजान मुस्तफा की याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने याचिकाकर्ताओं का पक्ष रखा। उन्होंने उच्च न्यायालय द्वारा की गई टिप्पणियों का हवाला देते हुए तर्क दिया कि कुलपति पद के लिए नामों चुनाव करने कार्यकारिणी परिषद में तत्कालीन एएमयू कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज़ की अध्यक्षता और भागीदारी अनुचित थी।

प्रख्यात पत्रकार व संपादक संकर्षण ठाकुर नहीं रहे

नई दिल्ली। प्रख्यात पत्रकार और संपादक संकर्षण ठाकुर का सोमवार को यहां निधन हो गया। वह 63 वर्ष के थे। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव पर 'द ब्रदर्स बिहारी' के नाम से पुस्तक लिखने वाले दिवंगत ठाकुर अपनी तीक्ष्ण राजनीतिक अंतर्दृष्टि और विचारोत्तेजक लेखन के लिए जाने जाते थे। उन्होंने 'द टेलीग्राफ' में राष्ट्रीय मामलों के संपादक के रूप में कार्य किया और 2023 में इसके संपादक नियुक्त किए गए।

एनआईए ने पांच राज्यों के 22 स्थानों पर की छापेमारी

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर और अन्य पांच राज्यों में आतंकवाद के वित्तपोषण मामले की चल रही जांच के तहत छापेमारी की है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। एनआईए ने कहा कि पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में 22 ठिकानों पर तलाशी चल रही है। उन्होंने बताया कि बिहार में आठ, जम्मू कश्मीर में नौ, उत्तर प्रदेश में दो और कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में एक-एक ठिकाने पर छापेमारी चल रही है।

भारत बनाएगा अमेरिका- रूस व इजरायल जैसी स्पेशल फोर्स

नई दिल्ली। सैन्य बलों की एलीट कमांडो फोर्स का संयुक्त युद्ध सिद्धांत बनाया गया है। यह साझा दस्तावेज सेना की स्पेशल फोर्स, वायुसेना की गरुड़ कमांडो फोर्स और नौसेना के मार्कोस कमांडो के लिए बनाया गया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुई इस कवायद में तीनों सेनाओं की एलीट फोर्स की तैयारी का हर पहलू स्पष्ट किया गया है। अगर किसी देश या उसकी शह में पलने वाले आतंकी, भारत विरोधी कार्रवाई करते हैं, तो उनके खिलाफ क्या होगा?

नेताओं को मोटी चमड़ी वाला होना चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि नेताओं को मोटी चमड़ी का होना चाहिए।

राजनीतिक लड़ाइयों के लिए सुप्रीम कोर्ट का उपयोग नहीं करना चाहिए। कोर्ट ने ये टिप्पणी भाजपा नेता द्वारा तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी के खिलाफ लगाई गई याचिका की सुनवाई के दौरान कही। 2024 लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान सीएम रेड्डी ने कहा था कि अगर बीजेपी 400 सीट जीती, तो आरक्षण समाप्त कर देगी। तेलंगाना भाजपा के महासचिव वेंकटेशवरलू ने दावा किया था कि इससे पार्टी को नुकसान हुआ और उसने रेड्डी के खिलाफ मानहानि की याचिका दायर की गई थी। तेलंगाना हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने भी याचिका खारिज कर दी।

ऑनलाइन गेमिंग की अगली चाल अब सुप्रीम कोर्ट पर निर्भर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 को लेकर केंद्र की एक बड़ी मांग मान ली है। जिसके बाद अब ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 को लेकर देश के अलग-अलग उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में होगी। केंद्र ने इस अधिनियम को लेकर हाईकोर्ट्स में लंबित मामलों को सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

आधार मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र, नागरिकता के लिए नहीं

नई दिल्ली। बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि आधार, मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र है, लेकिन इसे नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वे आधार कार्ड को 12वां दस्तावेज मानें ताकि मतदाता वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के लिए आधार कार्ड को भी पेश कर सकें।

मुख्यमंत्री रेड्डी के खिलाफ भाजपा की याचिका खारिज

योगी ने पंजाब समेत 3 राज्यों को राहत सामग्री भेजी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ/सहारनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंजाब, हिमाचल और उत्तराखंड के आपदा प्रभावितों के लिए राहत सामग्री वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और उप्र सरकार की ओर से हिमाचल और उत्तराखंड को पांच-पांच करोड़ की धनराशि भेजी।

योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के साथ खड़ी है, उत्तर प्रदेश के बाढ़ पीड़ितों और किसानों को भी तत्काल सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री सोमवार को 12 घंटे के शॉर्ट नोटिस पर सहारनपुर पहुंचे और उन्होंने यहां जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई राहत सामग्री के वाहनों को बाढ़ एवं आपदा -शेष पृष्ठ दो पर

सामग्री वाहनों को हरी झंडी दिखाई

एक भारत श्रेष्ठ भारत के आह्वान के साथ खड़ी है, उत्तर प्रदेश के बाढ़ पीड़ितों और किसानों को भी तत्काल सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री सोमवार को 12 घंटे के शॉर्ट नोटिस पर सहारनपुर पहुंचे और उन्होंने यहां जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई राहत सामग्री के वाहनों को बाढ़ एवं आपदा

नेपाल में लोकतंत्र धराशायी

हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान सेना ने की फायरिंग, 20 की मौत

काठमांडू। पोखरा सहित कई शहरों में कर्फ्यू

सोशल मीडिया फिर शुरू, बैन-भ्रष्टाचार के खिलाफ 12 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी युवा सुबह संसद में घुसे थे, सेना की फायरिंग में करीब 200 लोग घायल भी हुए

संसद, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व पीएम आवास के पास के इलाकों में भी कर्फ्यू, तोड़फोड़ करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश जारी

काठमांडू। नेपाल में सुबह से जारी विरोध प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया फिर से शुरू कर दिया गया। इस प्रदर्शन में अब तक 20 लोगों की मौत हुई, जबकि 200 से ज्यादा घायल हो गए। इस प्रदर्शन की अगुआई 18 से 30 साल के युवाओं ने की।

सोशल मीडिया पर बैन और सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ सोमवार सुबह 12 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी युवा संसद भवन परिसर में घुस गए, जिसके बाद सेना ने कई राउंड फायरिंग की। नेपाल के इतिहास में संसद में घुसपैठ का यह पहला मामला है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने संसद के गेट नंबर 1 और 2 पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद संसद भवन, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, पीएम आवास के पास के इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया। काठमांडू प्रशासन ने तोड़फोड़ करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश दे दिए हैं। सोमवार को नेपाल के संसद भवन के बाहर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। नेपाल सरकार ने 3 सितम्बर को फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया साइट्स पर बैन लगाने का फैसला किया था। इन प्लेटफॉर्म ने नेपाल के संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। इसके लिए मंत्रालय ने 28 अगस्त को आदेश जारी कर 7 दिन का समय दिया था, यह समय सीमा 2 सितम्बर को खत्म हो गई। युवाओं ने अन्य लोगों से भी आंदोलन में जुड़ने की अपील की है। इसके लिए क्यूआर कोड वाले बैनर भी बनाए गए हैं। युवाओं का कहना है कि उनका बोलना भी सरकार के लिए अपराध है। बढ़ते विरोध प्रदर्शन के बीच नेपाल ने भारत से लगी कई सीमा पर कर्फ्यू लगा दिया है। तराई क्षेत्र के कई शहरों में प्रदर्शन फैल गए हैं और प्रदर्शनकारी बदलाव की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। नेपाल में जारी विरोध प्रदर्शनों में अब तक मरने वालों की संख्या 20 पहुंच गई है। जबकि 200 से ज्यादा घायल हैं। कई जगह पर प्रदर्शनकारियों ने सेना पर पथराव किया है। नेपाल में सोशल मीडिया फिर से शुरू हो गया है। नेपाल में दोपहर 3:15 बजे के बाद बिना वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) इस्तेमाल किए सारे सोशल मीडिया -शेष पृष्ठ दो पर

उप्र के सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा और सतर्कता बढ़ी

पड़ोसी देश नेपाल में शुरू हुए युवाओं के हिंसक प्रदर्शन को देखते हुए उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उत्तर प्रदेश के महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत जिलों की सीमा नेपाल सीमा से लगती है, जहां सशस्त्र सीमा बल और स्थानीय पुलिस सुरक्षा निगरानी करती है। बलरामपुर जिले में नेपाल में चल रहे आंदोलन को देखते हुए सीमा की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और उधर से आने-जाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान आज

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को मतदान होगा, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य हिस्सा लेंगे। मंगलवार को शाम तक नतीजे घोषित होंगे। इसके साथ ही देश को 50 दिन बाद जगदीप धनखड़ की जगह नया उपराष्ट्रपति मिलेगा। 21 जुलाई को धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने के चलते चुनाव हो रहा है।

आंकड़ों में एनडीए को स्पष्ट बढ़त है। हालांकि संसद में विपक्ष की मजबूती से पिछले दो दशक में पहली बार मुकाबला करीबी हो सकता है। इस चुनाव में लोकसभा के 542 मौजूदा सदस्य और राज्य सभा के 239 मौजूदा सदस्य ही वोट कर सकेंगे। इस तरह निर्वाचन मंडल में इस समय 781 सदस्य हैं और किसी भी उम्मीदवार को जीतने के लिए कम से कम 391 वोटों की आवश्यकता होगी। मतदान नए संसद भवन में सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक होगा और मतों की गिनती शाम छह बजे से होगी।

लोकसभा के 542 मौजूदा सदस्य व राज्यसभा के 239 मौजूदा सदस्य ही डाल सकेंगे वोट

किसी भी उम्मीदवार को जीतने के लिए कम से कम 391 वोटों की आवश्यकता होगी

बीआरएस व बीजू जनता दल उपराष्ट्रपति चुनाव के मतदान में हिस्सा नहीं लेंगी

नई दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को होने वाले मतदान में हिस्सा नहीं लेगी। बीआरएस सांसद केआर सुरेश रेड्डी ने कहा कि बीआरएस ने मतदान में हिस्सा लेने और नहीं लेने को लेकर सभी विकल्पों पर विचार करने के बाद निर्णय लिया है कि पार्टी के सांसद मतदान में हिस्सा नहीं लेंगे। उधर बीजू जनता दल ने उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान में हिस्सा नहीं लेने का निर्णय लिया है। बीजद सांसद सस्मित पात्रा ने यहां पत्रकारों से कहा कि बीजू जनता दल ने उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को होने वाले चुनाव में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है।

हरिद्वार-ऋषिकेश रेल रूट पर लैंडस्लाइड, लोहे का ढांचा क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली। उत्तराखंड में हरिद्वार-ऋषिकेश रेल रूट पर सोमवार सुबह काली मंदिर के पास लैंडस्लाइड हुई। पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर ट्रैक पर बने लोहे के स्ट्रक्चर पर गिरे। इसके कारण स्ट्रक्चर क्षतिग्रस्त हो गया। मलबा ट्रैक पर आ गिरा। अब रूट बाधित है। कई ट्रेनों को रोक गया है। ट्रैक से मलबा हटाया जा रहा है।

इधर, राजस्थान में तेज बारिश के बाद कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति है। नदी-नाले ओवरफ्लो होने से सोमवार को 8 जिलों, उदयपुर, सलूंबर, जालोर, डूंगरपुर, सिरोही, बाड़मेर, जैसलमेर और बालोतरा में स्कूल बंद हैं। पंजाब के 23 जिलों के करीब 2 हजार गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इनकी 3 लाख 84 हजार की आबादी प्रभावित है। 12 जिलों के 46 लोगों की बाढ़-बारिश में जान गई। 12 दिन बाद आज राज्य के सभी जिलों में स्कूल-कॉलेज खुले हैं। हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद उत्तर प्रदेश के मथुरा के वृंदावन में हालात बिगड़े हैं।

पंजाब में 296.4 एमएम ज्यादा बारिश, हिमाचल में 824 सड़कें बंद

कुलगाम में मुठभेड़ जारी, दो आतंकी ढेर एक जवान बलिदान

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच जारी मुठभेड़ में अब तक दो आतंकियों को मार गिराया गया है, जबकि भारतीय सेना का एक जवान बलिदान हो गया है। इस मुठभेड़ में दो अन्य जवान घायल भी हुए हैं। ऑपरेशन अब भी जारी है। तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाब दिया। फायरिंग में एक अफसर के घायल होने की खबर है। दोनों तरफ से तेज गोलीबारी हुई। खबर मिली है कि एक अफसर घायल हो गया है।

मेहुल चोकसी को जेल में मिलेंगी सभी जरूरी सुविधाएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक में 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी से जुड़े मामले में वांछित भगोड़े आरोपी मेहुल चोकसी के भारत प्रत्यर्पण की कवायद के बीच गृह मंत्रालय ने उसके साथ जेल में मानवीय व्यवहार का आश्वासन दिया है और बेल्जियम सरकार को जेल की व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए इस संबंध में व्यक्त की गई सभी चिंताओं का जवाब दिया है।

हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी सात वर्ष पहले देश से फरार हो गया था लेकिन इससे एक वर्ष पहले ही उसने 2017 में ही एंटीगुआ-बारबूडा की नागरिकता ले ली थी। चोकसी खराब सेहत का हवाला देकर भारत में पेशी पर आने से इन्कार करता रहा है। मामले की सुनवाई के दौरान उसकी कभी-कभार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये ही पेशी हो सकी है। इस मामले में सरकार ने

गृह मंत्रालय ने दिया भारत की ओर से बेल्जियम सरकार को मानवीय व्यवहार का आश्वासन

उसकी कई संपत्तियां भी जब्त की हैं। चोकसी को भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण की अपील पर 12 अप्रैल को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था। चोकसी के साथ उसका भतीजा नीरव मोदी भी इस मामले में आरोपी है। सूत्रों के अनुसार गृह मंत्रालय ने बेल्जियम के न्याय मंत्रालय को पत्र लिखकर आश्वासन दिया है कि यदि मेहुअल चोकसी का भारत प्रत्यर्पण किया जाता है, तो उसे मुंबई की आर्थर रोड़ जेल में रखे जाने की योजना है। इस जेल में उसके साथ मानवीय व्यवहार किया जाएगा और वहां सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। गृह मंत्रालय की ओर से यह भी आश्वासन दिया गया है कि चोकसी को कानूनी सहायता भी दी जाएगी। पत्र में बताया गया है कि चोकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल की बैरक नंबर 12 में रखा जाएगा। इस बैरक में छह लोगों के रहने की क्षमता है और सोने के लिए साफ, कॉटन की मोटी चटाई (गद्दा), तकिया, चादर और कंबल शामिल हैं। उसे पीने का साफ पानी और मेडिकल सुविधाएं भी दी जाएंगी। जरूरत पड़ने पर डाक्टरों की सलाह अथवा न्यायालय के आदेश पर उसे लकड़ी का बेड भी उपलब्ध कराया जा सकता है। चोकसी के वकीलों ने इस मामले को राजनीति से प्रेरित बताते हुए और चोकसी के खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए उनके प्रत्यर्पण का विरोध किया है। चोकसी की पत्नी बेल्जियम की नागरिक हैं और उसने अपनी पत्नी की मदद से 15 नवम्बर 2023 को बेल्जियम का 'एफ रेजिडेंसी कार्ड' ले लिया था। रिपोर्टों में कहा गया है कि यह कार्ड फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लिया गया था। उसने अपनी भारतीय और एंटीगुआ की नागरिकता के बारे में भी बेल्जियम के अधिकारियों से जानकारी साझा नहीं की थी। चोकसी मई 2021 में एंटीगुआ से पड़ोसी देश डोमिनिका पहुंच गया था। वहां उसकी गिरफ्तारी की खबर मिलते ही केन्द्रीय जांच ब्यूरो की टीम उसके प्रत्यर्पण के लिए डोमिनिका पहुंच गई, लेकिन इसके पहले ही उसे एक बार फिर एंटीगुआ के हवाले कर दिया गया।

ग्रेट निकोबार मेगा प्रोजेक्ट पर सोनिया गांधी ने जताया विरोध

नई दिल्ली। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ग्रेट निकोबार मेगा प्रोजेक्ट के फैसले का विरोध करते हुए कहा है कि इससे द्वीप पर रहने वाले आदिवासी समुदाय और वहां की विशिष्ट प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचेगा।

श्रीमती गांधी ने एक समाचार पत्र में एक लेख के जरिये केन्द्र सरकार पर निशाना साधा है कि इस मेगा प्रोजेक्ट की मंजूरी से लेकर इसके निर्माण के फैसले तक में द्वीप पर रह रहे आदिवासियों के हितों की अनदेखी की गई है। श्रीमती गांधी ने ग्रेट निकोबार मेगा प्रोजेक्ट पर गंभीर सवाल उठाए हुए लिखा कि इस प्रोजेक्ट पर हजारों करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे इससे द्वीप

कहा: आदिवासी समुदाय और वहां की विशिष्ट प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचेगा

पर रहने वाले आदिवासी समुदाय और वहां की अनोखी प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने लिखा कि पिछले 1। वर्षों में अधूरे नीति-निर्माण किए गए हैं। इस सुनियोजित श्रृंखला में नवीनतम है -ग्रेट निकोबार मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना, जिस पर होने वाला 72,000 करोड़ रुपये का बेतहाशा और गलत खर्च द्वीप के मूल आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा करता है।

संक्षिप्त समाचार

हजरतबल में राष्ट्रीय प्रतीक के दुरुपयोग पर जांच की मांग की

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने यहां हजरत बल दरगाह की उद्घाटन पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक के इस्तेमाल को कानून का गंभीर उल्लंघन बताते हुए इसके दुरुपयोग की जांच की मांग की है। नेशनल कांफ्रेंस प्रवक्ता एवं विधायक तनवीर सादिक ने पार्टी के संस्थापक शेख अब्दुला की 43वीं पुण्यतिथि के मौके पर यहां संवाददाताओं से कहा कि हमने पहले ही हजरतबल में हुए हिंसा की आलोचना की है। हिंसा किसी भी सवाल का जवाब नहीं हो सकता, मुद्दों को बातचित से सुलझाया जा सकता है। उन्होंने इस विवाद में पुलिस की ओर से दर्ज प्राथमिकी और लोगों को हिरासत में लिए जाने को गलत कदम बताते हुए अधिकारियों से आग्रह किया कि मामले को बल प्रयोग के बजाय संवे. दनशीलता के साथ संभाला जाना चाहिए।

भाजपा सांसद की बहन से मारपीट ससुरालीजन गिरफ्तार

कासगंज। फर्रुखाबाद के भारतीय जनता पार्टी सांसद मुक. श राजपूत की बहन के साथ कासगंज मे मारपीट करने वाले उसके ससुर लक्ष्मण और देवर राजेश को सहावर थाना पुलिस ने घर से गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य देवर की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है। राजपूत की बहन रीना के साथ उसके ससुर लक्ष्मण व देवर राजेश व गिरीश का लाठी डंडों से पीटते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पीड़ित बहू ने नहाते वक्त ससुर लक्ष्मण और देवर गिरीश पर वीडियो बनाने का आरोप लगाया था। इसी बात को लेकर मारपीट कर गई थी। पीड़ित का विवाह 17 वर्ष पूर्व सहावर के रानीअवन्ती बाई नगर में रविन्द्र से हुआ था।

निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन की प्रक्रिया आज नए उप्र की नई तस्वीर: योगी

पहले एक ही परिवार पैसा लेकर करता था नियुक्तियां

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुख्यमंत्री ने यूपीएसएससी द्वारा नवचयनित 1,112 कनिष्ठ सहायकों एवं 22 एक्स-रे टेक्नीशियनों के नियुक्ति-पत्र वितरित किए

लखनऊ। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन की प्रक्रिया आज 'नए उप्र' की नई तस्वीर है। पहले एक परिवार के लोग पैसा लेकर भर्ती करते थे।

उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएससी) द्वारा नवचयनित 1,112 कनिष्ठ सहायकों एवं 22 एक्स-रे टेक्नीशियनों के नियुक्ति-पत्र वितरण के लिए आज लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने यह बातें कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उप्र की जनता को लूटते थे। जांच की जाएगी, तो बहुत सारे ऐसे 'महाभारत के रिश्ते' बाकी का जीवन जेल में ही बिताने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि नौजवानों को आज प्रदेश के अंदर नौकरी की गारंटी मिली है। हर योग्य व्यक्ति को आगे बढ़ाने के लिए सरकार तेजी के साथ कार्य कर रही है। योगी ने कहा कि सभी नवचयनित युवाओं को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देता हूं। इतनी बड़ी संख्या में नियुक्ति की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता का ही परिणाम है कि आज उप्र आगे बढ़ रहा है। अब तक लगभग 80 लाख से अधिक लोगों ने 'आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' की सुविधा का लाभ लिया है। कार्यक्रम के दौरान नियुक्ति पत्र पाने वाली श्रद्धा शुक्ला ने कहा कि पहले की सरकारों में नियुक्ति के लिए रिश्वत देनी पड़ती थी, लेकिन आज नियुक्ति सिर्फ काबिलियत के दम पर मिलती है। सरकारी नौकरी के लिए रिश्वत गुजरे जमाने की बात हो गई। मुख्यमंत्री ने पारदर्शी प्रक्रिया से नियुक्ति देकर उत्तम प्रदेश का नया मार्ग बनाया है। इस नौकरी के लिए सिफारिश या एक रुपए रिश्वत भी नहीं देनी पड़ी। इसके लिए मुख्यमंत्री का दिल से आभार व्यक्त करती हूं। अयोध्या के आदित्य पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री की वजह से हम सभी निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा बन पा रहे हैं।

योगी ने दिए विवि व महाविद्यालयों के जांच का आदेश

लखनऊ। बीते दिनों बाराबंकी में छात्रों के साथ हुई घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालय में संचालित कोर्सों की मान्यता के जांच के आदेश दिए हैं। जांच के दौरान मान्यता व प्रवेश को शामिल किया जाएगा।

इसके लिए प्रत्येक जिले में एक विशेष जांच टीम गठित करने के निर्देश सभी मंडलायुक्तों को दिए गए हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री स्तर पर जारी आदेश में कहा गया है कि विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों की मान्यता और प्रवेश प्रक्रिया की सघन जांच के लिए मण्डलायुक्तों को प्रत्येक जिले के लिए अलग-अलग जांच टीम गठित करनी होगी। जिसकी मॉनिटरिंग स्वयं मंडलायुक्त करेंगे। जांच टीम में एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एक पुलिस अधिकारी वह एक शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल होंगे।

एकेटीयू दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि होंगे शुभांशु

लखनऊ, वार्ता

डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के मंगलवार को होने वाले दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला शामिल होंगे।

समारोह के दौरान सुभांशु को डी लिट की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया जाएगा। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी। सोमवार को विवि के रज्जू भैया सभागार में दीक्षांत समारोह को लेकर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान विश्व. विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जेपी पांडे ने बताया कि समारोह के विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल शामिल होंगे। इस बार समझ के दौरान कुल 88 पदक दिए जाएंगे। जिसमें 37 स्वर्ण पदक 26 रजत पदक एवं 25 कांस्य पदक मेधाविियों को दिए जाएंगे। इसके अलावा 53943 छात्रों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में डिग्री प्रदान की जाएगी। जबकि 86 छात्रों को पीएचडी अवार्ड होगी। प्रोफेसर जेपी पांडेय ने बताया कि प्रदेश में उद्यमिता एवं नवाचार की संस्कृति विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए दीक्षांत समारोह के दौरान इस बार 6 श्रेणियां में स्टूडेंट स्टार्टअप अवार्ड दिया जाएगा। इसमें एक अवॉर्ड वूमेन लीड स्टार्टअप अवार्ड दूसरा बेस्ट सोशल इंपैक्ट

आवारा कुत्तों के बेहतर प्रबंधन पर शहरी निकाय पुरस्कृत होंगे

शाह टाइम्स ब्यूरो

उच्चतम न्यायालय के 22 अगस्त के आदेश के अनुरूप राज्य सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार आवारा कुत्तों की नसबंदी, टीकाकरण और भोजन कार्यक्रमों के बेहतर क्रियान्वयन करने वाले शहरी स्थानीय निकायों और एनजीओ को पुरस्कृत करेगी।

अधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि सरकार ने कुत्तों के जीवन के स्थानीय पहलू को ध्यान में रखते हुए 'उपयुक्त भोजन स्थलों' की पहचान करने और उन्हें चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के 22 अगस्त के आदेश के अनुरूप राज्य के व्यापक निर्णय के तहत 4 सितम्बर को जारी इस कदम का उद्देश्य एबीसी कार्यक्रम के प्रभावी और वैज्ञानिक कार्यान्वयन को बढ़ावा देना है, साथ ही जमीनी स्तर पर उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देना भी है। दरअसल राज्य सरकार के इस आदेश का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के प्रत्एक नगरपालिका वार्ड में आवारा कुत्तों के लिए सुरक्षित और जिम्मेदार भोजन स्थलों का निर्धारण करना है। इस कदम से यह सुनिश्चित होगा कि कुत्तों को उनके क्षेत्र में ही भोजन दिया जाए, ताकि संघर्ष कम हो, सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा हो और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल को बढ़ावा मिले। राज्य सरकार के आदेश में कहा गया है, नसबंदी, टीकाकरण और आहार प्रबंधन में अच्छे परिणाम प्राप्त करने वाले शहरी स्थानीय निकायों और संगठनों को राज्य सरकार द्वारा प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। इस आदेश का उद्देश्य सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना, करुणामयी देखभाल को बढ़ावा देना, जन सुरक्षा सुनिश्चित करना और सामुदायिक भागीदारी को मज़बूत करना है। उप्र पशु जन्म नियंत्रण निगरानी समिति की सदस्य गौरी मौलेखी ने कहा कि करुणा और दया की भावना शासन का एक स्तंभ और राष्ट्र की विरासत है। वैज्ञानिक और विच. ारशील नीतियों के माध्यम से लोगों और पशुओं, दोनों की रक्षा करके, उप्र यह दर्शाता है कि प्रगति केवल बुनियादी ढांचे और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उस सम्मान से मापी जाती है, जिसके साथ हम अपने बीच सबसे कमज़ोर लोगों के साथ व्यवहार करते हैं।

दिल्ली में बच्चों की तस्करी करने वाला गिरोह बेनकाब

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व दिल्ली की विशेष अन्वेषण टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए बच्चों के अपहरण और तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह में शामिल आगरा के एक डॉक्टर समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सराय काले खां बस अड्डे से अगवा किए गए छह महीने के बच्चे को मात्र 48 घंटे के भीतर आगरा से सकुशल बरामद कर लिया। इसके अलावा गिरोह द्वारा तस्करी किए गए पांच अन्य बच्चों को भी विभिन्न स्थानों से ढूंढकर बचाया गया है। दक्षिण-पूर्व जिले के पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी ने सोमवार को बताया कि 22 अगस्त को बान्दा, उत्तर प्रदेश निवासी शिकायतकर्ता सुरेश अपने परिवार के साथ आईएसबीटी सराय काले खां पहुंचे थे।

भवन के निर्माण से पूर्व डिजाइन पर गंभीरता से काम करें: आनंदीबेन

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उप्र की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि किसी भी भवन के निर्माण से पूर्व उसकी डिजाइन पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। भवन की उपयोगिता के अनुसार ही उसकी रूपरेखा तैयार की जानी चाहिए, ताकि उस भवन का वास्तविक लाभ मिल सके।

श्रीमती पटेल ने सोमवार को राजभवन का सभागार में लोक निर्माण विभाग तथा विद्युत विभाग द्वारा निर्मित सात निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि डिजाइन बनाते समय दीर्घकालिक उपयोग को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए, साथ ही बचत पर जोर देना चाहिए और फिजूलखर्ची से बचना चाहिए। राज्यपाल ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि बहुत ही सुंदर निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि के भीतर पूरे किए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी भवन की नींव (फाउंडेशन) मजबूत होने पर ही वह लंबे समय तक टिकाऊ बनता है। इसलिए निर्माण कार्यों में उत्तम गुणवत्ता के पदार्थों का उपयोग किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि लोक निर्माण विभाग और विद्युत विभाग ने समय और लागत का ध्यान रखते हुए टिकाऊ निर्माण कार्य किए हैं, यह अनुकरणीय है। जब हम कोई अच्छा कार्य करते हैं और वह सफलतापूर्वक संपन्न होता है, तो उससे संतोष की अनुभूति होती है। राज्यपाल ने खुले और हवा में लटकते विद्युत तारों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इन्हें अब अंडरग्राउंड करना चाहिए, ताकि लंबे समय तक सुरक्षित उपयोग हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि असामान्य परिस्थितियों में भी टिकाऊ और उपयोगी निर्माण की आदत विकसित करनी चाहिए। राज्यपाल ने निर्देश दिया कि राजभवन में हुए सभी निर्माण कार्यों के डिजाइन सुरक्षित रखे जाएं, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार के विस्तार या नए कार्य की आवश्यकता होने पर समय की बचत हो और कार्य सुचारू रूप से पूरा हो सके।

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 80787.30 | निफ्टी 24773.15

सोना रु. 99358 प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

चांदी रु. 122900 प्रति किलो

ऑटो कंपनियों में जबरदस्त लिवाली से चढ़ा शेयर बाजार

मुंबई, वार्ता

जीएसटी सुधारों के बाद ऑटो कंपनियों में जारी लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में सप्ताह के पहले दिन सोमवार को तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 76.54 अंक (0.09 प्रतिशत) की मजबूती के साथ 80,787.30 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 32.15 अंक यानी 0.13 फीसदी की बढ़त में 24,773.15 अंक पर रहा। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में 22 सितम्बर से मंजूर बदलावों में वाहनों पर कर और उपकर की दरों में अच्छी खासी कटौती की गई है। इससे सेक्टर को लेकर निवेशकों की धारणा लगातार मजबूत बनी हुई है। शेयर बाजार की तेजी में सबसे ज्यादा योगदान वाहन निर्माता कंपनियों का ही रहा। इसके अलावा, त्योहारी सीजन में वाहन ऋण की मांग बढ़ने की उम्मीद में बैंकों के शेयरों में भी तेजी देखी गयी। एनएसई में अशोक लेलैंड का शेयर 5.08 प्रतिशत, टाटा मोटर्स का 4.25 प्रतिशत, बजाज ऑटो का 4.08 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा का 4.01 प्रतिशत बढ़ा।

टीवीएस मोटर के शेयर में 3.12 फीसदी और मारुति सुजुकी में 2.42 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हीरो मोटोकॉर्प का शेयर भी 1.43 फीसदी चढ़ा। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के दम पर सेंसेक्स 193.64 अंक की तेजी के साथ 80,904.40 अंक पर खुला। इसका उच्चतम स्तर 81,171.38 अंक और निचला स्तर 80,733.07 अंक रहा। इसी प्रकार निफ्टी-50 भी 61.60 अंक चढ़कर 24,802.60 अंक पर खुला। यह ऊपर 24,885.50 अंक और नीचे 24,751.55 अंक तक गया। मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचक. ांक 0.44 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.16 प्रतिशत मजबूत बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 में से 14 कंपनियों के शेयर हरे निशान में रहे। ऑटो कंपनियों के अलावा अडानी पोर्ट्स का शेयर दो प्रतिशत चढ़ा। टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, बीईएल, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक और इटरनल के शेयरों में भी तेजी रही। ट्रेंट में सबसे अधिक 3.81 प्रतिशत की गिरावट रही। एशियन पेंट्स का शेयर 1.90 फीसदी, एचसीएल टेक का 1.21 और टेक महिंद्रा का 1.13 फीसदी लुढ़क गया। एलएंडटी, टीसीएस, पावर ग्रिड, सनफार्मा, एनटीपीसी और इंफोसिस में भी आधी फीसदी से अधिक की गिरावट रही।

अगस्त में सुस्त रही वाहनों की खुदरा बिक्री

नई दिल्ली। त्योहारी मौसम और जीएसटी में राहत के इंतजार में अगस्त में ग्राहकों ने अपनी खरीद टाल दी जिससे वाहनों की खुदरा बिक्री में सुस्ती देखी गयी। वाहन डीलरों के महासंघ (फाडा) के सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि अगस्त में यात्री वाहनों (कार, एसयूवी और वैन) की बिक्री अगस्त 2024 के मुकाबले मात्र 0.93 प्रतिशत बढ़ी और कुल बिक्री 3,23,256 इकाई रही। दुपहिया वाहनों में भी 2.18 फीसदी की मामूली तेजी देखी गयी और कुल 13,73,775 वाहन बिके। वाहनों की कुल बिक्री 2.84 फीसदी बढ़कर 19,64,547 इकाई रही। फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विघ्नेश्वर बताया कि 15 अगस्त को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों की प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी खरीद टाल दी। हालांकि डीलरों के पास पूछताछ काफी आयी, लेकिन वह बिक्री में पूरी तरह से नहीं बदल सकी। उन्होंने उम्मीद जतायी कि 22 सितम्बर को जीएसटी सुधारों के लागू होने के बाद बड़ी संख्या में ग्राहक खरीद करेंगे।

चावल मजबूत, गेहूं नरम, खाद्य तेलों में घटबढ़, चीनी-दालों में तेजी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल के दाम बढ़ गए, जबकि गेहूं में नरमी का रुख रहा। खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखी गयी। दालों और चीनी के भाव में तेजी रही।विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का नवम्बर वायदा 40 रिंगिट की मजबूती के साथ 4,488 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया।

अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.92 प्रतिशत चढ़कर 51.70 डॉलर के भाव बोला गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत करीब 121 रुपए बढ़कर 3,833.95 रुपए प्रति क्विंटल हो गई। गेहूं 10 रुपए सस्ता हुआ और 2,849.18 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा भी 18 रुपए टूटकर 3,306.23 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गया। खाद्य तेलों में सरसों तेल औसतन 45 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मूंगफली तेल में 56 रुपए और वनस्पति में 70 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी रही। ग्राहकी उतरने से सोया तेल में 129 रुपए, पाम ऑयल 107 रुपए और सूरजमुखी तेल 34 रुपए प्रति क्विंटल फिसल गया। दाल-दलहनों में आज तेजी रही। तुअर दाल की औसत कीमत 224 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गई। चना दाल 119 रुपए और मसूर दाल 155 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई। मूंग दाल की कीमत में 97 रुपए और उड़द दाल में 24 रुपए प्रति क्विंटल की मजबूती रही। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में आज तेजी का रुख रहा। गुड़ की औसत कीमत 82 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गई। खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7958.04 रुपए, मसूर काली 8159.19 रुपए, मूंग दाल 10078.94 रुपए, उड़द दाल 10438.93 रुपए, अरहर दाल 10663.43 रुपए प्रति क्विंटल।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

योगी ने... प्रभावित तीन पड़ोसी राज्यों, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए राहत सामग्री भरे वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने यह भी घोषणा कि उत्तर प्रदेश सरकार अपनी 25 करोड़ जनता की ओर से हिमाचल और उत्तराखंड को राहत कोष में पांच-पांच करोड़ धनराशि भी दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य मंत्री बृजेश सिंह उत्तराखंड के लिए और राज्य मंत्री जसवंत सिंह हिमाचल प्रदेश के लिए और सहारनपुर के नगर विधायक राजीव गुंबर पंजाब के लिए राहत सामग्री और पांच-पांच करोड़ की धनराशि का चैक के साथ भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश इन तीनों राज्यों की आपदा पीड़ित जनता के साथ खड़ा हुआ है। योगी ने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत-श्रेष्ठ भारत के आह्वान को साकार करने में जी-जान से संकल्पबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल और उत्तराखंड में कई स्थानों पर बादल फटने से भयंकर विभीषा आई। हमारी गहरी संवे. दनाएं तीनों राज्यों के पीड़ितों के साथ हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश का जिक्र करते हुए कहा कि हमने बाढ़ और भारी वर्षा से होने वाली आपदाओं से बचाव को व्यापक स्तर पर ऐहतियाती कदम उठाए थे, जिससे प्रदेश के 25 करोड़ लोगों को बड़े पैमाने पर राहत मिली। राज्य सरकार भारी बारिश से खेतों में हुए जलभराव के कारण हुए नुकसान की पड़ताल करा रही है और रिपोर्ट मिलते ही नियमानुसार किसानों को मुआवजा दिया जाएगा।

नेपाल में.... प्लेटफॉर्म चल रहे हैं। नेपाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को 7 दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन कराने का आदेश दिया था। सरकार का तर्क था कि रजिस्ट्रेशन के बिना ये प्लेटफॉर्म्स देश में फेक आई, हेट स्पीच, साइबर क्राइम और गलत सूचनाएं फैलाने के लिए इस्तेमाल हो रहे थे। तय समय सीमा के भीतर रजिस्ट्रेशन नहीं कराने पर सरकार ने 4 सितम्बर को 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन लगा दिया था। इसमें व्हाट्सअप, फेसबुक, यूट्यूब जैसे बड़े प्लेटफॉर्म थे। टिकटॉक, वाइबर जैसे प्लेटफॉर्म पर बैन नहीं लगा, क्योंकि उन्होंने समय पर रजिस्ट्रेशन करा लिया था। नियमों के मुताबिक हर कंपनी को नेपाल में लोकल ऑफिस रखना, गलत कंटेंट हटाने के लिए लोकल अधिकारी नियुक्त करना और कानूनी नोटिसों का जवाब देना जरूरी कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकार के साथ यूजर डेटा शेयर करने के नियम भी मानना जरूरी कर दिया गया। कंपनियों को डेटा-प्राइवेसी और अभिव्यक्ति की आजादी के मामले में ये शर्तें बहुत सख्त लग रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत या यूरोप जैसे बड़े देशों में कंपनियां लोकल प्रतिनिधि रख लेती हैं, क्योंकि वहां यूजर बहुत ज्यादा हैं। लेकिन नेपाल का यूजर बेस छोटा है, इसलिए कंपनियों को यह बेहद खर्चीला लगा। अगर कंपनियां नेपाली सरकार की यह शर्त मान लेती हैं, तो उन पर अन्य छोटे देशों में भी इन नियमों को पालन करने का दबाव पड़ता, जो काफी खर्चीला है। यही वजह रही कि पश्चिमी कंपनियों ने नेपाल सरकार की शर्त नहीं मानी और तय समय पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराया। पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने सरकार से 18 से 30 साल के युवाओं की मांगों पर ध्यान देने की अपील की है। पूर्व पीएम ने एक प्रेस नोट जारी करते हुए कहा कि स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए सरकार को जिम्मेदारी से ठोस कदम उठाने चाहिए। संसद में मुख्य विपक्षी दल के नेता प्रचंड ने पुलिस गोलीबारी में मारे गए युवाओं को श्रद्धांजलि भी दी। नेपाल के पूर्व वित्त सचिव रामेश्वर खनाल ने कहा कि सरकार के मनमाने और गलत फैसले और सुशासन देने में नाकामी के चलते युवाओं का गुस्सा बढ़ गया है।

निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास की ऊंचाइयों को छू रहा

देवभूमि उत्तराखण्ड

सतत् विकास को गति

उत्तराखण्ड में दिसंबर 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के बाद निवेश के रूप में हुए, एक लाख करोड़ रुपए की सफल ग्राउंडिंग का उत्सव मनाया गया। इस मौके पर गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य सरकार के प्रयासों की जमकर तारीफ करते हुए, केंद्र सरकार से भरपूर सहायता का आश्वासन दिया।

केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा कुल 1312.84 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जिसमें 1263.5 करोड़ की 16 योजनाओं का शिलान्यास और 79.34 करोड़ की 04 योजनाओं का लोकार्पण किया गया।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान हुए एमओयू और ग्राउंडिंग

ऊर्जा - कुल 1,03,459 करोड़ के 157 एमओयू (रोजगार 8,472) में ग्राउंडिंग 40341 करोड़ रुपए

उद्योग - कुल 78,448 करोड़ के 658 एमओयू, (रोजगार 44,663) में ग्राउंडिंग 34086 करोड़ रुपए

आवास - कुल 41,947 करोड़ के 125 एमओयू, (रोजगार 5,172) में ग्राउंडिंग 10055 करोड़ रुपए

पर्यटन - कुल 47,646 करोड़ के 437 एमओयू, (रोजगार 4694) में ग्राउंडिंग 8635 करोड़ रुपए

उत्तराखण्ड निवेश उत्सव - 2025
₹1 लाख करोड़ के निवेश की ग्राउंडिंग

उच्च शिक्षा - कुल 6,675 करोड़ के 28 एमओयू, (रोजगार 4428) में ग्राउंडिंग 5116 करोड़ रुपए

अन्य- कुल 79,518 करोड़ के 374 एमओयू, (रोजगार 13898) में ग्राउंडिंग 3292 करोड़ रुपए।

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी की उपस्थिति में ₹1 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ। यह हमारी सरकार की विकास और रोजगार के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मैं सभी निवेशकों और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करता हूँ। यह निवेश उत्तराखण्ड को आत्मनिर्भर बनाने और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने में मील का पत्थर साबित होगा।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"मैं उत्तराखण्ड सरकार को पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूं। यह पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर निरंतर नीतिगत प्रोत्साहन और इस पर ध्यान देने से ही संभव हुआ है। साथ ही, राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो सतत् विकास के लिए नए मानक स्थापित करता है। अपने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और पर्यटन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने न केवल यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है, बल्कि वैश्विक मंच पर राज्य ने अपनी क्षमता को प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के लिए राज्य के समर्पण की सराहना करता हूँ और आने वाले वर्षों में इसकी निरंतर सफलता की आशा करता हूँ।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

आयुष नीति 2023 स्वास्थ्य और पर्यटन का समग्र विकास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन के अनुरुप आयुष नीति 2023 का लक्ष्य उत्तराखण्ड को समग्र स्वास्थ्य केंद्र के रुप में स्थापित करना है।

उत्तराखण्ड अपने आध्यात्मिक महत्व और हिमालयी खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही, यह योग और प्राकृतिक उपचार के केंद्र के रूप में भी अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कर चुका है। आयुष नीति 2023 इस विरासत को आगे बढ़ाती है, ग्रामीण और शहरी दोनों स्थानों पर आयुष वेलनेस सेंटर, रिट्रीट और थेरेपी हब के निर्माण को बढ़ावा देकर राज्य को एक समग्र वेलनेस डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की सुविधा प्रदान करती है।

नीति का एक मूलभूत उद्देश्य आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप एक मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करना है।

इसमें विशेष रूप से पर्यटन स्थलों पर एकीकृत आयुष अस्पताल और पंचकर्म केंद्र स्थापित करना शामिल है। साथ ही, यह नीति स्वास्थ्य पर्यटन सुविधाओं को विकसित करने और प्रबंधित करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) की सुविधा भी प्रदान करती है, जिससे गुणवत्ता, मापनीयता और स्थिरता सुनिश्चित होती है।

राज्य सरकार स्थानीय युवाओं को आयुष चिकित्सक, योग प्रशिक्षक और स्वास्थ्य मार्गदर्शक के रूप में प्रशिक्षित करना चाहती है, जिससे नौकरी की संभावनाएं बढ़ेंगी और यहां आने वाले यात्रियों के अनुभव में भी सुधार होगा।

यह नीति आयुष प्रथाओं में अनुसंधान और मानकीकरण का समर्थन करती है, जिससे वैश्विक ग्राहकों में भरोसे को बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। राज्य सरकार आयुष पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मार्केटिंग कंपेन, यात्रा एजेंसियों, वेलनेस रिसॉर्ट्स व अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठनों के साथ सहभागिताओं को प्रोत्साहित करने के संकल्प के साथ बढ़ रही है। आयुष सेवाओं को स्वास्थ्य बीमा योजनाओं एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से जोड़ने का प्रस्ताव भी दिया गया है, जिससे इन सेवाओं की सुलभता बढ़े और वेलनेस पैकेजों की बुकिंग प्रक्रिया सरल हो सके।

आयुष नीति 2023 उत्तराखण्ड को समग्र उपचार और सतत् पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनाने की परिकल्पना पर आधारित है। यह नीति राज्य को न केवल प्राकृतिक स्वास्थ्य साधनाओं के लिए एक शांतिपूर्ण आश्रय स्थल के रूप में स्थापित करती है, बल्कि पारंपरिक ज्ञान प्रणाली को आधुनिक पर्यटन के साथ जोड़ने की दिशा में एक मानक भी स्थापित करती है। इसके माध्यम से राज्य आर्थिक समृद्धि एवं सतत् विकास की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है।

#ExploreUttarakhand
@DIPR_UK

अधिक जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें
#udyoguttarakhand

उद्योग एवं निवेश: पारिस्थितिकी विकास को मिल रही गति

उत्तराखण्ड सरकार ने निवेशकों और उद्यमियों के लिए राज्य को पंसदीदा गंतव्य बनाने के लिए सक्रिय पहल की है। इसके अंतर्गत अनुकूल कारोबारी माहौल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई नीतियों और पहलों को लागू किया है।

उत्तराखण्ड सरकार ने निवेश आकर्षित करने और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कई नीतियों को लागू किया है, जिससे राज्य कारोबार और नवाचार का केंद्र बन गया है।

वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन: वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन में 3.56 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए, जिसमें 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश की ग्राउंडिंग हो चुकी है।

स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप: केंद्र सरकार ने उधम सिंह नगर के खुरपिया फार्म में एक स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप के निर्माण को मंजूरी दी।

एमएसएमई नीति: सरकार ने नए औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के साथ उद्यमिता और वित्तीय विकास को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई नीति पेश की।

हाउस ऑफ हिमालयाज: राज्य ने जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड की स्थापना की, जिसमें 27 उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त हुए।

देहरादून में आयोजित वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 2023 में उत्तराखण्ड सरकार के ब्रांड 'हाउस ऑफ हिमालयाज' का शुभारंभ करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

इंवेस्टर्स समिट

उत्तराखण्ड मेगा इंडस्ट्रियल और इन्वेस्टमेंट नीति 2025 बड़े निवेश और औद्योगिक विकास को नई दिशा

इस नीति का उद्देश्य हिमालयी राज्य को निवेशकों की पहली पसंद बनाने के लिए तैयार करना है

उत्तराखण्ड मेगा इंडस्ट्रियल और निवेश नीति 2025 का उद्देश्य राज्य को बड़े पैमाने पर निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाना है। यह नीति सूचना की तारीख से पांच वर्ष तक प्रभावी रहेगी। यह नीति सिंगल-विंडो सिस्टम के माध्यम से आवेदन करने वाली इकाइयों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है।

इसमें उद्यमों को चार निवेश श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जिसमें बड़े (50 200 करोड़ रुपये), अल्ट्रा लार्ज (200-500 करोड़ रुपये), मेगा (500-1000 करोड़ रुपये) और अल्ट्रा मेगा (1000 करोड़ रुपये से अधिक) को शामिल किया गया है। इसमें से हर एक के लिए रोजगार और निवेश सीमाएं पहले से ही तय करी गई हैं। इस नीति में 10% से 20% तक की पूंजीगत सब्सिडी शामिल है, जो संचालन के 8वें से 15वें वर्ष तक किश्तों में वितरित की जाती है। पहाड़ी जिलों (श्रेणी ए और बी) में निवेश के लिए 1-2% की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जाती है। यह स्टांप शुल्क प्रतिपूर्ति में 50 लाख रुपये तक की पेशकश भी करता है।

उत्तराखण्ड स्टार्टअप नीति 2023
नवाचार और समावेशी विकास की ओर सकारात्मक पहल

उत्तराखण्ड स्टार्टअप नीति 2023 एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य राज्यभर में रोजगार सृजन और स्टार्टअप्स को सशक्त बनाकर एक मजबूत उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

उत्तराखण्ड स्टार्टअप नीति 2023 राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य हर साल 1,000 नए स्टार्टअप की शुरुआत कर सशक्त उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है। यह नीति नवाचार को प्रोत्साहित करने, रोज़गार के अवसर बढ़ाने और स्थानीय प्रतिभा को आगे लाने का सशक्त माध्यम है।

इस नीति के माध्यम से वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन प्रदान की जा रही है। नीति के तहत स्टार्टअप्स को विभिन्न चरणों में यह सहायता दी जाती है। इसमें प्रति माह 15,000 रुपये का भत्ता, विशेष श्रेणियों (SC/ST/दिव्यांग) के लिए 20,000 रुपये प्रतिमाह प्रदान की जाती है। वहीं 10 लाख रुपये तक का सीड फंड भी उपलब्ध कराया जाता है, जिससे शुरुआती दौर में स्टार्टअप के संचालन को स्थिरता मिलती है।

इसके साथ ही इस पॉलिसी के माध्यम से इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के लिए भी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय पेटेंट में आवेदन करने के लिए 1 लाख रुपये तक की सहायता, अंतरराष्ट्रीय पेटेंट कराने के लिए 5 लाख रुपये तक की सहायता, वहीं ट्रेडमार्क और इंडस्ट्रियल डिज़ाइन के लिए 10,000 रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है।

यह नीति उन्हीं स्टार्टअप्स को कवर करती है, जो 10 वर्ष की अवधि के अंदर स्थापित हुए हों और उत्पाद, सेवा या प्रक्रिया में नवाचार या सुधार ला रहे हों। इसके अलावा रोज़गार और संपत्ति सृजन की मजबूत क्षमता रखते हों। इस नीति के अंतर्गत राज्य सरकार हर ज़िले में इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित कर रही है, जिसमें कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इसमें मेंटरशिप और नेटवर्किंग के अवसर, बुनियादी ढांचा और तकनीकी सहायता व शिक्षण और जागरुकता कार्यक्रम शामिल है। यह नीति उत्तराखण्ड को स्टार्टअप इंडिया अभियान में प्रमुख रुप से स्थापित करने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम है।

उत्तराखण्ड पर्यटन नीति 2023: सतत् विकास और निवेश को प्रोत्साहित करता सशक्त रोडमैप

उत्तराखण्ड पर्यटन नीति 2023 एक परिवर्तनकारी खाका प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य राज्य को एक प्रमुख सतत् और निवेश-अनुकूल पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। यह नीति नवाचार, बुनियादी ढांचे के विकास और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने पर आधारित है।

उत्तराखण्ड पर्यटन नीति 2023 राज्य को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त पर्यटन केन्द्र के रुप में स्थापित करने की दिशा में एक व्यापक और परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यह नीति 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी और पर्यटन आधारित विकास को गति देने के साथ आर्थिक समावेशन, पर्यावरणीय स्थिरता और निवेशक अनुकूलता सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई है।

संस्थागत ढांचा और नीति की प्राथमिकताएं

इस नीति के अंतर्गत सभी अनुमोदन और प्रोत्साहन दावों को सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा। इसमें केवल उन्हीं परियोजनाओं को लाभ मिलेगा, जिनकी वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओसी) नीति की अवधि के अंतर्गत होगी।

यह नीति पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) को सक्षम बनाने और हॉस्पिटैलिटी, वेलनेस, एडवेंचर, हेरिटेज और ग्रामीण पर्यटन जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश लाने पर केन्द्रित है।

नीति के क्रियान्वयन के लिए उत्तराखण्ड पर्यटन विकास बोर्ड (यूटीडीबी) को नोडल एजेंसी बनाया गया है। इसमें 50 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के लिए राज्य स्तरीय सशक्त समिति (एसएलईसी) का गठन किया गया है। साथ ही, 50 करोड़ रुपये तक की एमएसएमई परियोजनाओं के लिए जनपद स्तरीय सशक्त समितियां (डीएलईसी) बनाई गई हैं। वहीं, परियोजनाओं की भौतिक जांच और सत्यापन के लिए जनपद स्तरीय पर्यटन समितियां (डीएलसीटी) गठित की गई हैं।

- सिंगल विंडो पोर्टल
- ईज़ ऑफ डूईंग बिजनेस
- हॉस्पिटैलिटी और वेलनेस
- योग एवं वेलनेस सेंटर
- साहसिक पर्यटन
- रोपवे और ईको-लॉज
- एडवेंचर और हेरिटेज
- ग्रामीण पर्यटन

योग्य परियोजनाएं और निवेश प्रोत्साहन

इस नीति के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की पर्यटन इकाइयों को योग्य माना गया है। इसमें होटल, रिसॉर्ट, विवाह भवन, रोपवे, ईको-लॉज, योग एवं वेलनेस सेंटर, मनोरंजन पार्क, साहसिक पर्यटन सुविधाएं आदि शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक श्रेणी के लिए न्यूनतम निवेश और बुनियादी ढांचे की शर्तें तय की गई हैं, जिससे गुणवत्ता और निवेश को बढ़ावा मिले। साथ ही, सभी इकाइयों को राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा।

पूंजीगत और गैर-पूंजीगत प्रोत्साहन

इस नीति के तहत निवेशकों को दो श्रेणियों में प्रोत्साहन दिए जाएंगे।

इसके अंतर्गत प्रोत्साहनों को पूंजी निवेश सब्सिडी और अतिरिक्त प्रतिपूर्ति में विभाजित किया गया है, जैसे कि

- **एसजीएसटी की वापसी (नेट आउटपुट लायबिलिटी पर)**
- **भूमि पट्टे और मॉर्गेज दस्तावेजों पर स्टांप शुल्क से छूट**
- **नई इकाइयों के लिए विद्युत शुल्क में छूट**
- **ब्याज अनुदान और विपणन सब्सिडी, व्यय के आधार पर प्रशिक्षण और कौशल विकास प्रोत्साहन**
- **देशी पर्यटकों, MICE कार्यक्रमों और ऑनलाइन बुकिंग के आधार पर प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन**

पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों में स्थापित इकाइयों को पूंजीगत परिसंपत्तियों की लागत पर 50% तक की सब्सिडी दी जाएगी, जिससे क्षेत्रीय असंतुलन को दूर किया जा सके।

सुभारती के छात्र के पेट में मारी गोली

चौकी से चंद कदम दूर बदमाशों ने घटना का अंजाम देकर पुलिस को दी चुनौती

शाह टाइम्स संवाददाता

जानी खुर्द। सुभारती चौकी से चंद कदम दूर सोमवार की दोपहर को बागपत निवासी एक छात्र को अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घायल को सुभारती अस्पताल में भर्ती कराया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पारिवारिक विवाद के चलते इस घटना को अंजाम देना बताया है।

पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार बागपत जिले के रहने वाले फैजल पुत्र अजीज सुभारती कॉलेज में बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी में पढ़ाई कर रहा है। चौकी से 300 मीटर की दूरी पर मार्स रिसोर्ट के पास अज्ञात बदमाश में फैजल के पेट में गोली मार दी। गोली मारते ही बदमाश फरार हो गए और सहजल लहुलुहान होकर गिर पड़ा जहां राहगीरों ने सहजल को सुभारती अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं मौके पर पहुंचे जानी थाना प्रभारी निरीक्षक महेश सिंह राठौर ने मामले की जांच पड़ताल की और बदमाशों की तलाश में पुलिस टीम बनाई है। एसपी देहात राकेश कुमार मिश्रा ने बताया की फैजल के भाई साकिब का ससुराल वालों से विवाद चल रहा है और बागपत में भी पहले विवाद हो चुका है ससुराल पक्ष के लोगों ने ही इस घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। सीसीटीवी से बदमाशों की तलाश की जा रही है जल्द ही आरोपी गिरफ्तार किये जाएंगे।

जानी पुलिस ने मुठभेड़ के बाद आरोपी दबोचे

जानी थानाध्यक्ष महेश सिंह राठौर ने चंद घंटे बाद ही आरोपियों को मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार कर लिया। चेकिंग के दौरान सफेद रंग की अपाचे मोटर साइकिल से दोनों बदमाश भोला रोड पर आ रहे थे पुलिस ने उन्हे रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा करते हुए उन्हे दबोच लिया। घायल के परिजनों ने पुलिस की कार्यशैली को सराहा है।

खुफिया विभाग की टीम ने खंगाले बैनामे

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। हापुड़ रोड स्थित अब्दुल्ला रेजीडेंसी पर ऊर्जा राज्यमंत्री सोमेन्द्र तोमर द्वारा हिंदुओं को निवास न दिये जाने के आरोप के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है। सोमवार को सुबह स्पेशल इंटेलीजेंस की युनिट कचहरी परिसर पहुंची और चारों रजिस्ट्री कार्यालयों में दस्तावेजो की छानबीन की। गुप्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नौचंदी क्षेत्र का मामला होने के कारण यह प्रथम रजिस्ट्रार के अंतर्गत आता है इसलिए अधिकारियों का मुख्य जोर प्रथम रजिस्ट्री कार्यालय पर ही रहा। लिखित दस्तावेजों में माना जा रहा है कि यह नहीं लिखा गया है कि अमुक संपत्ति गैरमुस्लिम को नहीं बेची जाएगी। यदि कोई समझौता है तो वह मौखिक रूप से ही किया जा रहा है। जांच अभी जारी है जल्दी निष्कर्ष तक पहुंचेगी।

ऑल सेंट स्कूल में 70 साल से रह रही महिला को प्रिंसिपल ने धमकाया

स्कूल परिसर में बने जर्जर मकान में रहती है पीड़िता, स्कूल प्रशासन निकालना चाहता है बाहर

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। ऑल सेंट स्कूल में 70 साल से रह रही महिला शाहाना बेगम को निकालने का प्रधानाचार्य ने षड़यंत्र रचा है। इसी को लेकर रालोद की प्रदेश उपाध्यक्ष बीना सिंह ने महिलाओं के साथ मिलकर इसका विरोध किया है। उनका कहना था कि महिला तीन पीढ़ियों से ऑल सेंट स्कूल थापरनगर में रह रही है। 40 गज के इस मकान की हालत जर्जर अवस्था में है बंदरों ने उसकी छत को तोड़ दिया है। बारिश का मौसम है महिला को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उसने अपने मकान की छत बनाने का प्रयास किया तो

स्कूल प्रधानाचार्य डोली आगेस्टिन ने एमडीए में शिकायत कर दी। वहां के क्षेत्रीय जेई ने आकर महिला को धमकाया और काम बंद करा दिया। रालोद की प्रदेश उपाध्यक्ष ने सोमवार को मेडा अधिकारियों से मिलकर इसकी शिकायत की है। अधिकारियों ने उन्हे आश्वासन दिया है।

पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए आगे आए रालोद विधायक गुलाम मोहम्मद

- **सिवालखास विधायक ने जयंत चौधरी को सौंपा ढाई लाख का चेक**

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। पंजाब में आई भीषण बाढ़ की तबाही से लाखों लोग प्रभावित हैं। ऐसे कठिन समय में राष्ट्रीय लोकदल ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए राहत कार्यों के लिए हाथ बढ़ाया है।

सिवाल खास विधानसभा क्षेत्र के विधायक गुलाम मोहम्मद ने सोमवार को पार्टी अध्यक्ष जयंत चौधरी को ढाई लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। विधायक गुलाम मोहम्मद ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में पंजाब के लोगों की तकलीफ हमारी अपनी तकलीफ है। हर संभव मदद करना हम सबका नैतिक कर्तव्य है। गौरतलब है कि रालोद के सभी विधायकों ने बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए अपनी ओर से धनराशि पार्टी नेतृत्व को सौंपी है। जयंत चौधरी ने सभी

विधायकों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि रालोद हमेशा किसानों, मजदूरों और पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा रहा है और आगे भी खड़ा रहेगा। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इस सहयोग से न केवल राहत कार्यों को मजबूती मिलेगी बल्कि प्रभावित परिवारों को यह संदेश भी जाएगा कि पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 23 से

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। अमेजन इन ने घोषणा की है कि अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 23 सितम्बर से शुरू होगा। प्राइम मेंबर्स को इस शॉपिंग एक्स्ट्रावैगेंजा का 24 घंटे पहले एक्सक्लूसिव एक्सेस मिलेगा। जैसे-जैसे भारत त्योहारी सीजन की तैयारी कर रहा है, ग्राहक सबसे व्यापक चयन, बेहतरीन कीमतों और सबसे तेज डिलीवरी का आनंद ले पाएंगे। स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन, ब्यूटी, होम एसेंशियल्स, किराना सामान और अन्य सभी लोकप्रिय कैटेगरी में आकर्षक डील्स, शानदार शॉपिंग अनुभव, एसबीआई क्रेडिट और डेबिट कार्ड एवं ईएमआई ट्रांजैक्शन पर 10 प्रतिशत इंस्टेंट डिस्काउंट, अग्रणी बैंकों के रोमांचक ऑफर और अमेजन पे आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड पर अतिरिक्त ऑफर खास लेकर आ रहा है।

तीन छात्रों ने यूपी स्टेट शूंटिंग चैंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त कर परीक्षितगढ़ का नाम किया रोशन

शाह टाइम्स संवाददाता

परीक्षितगढ़। नगर के डीएम पब्लिक स्कूल के तीन छात्रों ने यूपी स्टेट शूंटिंग चैंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त कर स्कूल व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस मौके पर स्कूल के डायरेक्टर रविंद्र चौधरी व प्रधानाचार्य विनोद सिंह ने तीनों छात्रों को 21 हजार रुपए देकर सम्मानित किया। स्कूल के डायरेक्टर रविंद्र चौधरी ने बताया कि कॉलेज के 12 छात्र- छात्राओं ने 48वीं स्टेट शूंटिंग चैंपियनशिप में भाग लिया था जो जयपुर में 30 अगस्त से 7 सितंबर तक आयोजित हुई थी जिसमें डीएम पब्लिक स्कूल के 12 छात्र- छात्राओं ने भाग लिया था।

जिसमें 11 छात्र छात्राओं ने 10 मीटर एयर पिस्टल में प्री नेशनल के लिए क्वालीफाई किया। क्वालिफाइड किए हुए छात्र-छात्राओं में तीन छात्र कृष त्यागी कक्षा 12 ग्राम रहादरा विक्रांत त्यागी कक्षा 10 ग्राम सिंहपुर प्रियांश मलिक ग्राम पसवाड़ा ने यूथ कैटेगरी में सिल्वर मेडल प्राप्त कर पूरे प्रदेश

में दूसरा स्थान प्राप्त कर जिले में 10 मीटर एयर पिस्टल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सिल्वर मेडल प्राप्त करने वाले छात्रों में कृष त्यागी ने 400 अंकों में 366 प्रियांशु मलिक ने 360 व विक्रांत त्यागी ने 366 अंक प्राप्त कर अपनी बेहतरीन निशानेबाज से सब का ध्यान आकर्षित किया और डीएम पब्लिक स्कूल व क्षेत्र का नाम रोशन किया। इससे स्कूल में खुशी का माहौल है, वहीं क्वालिफाइड करने वाली छात्राओं में युगांक त्यागी ने 350 अंक देवांश चौधरी ने 350 अंक नव्या यादव ने 346 अंक, आयुष कुमार ने 345 अंक, हिमांशु मलिक ने 340 अंक, प्रवीण शर्मा ने 338 अंक, गगनदीप ने 330 वसुंधरा गोधरा ने 335 अंक प्राप्त कर क्वालिफाइड किया है। इस मौके पर डायरेक्टर रविंद्र चौधरी, प्रधानाचार्य विनोद सिंह, बागेश्वरी देवी, आभा सिंह, कोच मणि कौशिक, नितिन मलिक, रूबी, हूंण, कुमकुम तिवारी, दीपा, सरिता गोधरा सहित सभी ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी।

कांग्रेस जिला कमेटी ने वोट चोर, गद्दी छोड़ के लगाए नारे

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को जिला अध्यक्ष गौरव भाटी के नेतृत्व वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च कर कलेक्ट्रेट पहुंचे।

उन्होंने कहा कि इस समय कोई क्रांतिकारी नेता है तो वह राहुल गांधी है, जो लाखों धमकियों के बावजूद तानाशाही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए है। जिला प्रवक्ता सय्यद आमिर रजा ने कहा है कि बरसात में गड्ढों व जल भराव ने प्रदेश सरकार की पोल खोल दी है। वहीं हस्तिनापुर में बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री नहीं मिल रही है। ज्ञापन देने वालो में नसीम कुरैशी, नसीम सैफी, अफसा, सय्यद रेहानुद्दीन, अमित नागर, शोभित मलिक, मनोज वर्मा आदि मौजूद रहे।

श्रंग ऋषि आश्रम का होगा सौंदर्यीकरण: नरेन्द्र कश्यप

राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार ने किया ऋषि आश्रम का निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। जनपद मेरठ स्थित महाभारत कालीन श्री श्रंग ऋषि आश्रम बढला रोड परिसर किला परीक्षितगढ़ का स्वरूप अब और भव्य होने जा रहा है। यह स्थल ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व से जुड़ा है तथा लंबे समय से श्रद्धालुओं के आस्था का केंद्र रहा है।

राज्य सरकार ने इसके सौंदर्यीकरण के लिए दो करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप की अहम भूमिका रही। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग नरेंद्र कश्यप ने श्री श्रंग ऋषि आश्रम परिसर थाना किला

परीक्षितगढ़ का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और निर्माण से जुड़े विभागीय इंजीनियरों को सख्त निर्देश दिए कि कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य कराना प्राथमिकता है। राज्यमंत्री ने कहा कि यह स्थल केवल श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र ही नहीं बल्कि महाभारत कालीन इतिहास का महत्वपूर्ण साक्षी भी है। सौंदर्यीकरण के बाद यह स्थान धरोहर के रूप में शामिल होकर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा साथ ही, पुरातत्व विभाग के लिए भी यह स्थल एक बेहतर स्टडी सेंटर साबित हो सकता है, जहां से प्राचीन संस्कृति और इतिहास पर शोध कार्य को गति मिलेगी। उन्होंने निर्देश दिये कि पूरे निर्माण कार्य में पारदर्शिता और मानक सामग्री का प्रयोग सुनिश्चित कराया जाए। दो करोड़ रुपये की स्वीकृति दिलाने पर राज्यमंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप कार्य समय पर पूरा होगा। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिलेगी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को धार्मिक एवं पर्यटन महत्व में नई पहचान हासिल होगी।

जीवन हॉस्पिटल का पंजीकरण बहाल करने की मांग, डीएम को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। प्राइवेट हॉस्पिटल एसोसिएशन के कार्यकर्ताओं ने डीएम को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें उनका कहना था कि जीवन हॉस्पिटल को बिना जांच कर उसका पंजीकरण निरस्त कर दिया गया है सुरैया नाम की महिला का इलाज जीवन हॉस्पिटल में चल रहा था एमबीबीएस डॉक्टर साकिब के अनुसार उनको पिगटेल कैथेटर डालने की सलाह दी गई थी। लेकिन महिला ने इस कैथेटर को उनसे ना डलवा कर शीला डायग्नोस्टिक सेंटर जागृति विहार में डलवा लिया जिसका रिकॉर्ड भी शीला हॉस्पिटल में है उन्होंने कहा कि सुरैया की तबियत ठीक नहीं हुई तो परिजनों ने जीवन हॉस्पिटल की शिकायत कर दी जिसे बिना जांच पड़ताल किए ही स्वास्थ्य विभाग उसका पंजीकरण निरस्त कर दिया। उन्होंने मांग की है कि जल्द से जल्द उनके पंजीकरण को बहाल किया जाए। अन्यथा एसोसिएशन के पदाधिकारी अनिश्चितकालीन धरना देंगे।

बहू ने ससुर पर अश्लील वीडियो वायरल करने की लगाया आरोप, थाने में की शिकायत

- **नहाते समय बहू की बना ली थी वीडियो**
- **आरोप: वीडियों डिलिट करने के मांग रहा था पांच लाख**

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। लिसाड़ी गेट क्षेत्र में एक महिला ने अपने ससुर पर छेड़छाड़ व अश्लील वीडियो बनाकर पांच लाख रुपए मंगवाने का आरोप लगाया, पीड़ित महिला नेहा ने इसकी शिकायत अपने पति सलमान से की तो पति सलमान ने मुंह बंद करने को कहा आरोप है कि पति ने कहा कि अगर तूने किसी से कहा तो तुझे छोड़ दूंगा। पीड़ित ने अपने परिवार के साथ थाने में शिकायत पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

थाना लिसाड़ी गेट क्षेत्र के श्याम नगर फातिमा मस्जिद टावर वाली गली की रहने वाली पीड़ित महिला नेहा पुत्री नईम ने बताया कि उसका ससुर उसके साथ छेड़छाड़ व नहाते समय की वीडियो बनाकर पांच लाख रुपए की डिमांड करते हैं। डिमांड पूरी न होने पर वीडियो वायरल करने की धमकी देता है। विरोध करने पर ससुराल पक्ष के सभी लोग गाली गलौज व मारपीट करते है। महिला ने थाने पहुंचकर तहरीर देकर पति, सुसर, देवर, और सांस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित महिला नेहा की शादी पांच साल पहले सलमान पुत्र आजाद निवासी इत्तेफाक नगर गली नंबर दो के साथ हुई थी। पीड़िता नेहा ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि रविवार को अपनी बेटी की दवाई और कपड़े लेने गई थी ससुराल वालों ने घर में बंद करके मारपीट शुरू कर दी और गला घोटकर जान से मारने का प्रयास किया। पीड़िता नेहा ने अपनी बेटी को लेकर ससुराल से किसी तरह जान बचाकर भागी और अपने घर पहुंच कर पूरी घटना के बारे में बताया और परिवार के लोग बेटी नेहा को लेकर थाने पहुंचे। पीड़ित महिला ने कहा कि अगर डिमांड पूरी न हुई तो सुसर आजाद उसकी नहाते समय की वीडियो वायरल कर देगा। थाना लिसाड़ी गेट प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि महिला के साथ मारपीट की गई है पूरे मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

टोयोटा ने कारों के दाम घटाए, जीएसटी कटौती का फायदा अब सीधे ग्राहकों को

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। ग्राहकों को सर्वोपरि रखने की सोच और हर स्तर पर बेहतर अनुभव देने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर टीकेएम ने घोषणा की है कि हाल ही में हुई जीएसटी दरों में कमी का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया जाएगा। नई कीमतें 22 सितम्बर 2025 से प्रभावी होंगी। इस अवसर पर वरीन्दर वाधवा, वाइस प्रेसिडेंट सेल्स, सर्विस, यूज्ड कार बिजनेस एवं प्रॉफिट एन्हांसमेंट ने कहा, हम भारत सरकार का इस ऐतिहासिक सुधार के लिए हार्दिक धन्यवाद करते हैं। इस कदम से न केवल ग्राहकों की खरीदारी की बढ़ेगी बल्कि ऑटो सेक्टर में विश्वास भी मजबूत होगा।

जहर देकर पशु मारने वाले गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

किठौर। थाना पुलिस ने सोमवार को एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया। यह गिरोह सुनियोजित तरीके से पशुओं को जहर देकर मारता था और फिर उनकी खाल, मांस व हड्डियां बेचकर अवैध कमाई करता था।

पुलिस के मुताबिक, 27 अगस्त को गेसुपुर नहर पुल से करीब 18 कुंतल भैंस का मीट, दो पिकअप वाहन, इलेक्ट्रॉनिक तराजू, दांव और छुरी बरामद की गई थी। इस मामले में राशिद समेत नौ लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ था। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राशिद, आकिब

जीशान | वसीम | अनस

और एक अन्य आरोपी को जेल भेज दिया था। सोमवार को पुलिस ने तीन और वांछित आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान जीशान पुत्र गुलहसन निवासी ग्राम अब्दुल्लापुर थाना भावनपुर मेरठ, वसीम पुत्र फारुख निवासी मोहल्ला श्यामनगर लिसाड़ी गेट मेरठ और अनस पुत्र असलम निवासी ग्राम अब्दुल्लापुर थाना भावनपुर मेरठ के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि गिरोह लंबे समय से इस गोरखधंधो में सक्रिय था। आरोपी पशुओं को मारकर उनकी खाल व मांस की अवैध बिक्री से मोटी रकम कमाते थे। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

ईओ ने किया शौचालयों का निरीक्षण मिली खामियां

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। सोमवार को ईओ दीपिका शुक्ला ने पालिका द्वारा निर्मित शौचालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था, पानी आदि की व्यवस्था को देखा। उन्होंने शौचालयों के केयरटेकरों को साफ सफाई व उनके रख रखाव के लिए निर्देश दिए। डीसीसीसी लाइव मॉनिटरिंग के दौरान उच्च अधिकारियों के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में ईओ ने सफाई व्यवस्था, डोर टू डोर, कूड़ा निस्तारण व अन्य समस्त गतिविधियों को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने हेतु संबंधित विपिन कुमार शर्मा, वरिष्ठ लिपिक व मनीष कुमार, सफाई पर्यवेक्षक को जल्द कार्य करने के आवश्यक निर्देश दिए। कहा कि सभी अपनी जिम्मेदारी समझकर कार्य करें। लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

तहसील दिवस में अधिकारियों ने सुनीं समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

फलावदा। थाना क्षेत्र के ग्राम गडीना के रहने वाले इंद्रजीत जोगी पुत्र नानक ने तहसील दिवस में शिकायती पत्र सौंपते हुए बताया कि उनके चाचा धर्मपाल सिंह साउथ अफीका में रहते हैं उनके चाचा के नाम पर गांव में लगभग 3.5 बीघा पुश्तैनी जमीन थी वह गरीब व्यक्ति है। इस जमीन पर खेती करके वह अपनी गुजर बसर कर रहा था जिसे गांव के विनोद, प्रमोद, सनोज पुत्र मलखान ने मेरठ के रहने वाले विजय गुप्ता को फर्जी और झूठे दस्तावेज तैयार करके फर्जी धर्मपाल बनाकर साजिश करते हुए धोखाधड़ी से दानपात्र से विनोद पुत्र मलखान के नाम इस जमीन का बैनामा करवा दिया था जिसमें गांव के भी कुछ लोगों ने इनके साथ मिलकर झूठी गवाही देकर उसका दाखिल खारिज

भी करा दिया गया, इस विषय में उनके द्वारा पूर्व में कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं मुकदमा थाना मवाना पर दर्ज हो गया था, लेकिन अभी तक इस फर्जी वादे में की साजिश में शामिल दोषी व्यक्तियों पर कोई कड़ी कार्यवाई नहीं की गई है, इंद्रजीत जोगी ने बताया उपरोक्त दबंगों द्वारा ही भूलेख में दर्ज ग्राम सभा के तालाब पर लगातार अवैध कब्जा कर रहे है उनके गांव में प्राइमरी स्कूल के पास एक 8, बीघा जमीन का पुराना तालाब है गांव के कुछ दबंग व्यक्तियों द्वारा उस तालाब पर लगातार कब्जा करते हुए मकानों का निर्माण किया जा रहा है इस बारे में भी कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन तहसील के अधिकारी और कर्मचारियों अपनी रिपोर्ट में मौके पर तालाब पर अवैध कब्जे किए जाने की शिकायत को सही पाया है लेकिन इसके बाद भी दोषियों से साठगांठ होने के कारण अभी तक इस तालाब को कब्जा मुक्त करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है, मवाना तहसील दिवस में बैठे अधिकारियों ने लिखित शिकायत लेने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया।

संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम ने सुनीं शिकायते

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। तहसील में सोमवार को आयोजित हुए संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम ने शिकायत सुनी। इस दौरान 60 शिकायते आई, जिनमें से पांच शिकायतों का ही मौके पर निस्तारण कर दिया गया। बाकी शिकायतों के निस्तारण के लिए सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकांश शिकायतें राजस्व, विद्युत विभाग, चकबंदी आदि से संबंधित रही। एसडीएम उदित नारायण सेंगर ने अधिकारियों से कहा कि समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापरक निस्तारण करें। कहा कि निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाधान दिवस में 60 शिकायतें दर्ज की गई।

इस्माईल नेशनल महिला पी.जी. कॉलेज के बी.एड. विभाग ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। इस्माईल नेशनल महिला पी.जी. कॉलेज के बी.एड. विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन गढ़ रोड स्थित झुग्गी झोपड़ियों में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर अनिता राठी के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. अंजू बाला राजपूत ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक और सामाजिक स्तर पर साक्षरता के महत्व को उजागर करना था। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस विश्वभर में मनाया जाता है, और इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि समाज का प्रत्येक वर्ग शिक्षा के

अधिकार और महत्व को समझे। इस अवसर पर बी.एड. विभाग की छात्रा व अध्यापिकाओं ऐशर मिकाल, अक्षा, आयशा, वर्धा, इकरा, शबनूर, जुलुबॉब, सबिया, डोली, पूनम आदि ने सक्रिय भागीदारी निभाई। छात्रा अध्यापिकाओं ने झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर न केवल शिक्षण सामग्री वितरित की, बल्कि वहां रह रहे बच्चों और अभिभावकों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक भी किया। इस कार्यक्रम ने स्थानीय समुदाय में साक्षरता के प्रति एक सकारात्मक संदेश फैलाया और यह दर्शाया कि यदि प्रयास ईमानदारी से किए जाएं, तो समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाई जा सकती है।

ट्रैक्टर और बाईक की भिड़ंत में दो किसानों की मौत

बाईक पर सवार खाद के कट्टे लेकर खेत पर जाते समय हुआ हादसा, परिवारों में मचा कोहराम

शाह टाइम्स संवाददाता

रटौल। खट्टा प्रहलादपुर पांची मार्ग पर सोसायटी के समीप ट्रेक्टर और बाईक की भिड़त में दो बाईक सवार व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया जहां उन्हें तुरंत मेरठ के एक अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरो ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनो के शवो को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मृतक का फाइल फोटो

मृतक का फाइल फोटो

खट्टा प्रहलादपुर निवासी 50 वर्षीय अशोक पुत्र रामबीर व 40 वर्षीय अमरपाल पुत्र रामसहाय दोनो पडौसी है। सोमवार सुबह दोनो बाईक पर खाद के कट्टे लेकर खेत पर जा रहे थे। दोनो के खेत भी पास पास है, जब वह खट्टा प्रहलादपुर में खाद गोदाम के समीप पहुंचे तो तभी एक बच्चा बाईक के सामने आ गया जिससे बचाने के प्रयास में वह समीप की आ रहे ट्रेक्टर से भिड़त हो गयी, जिससे दोनो सड़क किनारे

जा गिरे और गम्भीर रूप से घायल हो गये। राहगीरों ने देखा तो तुरंत उनके पास पहुंचे। वही उनके परि. जनों को भी सूचना दी। सूचना मिलते ही दोनो के परिजन मौकें पर पहुंचे और घायल अवस्था में दोनो को मेरठ के केएमसी अस्पताल लेकर पहुंचे जहा डाक्टरो ने उन्हें मृत घोषित कर दिया जिससे परि. जनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रो बुरा हाल है। गांव के लोग पीड़ित परिजनों को सांत्वना देने मे

लगे है। ग्रामीणों ने बताया कि अशोक के दो लड़के है। वही अमरपाल के भी दो बच्चें है। एक लड़का और एक लड़की जिनके सामने परिवार चलाने की समस्या खड़ी हो गयीहै।

थाना प्रभारी अतर सिंह ने बताया कि सूचना मिली है अभी कोई तहरीर नही आयी है पुलिस टीम जांच कर रही है।

बदमाशों ने छात्र को गोली मार किया घायल, पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी कैमरे

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। मेरठ के जानी थाना क्षेत्र में बदमाशों ने एक छात्र को गोली मार दी है। घायल छात्र का नाम फैसल है। वो सुभारती यूनिवर्सिटी में होटल मैनेजमेंट का छात्र है। जो बागपत जिले का रहने वाला है। फैसल को पेट में गोली लगी है। उसे सुभारती अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। रोजाना बागपत से मेरठ में पढ़ने आता है।

बताया जा रहा है कि सोमवार को बाइक पर दो अज्ञात बदमाश आए। बदमाशों ने सुभारती चौकी से लगभग 200 मीटर की दूरी पर फायरिंग की है। फायरिंग मेरठ दिल्ली हाईवे की मास रिजॉर्ट के पास की गई। फायरिंग में गोली फैसल पुत्र अजीज निवासी बागपत के पेट में लगी है। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची है। मामले की जांच की जा रही है। बड़े भाई साकिब ने तहरीर दी है। एसपी देहात डा.राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि एक छात्र पढ़ने के लिए आया था और आगे जा रहा था तभी उनको गोली मारी गई है। पेट के पास गोली लगी है। उनका इलाज चल रहा है। छात्र की हालत सही है। उसके परिजनों से संपर्क किया है। घायल छात्र के बड़े भाई साकिब की मेरठ में ससुराल है। ससुराल में साकिब का विवाद चल रहा है। इस विवाद को लेकर पहले भी इस तरह की घटना हो चुकी है। साकिब और परिजनों ने ससुराल पक्ष पर इस हमले का शक जताया है। सीसीटीवी भी चैक किए जा रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज में दो हमलावर सामने आए हैं, जिसमें वो एक व्यक्ति भी नजर आ रहा है जो साकिब के ससुराल से ताल्लुक रखता है। उसकी पहचान हो चुकी है। पुलिस की टीमें आरोपियों की तालाश में जुटी है।

सांसद ने सौपा जयंत चौधरी को चैक

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। सांसद डा.राजकुमार सांगवान में राष्ट्रीय लोकदल सुप्रीमो जयंत चौधरी को चौक सौपा। राष्ट्रीय लोकदल पार्टी द्वारा घोषणा की गई थी कि पार्टी के सांसदों एवं विधायकों के द्वारा एक एक माह की सैलरी बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए दी जाएगी। सांसद डा.राजकुमार सांगवान ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी से मिलकर अपनी एक माह की तनख्वाह का चेक सौंपा। राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी को बागपत में यमुना नदी के खादर में जिन जिन गांवों के किसानों को बाढ़ से नुक़सान हुआ है। चाहे फसलों का नुक़सान हो चाहे ज़मीन का नुक़सान हो उससे अवगत कराया तथा बागपत के किसानों को सहायता राशि तुरंत उपलब्ध कराई जाए। जैसा के कई गांवों शबगा, जगोस, कोताना, लुहारी, खेड़ी प्रधान, निनाना के हज़ारों बीघा ज़मीन यमुना नदी के कटाव से नदी में बह गई तथा कई हज़ार बीघा गन्ना एवं ज्वार, हरा चारा की फसलों का किसानों को भारी नुक़सान हुआ है। उससे भी राष्ट्रीय अध्यक्ष को अवगत कराया।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत, एक घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

रटौल। पांची चमरावल मार्ग पर एक ट्रक की टक्कर लगने से दो बाईक सवार युवक घायल हो गये जिन्हें उपचार के लिए पहले पिलाना सीएचसी पर भर्ती कराया गया जहां से मेरठ के लिए रेफर कर दिया गया जहां एक युवक की मौत हो गयी जिससे परिजनों मे कोहराम मचा है।

ओगटी निवासी अंकुर पुत्र लोकेन्द्र व सुराना निवासी अभिषेक पुत्र सुनील दोस्त है। दोनो बाईक पर सवार होकर रविवार शाम पांची से चमरावल की और आ रहे थे जहां रास्ते मे ही एक ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी जिसमे दोनो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गये। राहग. ीरों ने देखा तो तुरंत 112 पर काल कर पुलिस को सूचना दी। वही युवक के परिजनों को भी सूचना दी, जहा मौकें पर पहुंची पुलिस ने दोनो घायलों को पिलाना सीएचसी पर भर्ती कराया जहा से हालत गम्भीर देखते हुए दोनो को मेरठ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहा अंकुर की उपचार के दौरान मौत हो गयी जिससे परिजनों मे कोहराम मचा है। उधर थाना प्रभारी अतर

सिंह ने बताया कि अंकुर की उपचार के दौरान मौत हुई है। अभी परिजनों ने थानें मे कोई तहरीर नही दी है।

एक नजर

राज्य मंत्री ने किया जागौस गांव की यमुना नदी का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। तहसील क्षेत्र के जागौश गांव में सोमवार को राज्य मंत्री केपी मलिक ने यमुना नदी पर निरीक्षण किया। यमुना नदी ये हुए कटान पर गहरी चिंता प्रकट करते हुए राज्य मंत्री केपी मलिक ने गांव के लोगों से नुकसान के बारे में जानकारी ली। किसानों ने राज्य मंत्री को बताया कि खेतों में खड़ी गन्ने की हजारों बीघा फसल नष्ट हो गई है। किसानों की जमीन यमुना नदी में समा गई है। किसानों ने राज्य मंत्री केपी मलिक से नुकसान की भरपाई प्रदेश के मुख्यमंत्री से कराने की मांग की। गांव के किसानों ने केपी मलिक से यमुना नदी पर पत्थरों से लगी लोहे के जाल की ठोकर बनवाने, तट बांध बनवाने किसानों का कर्ज माफ करवाने व अन्य समस्याओं से अवगत कराया। राज्य मंत्री केपी मलिक ने ग्राम वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर किसानों की समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। इस मौके पर गांव के भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

यमुना में लगातार कटान जारी, 45 हजार क्यूसेक फिर छोड़ा पानी

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। यमुना का जलस्तर घट कर 180 मीटर पर पहुंच गया है। इससे किनारों पर मिट्टी कटान होने से खतरा भी बढ़ गया, लेकिन अभी कटान नहीं रुक रहा है, जिससे किसानों को परेशानी हो रही है। पहाड़ों पर बारिश बंद होने के बाद यमुना का जलस्तर भी कम होने लगा है। हथिनीकुंड बैराज से रविवार रात को फिर दोबारा से छोड़ा गया 60 हजार क्यूसेक पानी यमुना नदी में पहुंचने के बाद जलस्तर बढ़ गया था, लेकिन अब जलस्तर एक मीटर कम हो गया है। रविवार को 45 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है और देर रात तक पहुंच गया है। जलस्तर कम होने के बाद यमुना का जलस्तर। 80 मीटर पर आ गया है। उधर, सिंचाई विभाग के कर्मियों ने शबगा और जागोस में कटान को रोकने के लिए यमुना किनारे बल्ली लगानी शुरू कर दी है। इसके अलावा मिट्टी से भरकर प्लास्टिक के कट्टों के बोरे रखे गए। जिस स्थान पर अधिक कटान की स्थिति है वहां पर पेड़ों को काटकर पानी रोका जा रहा है। इसलिए पेड़ों को काटकर डाला जा रहा है क्योंकि पेड़ों से पानी की फुहार सामने से रोक देती है। यमुना कटान पर पेड़ काटकर डालने से धार भी अपना मुंह मोड़ लेती है। इसलिए पेड़ काट कर डाले जाते हैं। वहीं सिंचाई विभाग के अधिकारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के जागौश गांव में डेरा डाले हुए है।

छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और युवाओं की आकांक्षाओं को रखा सामने

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश /2047 अभियान के अंतर्गत सोमवार को जनपद में विभिन्न वर्गों के साथ विचार-विमर्श एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर प्रबुद्धजनों ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान डिग्री कॉलेज, बागपत में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य से जुड़े महानुभावों एवं स्थानीय बुद्धिजीवियों के साथ संवाद किया। विकसित उत्तर प्रदेश विजन की तीन प्रमुख थीमों अर्थ शक्ति सृजन शक्ति और जीवन शक्ति से जुड़े 12 प्रमुख सेक्टर जैसे कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र, पशुधन संरक्षण, औद्योगिक विकास, आईटी एवं उभरती प्रौद्योगिकी, पर्यटन, नगर एवं ग्राम्य विकास, अवस्थापना, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सुरक्षा एवं सुशासन पर चर्चा हुई। शासन से नामित प्रबुद्धजनों ने बताया कि सभी विषयों पर प्राप्त सुझावों के आधार पर राज्य के विकास की दीर्घकालिक रणनीति तय की जाएगी। छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और युवाओं की आकांक्षाओं को सामने रखा।

श्री नेहरू इन्टर कॉलेज पिलाना के प्रधानाचार्य डा.सत्यवीर सिंह ने प्रत्येक जनपद में सैनिक स्कूल स्थापित करने और शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देने की बात कही। कविता चौधरी ने कंप्यूटर लैब और कंप्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था की आवश्यकता बताई, जबकि नीतू ने कौशल विकास कार्यक्रमों को और व्यापक बनाने पर बल दिया। मुकेश शर्मा ने विद्यालयों में ध्यान केंद्र स्थापित करने का सुझाव रखा। विद्यार्थियों में पूजा ने हिन्दी और अंग्रेजी, दोनों ही माध्यमों में उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने की बात रखी। अभिनव ने कौशल विकास और नादिस ने समग्र विकास पर नोकस करने का सुझाव दिया। सागर ने प्रदूषण नियंत्रण, कनक ने कानून व्यवस्था को और मजबूत करने, तथा ग्रामीण क्षेत्र में इंटर कॉलेज स्थापित करने की मांग रखी।

दो पक्षों में हुआ खूनी संघर्ष, पुलिस कर रही मामले की जांच

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। बिनौली थाना क्षेत्र में दीवार की ईंटों के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सोनू पुत्र रामचंद के अनुसार, उनके घर पर निर्माण कार्य के दौरान पड़ोसी की दीवार से कुछ ईंटें निकल गईं। पड़ोसी की शिकायत पर पुलिस ने उनके परिवार को थाने बुलाया और बाद में छोड़ दिया।

पीड़ित परिवार के सदस्य अक्षय ने बताया कि पड़ोसी युवक लाठी-डंडे और धारदार हथियारों के साथ उनके घर पहुंचे। एक आरा. पी, जो एक निजी स्कूल का प्रिंसिपल है, कुछ स्कूली बच्चों को भी साथ लेकर आया। हमले में वीरमती, गुड्डन, पप्पू, राजवीर, संजय, महेश और आकाश घायल हुए। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि मारपीट के बाद से उनके परिवार का सदस्य गौरव लापता है। साथ ही आरोपियों ने उनके मकान में आग लगा दी, जिसे किसी तरह काबू में किया गया। पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पोते ने दादी को घसीट-घसीटकर पिटा, वीडियो वायरल

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। जिले के बसौदा गांव से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस गांव में एक पोते ने अपनी 80 वर्षीय दादी के साथ मारपीट की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

वीडियो में फरमान नाम का युवक अपनी दादी को घसीटते और पीटते हुए दिखाई दे रहा है। सूत्रों के अनुसार यह वीडियो कुछ समय पुराना है। दुखद तथ्य यह है कि वृद्ध महिला की एक सप्ताह पहले मृत्यु हो चुकी है। वीडियो के वायरल होने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी का चालान कर दिया है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश है। सोशल मीडिया पर लोग आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

छेड़छाड़ के विरोध में चले दो पक्षों में धारदार हथियार

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। लड़की से छेड़छाड़ के आरोप के बाद दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई है। मारपीट का पूरा वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामला सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र के सैडभर गांव का है।

पहले लड़की पक्ष ने आरोपी युवक को पकड़कर पीटा और फिर विरोध में दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडों और थप्पड़ों से जमकर बवाल हुआ। ये वायरल वीडियो फ्रेम में साफ दिख रहा है कि एक पक्ष के लोग युवक को पकड़कर पीट रहे हैं। इसके बाद गली में दोनों पक्षों के एक दर्जन से ज्यादा लोग आमने-सामने आकर लाठी-डंडों से भिड़ते नजर आते हैं। गाली-गलौज और हाथापाई के बीच भगदड़ का माहौल दिखाई देता है। सैडभर गांव में छेड़छाड़ के आरोप के बाद दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। पहले लड़की पक्ष ने युवक को पकड़कर उसकी पिटाई की, लेकिन मामला यहीं नहीं रुका, देखते ही देखते दोनों पक्षों के एक दर्जन से ज्यादा लोग आमने-सामने आ गए। लाठी-डंडों और थप्पड़ों से जमकर मारपीट हुई और पूरा मामला कैमरे में कैद हो गया। वायरल वीडियो सामने आने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है और दोनों पक्षों पर कार्रवाई की तैयारी कर रही है। सैडभर गांव में छेड़छाड़ के आरोप ने तूल पकड़ लिया और मामला बड़े बवाल में बदल गया। पुलिस ने अब वायरल वीडियो के आधार पर दोनों पक्षों पर 307 जैसी गंभीर धाराओं में मुक. दमा दर्ज कर लिया है और कई लोगों की गिरफ्तारी के चुकी है।

सकल जैन समाज द्वारा वार्षिक रथ यात्रा महोत्सव आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। श्रीदिगंबर जैन मंदिर में सकल जैन समाज बागपत के द्वारा वार्षिक रथ यात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम श्री 1008 अजित नाथ भगवान, श्रीशान्ति नाथ, श्रीनेमि नाथ भगवान का मयंक जैन के निर्देशन में अभिषेक हुआ। उसके उपरान्त भगवान श्रीपारस नाथ की प्रतिमा का मंजन किया गया।

रथ यात्रा के लिए इंद्रो का चयन लकी ड्रा द्वारा किया गए, जिसमें श्रीजी को शीश पर धारण कर चलने का सौभाग्य अतुल जैन, अभिषेक जैन, सारथी बने का सौभाग्य नीरज जैन, कुबेर बनने का सौभाग्य कुम. रेश जैन, अंकित जैन, चवर ढूराने का सौभाग्य विनित जैन, को मिला प्राप्त हुआ। इसके उपरान्त

श्रीदिगंबर जैन मंदिर बागपत के मूलनायक भगवान अजित नाथ भगवान से देव आज्ञा प्राप्त कर श्रीजी को पालकी में विराजमान कर बड़े बाजार में स्वर्ण रथ पर विरा. जमान किया गया जहां पर रथ यात्रा ने अपना भव्य रूप लिया और समाज के सभी लोगों ने जगह जगह रथ यात्रा का आरती की और देश के जाने माने बैंड बाजों ने अपने सुंदर सुंदर भजनों से सभी को भक्ति में झूमने को मजबूर कर दिया। रथ यात्रा नगर भ्रमण करते हुए श्रीजैन इण्टर कॉलेज बागपत पहुंची जहां स्थित पांडुशिला पर इन्द्रओ द्वारा भगवान का शुद्ध जल से मंत्रोंचार द्वारा अभिषेक और पूजन किया गया। पूजन के उपरान्त रथ यात्रा पुन: नगर भ्रमण करते हुए श्रीदिगंबर जैन मंदिर बागपत पर आ कर सम्पन्न हुई।

साढ़े आठ लाख युवाओं को मिला पुलिस, शिक्षा, कृषि, जल संसाधन आदि विभागों में सरकारी सेवा का अवसर

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की भर्ती व्यवस्था से यह सुनिश्चित हुआ है कि केवल परिश्रमी और योग्य अभ्यर्थियों को अवसर मिले और वे समाज की सेवा कर सकें। स्वस्थ व्यक्ति ही सशक्त समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे सकता है। इसी प्रकार प्रदेश में अब तक लगभग साढ़े आठ लाख युवाओं को पुलिस, शिक्षा, कृषि, जल संसाधन आदि विभागों में सरकारी सेवा का अवसर मिला है। अब योग्य अभ्यर्थियों की चयन प्रक्रिया समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पूरी की जा रही है। प्रदेश में अब तक कुल 2 लाख 19 हजार पुलिस कार्मिकों की भतद्ध की जा चुकी है। हाल ही में 60 हजार 200 पुलिस कार्मिकों की भर्ती सम्पन्न हुई है। पिछले आठ वर्षों में प्रदेश की विकास गति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और इसी का परिणाम है कि चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 35 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचने की ओर अग्रसर है। यह उपलब्धि संभव हो सकी है क्योंकि युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग में हाल ही में पारदर्शी ढंग से सम्पन्न हुई नियुक्तियाँ इसका सशक्त उदाहरण हैं, जो आज प्रदेश के विकास में अहम योगदान दे रही हैं। आज उत्तर प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज की तर्ज पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है।

कनिष्ठ सहायकों और एक्स-रे टेक्नीशियनों को दिया गए नियुक्ति पत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी मिशन रोजगार अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में युवाओं को सरकारी सेवाओं में अवसर प्रदान करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इसी क्रम में कनिष्ठ सहायकों एवं एक्स-रे टेक्नीशियन की नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। सोमवार को लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1112 कनिष्ठ सहायकों और 22 एक्स-रे टेक्नीशियनों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर का सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार, बागपत में भी किया गया, जहां जनपद से चयनित पाँच अभ्यर्थियों को वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री केपी मलिक तथा जिला.

धिकारी अस्मिता लाल ने नियुकित पत्र सौंपे। इस अवसर पर बागपत से चयनित अभ्यर्थी प्रशांत (तैनाती- मुजफ्फरनगरक्त, शुभांशु (तैनाती- गाजियाबाद), सोनू राठी (तैनाती- संजय नगर जिला संयुक्त चिकित्सालय, गाजियाबाद), विजय कुमार (तैनाती- मुजफ्फरनगर) और विकास तोमर (तैनाती- मुजफ्फरनगर) को नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्प है।

यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विक. सित भारत के संकल्प को गति प्रदान कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भर्ती प्रक्रिया अब पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और निष्पक्ष हो चुकी है। पहले की तरह न तो किसी प्रकार का भेदभाव है और न ही किसी प्रकार की सिफारिश चलती है। योग्यतानुसार चयन की यह व्यवस्था न केवल युवाओं में विश्वास जगा रही है, बल्कि प्रदेश के प्रशासनिक और स्वास्थ्य तंत्र को नई ऊर्जा भी प्रदान कर रही है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा.तीरथ लाल डिप्टी सीएमओ डा.रोबिन अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

लाल किले से चोरी हुए करोड़ों के कलश के साथ आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और हापुड़ पुलिस ने मिलकर लाल किला परिसर से चोरी हुए करोड़ों रुपये के सोने-हीरे जड़े कलश मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने हापुड़ जिले से मुख्य आरोपी भूषण वर्मा को गिरफ्तार किया है। जबकि पुलिस ने दो अन्य आरोपियों को हिरासत में लिया है।

लाल किले में 3 सितंबर को हुए जैन धार्मिक अनुष्ठान के दौरान चोरी की यह घटना हुई थी। सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद पुलिस ने एक व्यक्ति को धोती और चुन्नी पहने हुए कलश को एक झोले में छिपाकर ले जाते हुए देखा। इसी फुटेज के आधार पर पुलिस ने भूषण वर्मा की पहचान की और उसे हापुड़ की वैशाली कॉलोनी से गिरफ्तार किया। इसी के साथ पुलिस ने दो अन्य आरोपियों को भी हिरासत में लिया है। पूछताछ में भूषण ने बताया कि उसने सोची-समझी साजिश के तहत इस चोरी को अंजाम दिया। उसने जैन समुदाय से न होने के बावजूद, धार्मिक परिधान पहनकर भीड़ में घुलने-मिलने की रणनीति अपनाई ताकि किसी को शक न हो। पुलिस ने भूषण वर्मा के पास से 760 ग्राम सोने और 150 ग्राम हीरे, माणिक्य, और पन्ना जड़ा हुआ एक कलश बरामद किया है। इस कलश की कीमत लगभग एक करोड़ रुपये आंकी गई है। भूषण ने खुलासा किया कि उसने कुल तीन कलश चुराए थे। पुलिस अब बाकी दो कलशों की तलाश में गाजियाबाद और आसपास के इलाकों में छापेमारी कर रही है। यह घटना लाल किले जैसे हाई-सिक्योरिटी जोन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाती है। आयोजन के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस चोरी से जैन समुदाय में भी रोष है, जिन्होंने इसे अपनी धार्मिक आस्था पर हमला बताया है। समुदाय के सदस्यों ने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अब मामले में अन्य दो संदिग्धों की तलाश कर रही है और यह भी जांच कर रही है कि क्या यह कोई बड़ा रैकेट है।

प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए मिली एक करोड़ रुपये की मंजूरी

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। उत्तर प्रदेश सरकार ने हापुड़ जिले के ग्राम सरावनी स्थित प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए एक करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह राशि राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप के प्रस्ताव पर स्वीकृत हुई है।

राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने उनके प्रस्ताव को स्वीकार किया है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य मंदिर के सौंदर्यकरण के साथ-साथ श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

इसके अतिरिक्त, इस पहल से क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने सरकार के इस कदम पर खुशी जताई है। स्थानीय निवासी अजय ने कहा कि लंबे समय से मंदिर में बुनियादी सुविधाओं की कमी थी, जो अब पूरी हो जाएगी। एक अन्य ग्रामीण सुनीता ने इसे संस्कृति और आस्था के प्रति सम्मान बताया। राशि की स्वीकृति के बाद, राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने खुद मंदिर स्थल का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक की और परियोजना की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। माना जा रहा है कि इस निरीक्षण के बाद मंदिर के जीर्णोद्धार का काम जल्द ही शुरू हो जाएगा।

गौमाता को लेकर सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट करने वाला युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक द्वारा सोशल मीडिया पर एक विवादित पोस्ट डालने का मामला सामने आया है। जिसमें एक युवक ने गौमाता को लेकर सोशल मीडिया पर एक विवादित पोस्ट कर डाली थी। पुलिस ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार नगर कोतवाली क्षेत्र के रहने वाले अंकुर कुमार नामक युवक ने गौमाता को लेकर एक विवादित पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा किया। यह पोस्ट तुरंत वायरल हो गई, जिससे विभिन्न धार्मिक संगठनों और आम लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। राष्ट्रीय गौ सेवा संघ सहित कई हिंदू संगठनों ने इस पर कड़ी नाराज़गी जताई। लोगों का एक बड़ा समूह हापुड़ नगर कोतवाली पहुँचा और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसे मामलों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो समाज में सां. प्रदायिक तनाव बढ़ सकता है। माहौल की संवेदनशीलता को देखते हुए, नगर कोतवाली प्रभारी मुनीष प्रताप सिंह ने तुरंत कार्रवाई की। पुलिस ने तकनीकी और स्थानीय जानकारी का उपयोग करके आरोपी अंकुर कुमार को ग्राम अच्छेजा से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी और कहा कि वह भविष्य में ऐसी कोई हरकत नहीं करेगा। थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीश प्रताप ने बताया कि आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया का दुरुपयोग नफरत फैलाने के लिए बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पुलिस ऐसे मामलों से सख्ती से निपटेगी।

चैकिंग के दौरान चाकू के साथ एक युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया है पुलिस ने युवक के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया है। बहादुरगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज बालियान ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के गांव सदरपुर की मडैया के पास चेकिंग की जा रही थी तभी पुलिस को एक संदिग्ध युवक आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक चाकू बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और पुलिस थाने ले आई। पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक की पहचान हरीश पुत्र डोरीलाल निवासी ग्राम सदरपुर थाना बहादुरगढ जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने संबंधित मामले में आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध चाकू बरामद किया है।

पीईटी परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाला अभ्यर्थी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। पीईटी यानी प्रारंभिक अर्हता परीक्षा में फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर दो बार परीक्षा देने की कोशिश करने वाले एक अभ्यर्थी को हापुड़ कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सहारनपुर के सुनील कुमार प्रजापति के रूप में हुई है।

यह घटना 7 सितंबर को हापुड़ के दिल्ली पब्लिक स्कूल में आयोजित पीईटी परीक्षा की दूसरी पाली के दौरान सामने आई। स्टेटिक मजिस्ट्रेट डॉ. विनीत कुमार को मुख्यालय से एक अलर्ट मिला, जिसमें बताया गया था कि एक ही व्यक्ति ने 6 सितंबर को मेरठ में और 7 सितंबर को हापुड़ में परीक्षा दी है। जांच करने पर पता चला कि सुनील कुमार प्रजापति नाम के इस अभ्यर्थी ने अपने आधार कार्ड में जन्मतिथि बदलकर दो अलग-अलग प्रवेश पत्र बनवाए थे। पूछताछ के दौरान, सुनील ने स्वीकार किया कि उसने धोखाधड़ी की थी। उसने बताया कि पहले प्रवेश पत्र में उसका नाम सुनील कुमार पुत्र विनयपाल और जन्मतिथि 02-09-1987 दर्ज थी। वहीं, दूसरे प्रवेश पत्र में उसका नाम सुनील कुमार प्रजापति पुत्र विजयपाल प्रजापति और जन्मतिथि 12-08-1996 थी। उसने अपने आधार कार्ड में जन्मतिथि बदलकर दोनों बार परीक्षा दी थी। स्टेटिक मजिस्ट्रेट की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने सुनील के खिलाफ धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेजों के उपयोग से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीष प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपी के दस्तावेजों और आधार कार्ड में की गई हेराफेरी की गहन जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि क्या वह किसी बड़े रैकेट का हिस्सा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसी धोखाधड़ी को रो. कने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समर्थ व विकसित उत्तर प्रदेश अभियान की हुई शुरुआत

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। उत्तर प्रदेश सरकार ने समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य 2047 तक राज्य को एक विकसित राज्य बनाना है। इस अभियान में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नागरिक अपने सुझाव सीधे ऑनलाइन पोर्टल और क्यूआर कोड के माध्यम से भेज सकते हैं।

इस अभियान का लक्ष्य हर परिवार से कम से कम एक सुझाव प्राप्त करना है। इसमें विद्यार्थी, शिक्षक, किसान, व्यापारी, उद्यमी, श्रमिक संगठन, मीडिया और आम नागरिक सभी भाग ले सकते हैं। नागरिक अपने सुझाव ऑनलाइन पोर्टल या सूचना सेतु ऐप के जरिए दे सकते हैं। इसके अलावा, क्यूआर कोड स्कैन करके भी फीडबैक साझा करने की सुविधा उपलब्ध है। यह अभियान 5 सितंबर से 5 अक्टूबर, 2025 तक चलेगा। इस दौरान ग्राम पंचायत और विकास खंड स्तर पर गोष्ठियों का भी आयोजन किया जाएगा। प्राप्त सुझावों के आधार पर एक विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जाएगा, जो अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति नामक तीन प्रमुख थीमों और 12 प्रमुख सेक्टरों पर केंद्रित होगा। इस अभियान के तहत हापुड़ के सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज और जीएस मेडिकल कालेज में एक कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें जनपद के नोडल अधिकारी अजय चौहान और शासन से नामित प्रबुद्धजनों विनोद कुमार शर्मा, विगनेश कुमार और डा. सहस्त्रपाल सिंह की टीम ने डॉक्टरों, प्रोफेसरों और अन्य लोगों के साथ संवाद किया और उनसे सुझाव लिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम, भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश तोमर, विधायक धर्मेश तोमर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित राज्य से विकसित भारत की थीम से प्रेरित है।

किसान उत्पादक संगठनों के सदस्यों व कृषि वैज्ञानिकों की हुई बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर के विकास भवन सभागार में उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान के तहत किसानों, एफपीओ यानी किसान उत्पादक संगठनों के सदस्यों और कृषि वैज्ञानिकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इस बैठक का नेतृत्व जनपद के नोडल अधिकारी और प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग अजय चौहान ने किया।

बैठक में सरकार द्वारा नामित प्रबुद्धजन सेवानिवृत्त विशेष महा. निदेशक विनोद कुमार शर्मा, सेवा. निवृत्त शिक्षाविद विगनेश कुमार और सेवानिवृत्त प्रोफेसर डाक्टर सहस्त्रपाल सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को विक. सित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को साकार करने के लिए अपने विचार और सुझाव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। बैठक में उपस्थित सभी लोगों से सरकार द्वारा जारी पोर्टल और क्यूआर कोड का उपयोग करके अपने संकल्प और सुझाव देने का आग्रह किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय और मुख्य विकास अधिक. ारी हिमांशु गौतम समेत अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद थे। इस पहल का उद्देश्य कृषि क्षेत्र के विकास के लिए जमीनी स्तर से सुझाव इकट्ठा करना है।

एक नजर

राह चलती महिलाओं पर कसी अश्लील फब्तियां, गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर कोतवाली पुलिस की एंटी रोमियो टीम ने लड़कियों व महिलाओं को देखकर अश्लील फब्तीयां कसने वाले एक मनचले को गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीश प्रताप ने बताया कि थाने की एंटी रोमियो टीम ने लड़कियों और महिलाओं को देखकर अश्लील फब्तीयां कसने वाले एक मनचले को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि एंटी रोमियो की टीम नगर कोतवाली क्षेत्र के मेरठ रोड फ्लाईओवर के आसपास गश्त कर रही थी। इस दौरान एक युवक मेरठ रोड फ्लाईओवर के पास खड़े होकर आने जाने वाली लड़कियों और महिलाओं के साथ अश्लील हरकतें और फब्तियां कस रहा था। जिसको टीम ने मौके से दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक की पहचान संजय पुत्र रामचंद निवासी मीनाक्षी रोड कन्हैयापुरा थाना हापुड़ नगर जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। मामले में पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करके चालान कर दिया है।

बुखार से बच्ची की मौत, परिवार में मचा कोहराम

शाह टाइम्स संवाददाता

रटौल। रटौल में एक सात वर्षीय बच्ची की बुखार के चलते मौत हो गयी जिससे कस्बें में कोहराम मचा है कस्बें के लोग पीड़ित के परिजनों को सांत्वना देने मे लगे है।

रटौल निवासी कामरान की सात वर्षीय पुत्री मायरा गांव के ही सलमा पब्लिक स्कूल में कक्षा एक में पढ़ती थी। परिजनों ने बताया की पिछले एक सप्ताह से बुखार आ रहा था जिसका ईलाज कस्बें में ही एक निजि चिकित्सक के यहा चल रहा था। आराम न मिलने पर परिजनों ने उसे चिकित्सक के यहां दिखाया लेकिन वहा से भी आराम नही लगा तो परिजनों ने एक दिन पहले उसे दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी जिससे परिजनों मे कोहराम मच गया। कस्बें के लोग पीड़ित परिवार को सांत्वना देने मे लगे है। खेकड़ा चिकित्सक प्रभारी डाक्टर ताहिर ने बताया की उन्हें जानकारी नही टीम भेजकर जानकारी की जायेगी।

परिवहन विभाग की सख्त कार्रवाई, बिना मानकों के दौड़ रहे 10 ऑटो किए जब्त

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। ज़िले में सड़कों पर बिना मानकों के दौड़ रहे ऑटो चालकों पर अब परिवहन विभाग का डंडा चलना शुरू हो गया है। सोमवार को परिवहन विभाग की टीम ने एआरटीओ रमेश कुमार चौबे के नेतृत्व में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान बिना फिटनेस, परमिट और पंजीकरण संबंधी नियमों का पालन किए चल रहे 10 ऑटो को मौके पर ही पकड़कर जब्त कर लिया गया।

चेकिंग के दौरान कई ऑटो चालकों के पास न तो आवश्यक काग. जात थे और न ही उनके वाहनों की फिटनेस मानकों पर खरी उतरी। कई ऑटो ओवरलोडिंग करते पाए गए, जिससे यात्रियों की जान को खतरा था। विभागीय अधिकारियों ने मौके पर ही सख्त चेतावनी दी कि जो भी चालक बिना नियमों के वाहन सड़क पर उतारेंगे, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। एआरटीओ रमेश कुमार चौबे ने बताया कि यह अभियान यात्रियों की सुरक्षा और सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हापुड़ में लगातार शिकायत मिल रही थी कि कई ऑटो चालक नियमों की अनदेखी कर मनमाने ढंग से वाहन चला रहे हैं। इससे न केवल ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ रही थी, बल्कि लोगों की सुरक्षा भी खतरे में थी। परिवहन विभाग ने साफ किया है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। आने वाले दिनों में जिलेभर में अलग-अलग स्थानों पर चेकिंग की जाएगी। अधिकारियों ने आम जनता से अपील की है कि वे भी ऐसे वाहनों की जानकारी विभाग को दें जो बिना कागजात और मानकों के सड़क पर चल रहे हैं। इस कार्रवाई से ऑटो चालकों में हड़कंप मच गया है, वहीं स्थानीय लोगों ने विभाग की इस पहल की सराहना की है और कहा है कि ऐसे कदम उठाए जाने से सड़क हादसों पर रोक लगेगी और व्यवस्था सुधरेगी।

ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में गढ़ रेलवे फाटक के पास रेलवे ट्रैक पार करते समय एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसके बाएं पैर का पंजा और बायां कान कट गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची एसपीएफ पुलिस टीम ने घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया और मामले की जाँच में जुट गई।

मिली जानकारी के अनुसार गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला घोसियान सेगेवाला निवासी 45 वर्षीय बाबू पुत्र भ्रम सिंह मुरादाबाद की ओर जा रही एक तेज रफ्तार मालगाड़ी की चपेट में आ गए। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका बाएं पैर का पंजा और बायां कान कट गया। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की सूचना आरपीएफ पुलिस दी। सूचना मिलते ही आरपीएफ पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल को तुरंत एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहाँ घायल बाबू ही हालात गंभीर बताई जा रही है। आरपीएफ प्रभारी राकेश यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह हादसा रेलवे ट्रैक पार करते समय लापरवाही के कारण होना माना जा रहा है। फिलहाल मामले की जांच जारी है। उन्होंने लोगों से रेलवे ट्रैक को पार करते समय सावधानी बरतने की अपील की है।

सरस्वती इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के छात्रों ने जीते तीन पदक

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। सरस्वती इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के तीन छात्रों ने 4 सितंबर, 2025 को अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ में आयोजित एक समारोह में अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए पदक जीते।

यह सम्मान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा प्रदान किया गया। 2021 के पोस्ट ग्रेजुएट बैच के जिन छात्रों को यह सम्मान मिला, वे इस प्रकार हैं। डा. जुगल किशोर ने जनरल मेडिसिन में स्वर्ण पदक जीता, डा. अंबिका अग्रवाल ने पैथोलॉजी में स्वर्ण पदक और डॉ. आयशा क़ायनात ने प्रसूति एवं स्त्री रोग में रजत पदक जीता। यह उपलब्धि न केवल इन छात्रों की व्यक्तिगत प्रतिभा को दर्शाती है, बल्कि संस्थान के उच्च-स्तरीय शैक्षणिक वातावरण और अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन का भी प्रमाण है। सरस्वती इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज के चेयरमैन डा. जे. रामचंद्रन और वाइस चेयरपर्सन रम्या रामचंद्रन ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान मेडिकल शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और भविष्य के योग्य स्वास्थ्यकर्मियों को तैयार करने की उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। प्रधानाचार्य डा. बर्खा गुप्ता और सीनियर एडवाइजर डा. आरके सेहगल ने भी छात्रों के कठोर परिश्रम और अनुशासन की सराहना की, जिसने संस्थान का नाम रोशन किया है। इसके अलावा, महाप्र. बंधक, निदेशक प्रशासन और अस्पताल प्रशासक ने भी इस सफलता को छात्रों, शिक्षकों और प्रशासन के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया।

शिक्षा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर वीडीकेपी पब्लिक स्कूल में हुई बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। वीडीकेपी पब्लिक स्कूल में क्षेत्रीय विद्यालयों और महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों और प्रबंधकों की एक बैठक आयोजित हुई। इस बैठक का उद्देश्य शिक्षा क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा करना था। एमएलसी श्री चंद शर्मा इस बैठक के मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने सभी समस्याओं को ध्यान से सुना और उनके समाधान का आश्वासन दिया।

बैठक में एमएलसी श्री चंद शर्मा ने केंद्र और राज्य सरकार की नई शिक्षा नीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सरकारें गरीब और कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए कई नई योजनाएं चला रही हैं ताकि उन्हें बेहतर शिक्षा के अवसर मिल सकें। उन्होंने सभी शिक्षकों और प्रबंधकों से छात्रों के सर्वांगीण विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। इस बैठक में शिक्षा के साथ-साथ खेल के महत्व पर भी जोर दिया गया। पीएसडी मुदाफरा के विद्यालय प्रबंधक लोकेश शर्मा ने सभी स्कूलों से खेल को शिक्षा का एक अभिन्न अंग बनाने का आग्रह किया। वीडीकेपी पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य कोमल त्यागी ने अपनी मेधावी छात्राओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। यशी मावी ने अंडर 14 क्लस्टर 19 की 400 मीटर दौड़ में स्टेट लेवल गोल्ड मेडल जीता। खुशी मावीं ने जूडो प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीता। एमएलसी श्री चंद शर्मा ने इन छात्राओं को मेडल पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

हिमगिरि अपार्टमेंट में चेयरमैन रविकांत शर्मा ने परिवार सहित किया गणपति विसर्जन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। विश्व ब्राह्मण संघ भारत के चेयरमैन पंडित रविकांत शर्मा के आवास, हिमगिरि अपार्टमेंट में गणपति विसर्जन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पंडित रविकांत शर्मा ने अपनी पत्नी प्रीति शर्मा, पुत्र मणिकांत शर्मा, पुत्री स्वस्ति शर्मा और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में परिवार के साथ-साथ कई गणमान्य व्यक्ति और मित्रगण भी उपस्थित रहे, जिनमें बहन पुष्पा शर्मा, जीजा विजेंद्र वशिष्ठ, भाई श्रीकांत शर्मा और सुशील शर्मा मुरथल शामिल थे। इसके अतिरिक्त, मामा राधेश्याम शर्मा, माया शर्मा और उनके सुपुत्र अभिनव शर्मा भी अपनी पत्नी पूजा शर्मा और बेटी दक्षिता के साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पंडित गोपाल शर्मा ने चेयरमैन रविकांत शर्मा को शॉल ओढ़ाकर और हापुड़ के सबली शिव मंदिर का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। इस भव्य आयोजन में पूर्व सांसद पंडित महाबल मिश्रा, विश्व ब्राह्मण संघ के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, प्रोफेसर मनोज कुमार शर्मा, गाजियाबाद के अंबिका प्रसाद शर्मा सहित कई अन्य पदाधिकारियों और समाजसेवियों ने भी भाग लिया। सभी उपस्थित लोगों ने गणपति का पूजन किया और कार्यक्रम के बाद प्रसाद ग्रहण किया।

दुकान में घुसकर दुकानदार के बेटों से की मारपीट

जिपं सदस्य पति समेत पांच पर आरोप

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। दुकानदार के बेटों के साथ दुकान में घुसकर मारपीट की, जाति सूचक शब्दों से अपमानित किया। जिपं सदस्य और ग्राम प्रधान पद प्रत्याशी ने करीब 15 महीने साल पुरानी इस घटना घटना को झूठा साबित करने की कोशिश की। शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से आहत दुकानदार सोमवार को घर में ही परिवार समेत आमरण अनशन पर बैठ गया। हरकत में आई पुलिस ने मामले में पांच अज्ञात हमलवारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ लिखी रिपोर्ट

मामला डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव हटव्वा पट्टी से जुड़ा है। यहां संजीव कुमार का परिवार रहता है। उन्होंने गांव में ही एक किराए की दुकान ले रखी है, जिसमें वह चारपाई बुनकर बेचते हैं। 8 जून 2024 में उनका बेटा मनदीप सिंह और वीरदीप सिंह दुकान पर बैठे हुए थे। उनकी दुकान के बराबर में एक कैंटीन भी खुली हुई है। इस दौरान पांच युवक वहां आए और मनदीप सिंह और वीरदीप सिंह के साथ मारपीट करने लगे। इतना ही नहीं जाति सूचक शब्दों से अपमानित भी किया। बाद में जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए। घटना के बाद संजीव कुमार ने डिडौली कोतवाली में तहरीर दी लेकिन पुलिस ने उनकी कोई सुनवाई नहीं की। आरोप है कि पूर्व प्रधान व वर्तमान में जिपं सदस्य पद के प्रत्याशी अब्दुल सत्तार और ग्राम प्रधान प्रत्याशी चमन ने घटना को झूठा ठहरा दिया। इसके बाद संजीव कुमार पुलिस अधिकारियों के चक्कर लगाते रहे लेकिन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। कार्रवाई नहीं होने से आहत होकर वह सोमवार को घर में ही पत्नी और बच्चों के साथ आमरण अनशन पर बैठ गए। जानकारी पर पुलिस में हड़कंप मच गया। प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन सिंह मौके पर पहुंचे। कार्रवाई का आश्वासन देते हुए परिवार को अनशन से उठाया। इसके बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

मछली पकड़ने गया युवक गंगा में डूबा

गोताखोरों ने बरामद किया शव, परिजनों में मचा कोहराम

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। गंगा से मछली पकड़ने गया युवक पानी के तेज बहाव में बह गया। घंटो कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने डूबे हुए युवक की लाश को पानी से बाहर निकाल लिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

कोतवाली क्षेत्र के गांव भीमा ठीकरी निवासी 30 वर्षीय राजेंद्र पुत्र चरन सिंह रविवार की देर शाम गंगा बांध के नजदीक धौरिया बिड़ला गंगा घाट पर अपने साढू श्याम सिंह तथा भुवनेश निवासी झुरेरी के साथ मछली पकड़ने के लिए गया था। इस दौरान वह अचानक गंगा में बाढ़ के पानी में डूब गया। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। जिसकी जानकारी परिजनों को दी गई। रोते बिलखते परिजन भी मौके पर पहुंच गये। घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। स्थानीय गोताखोरों की मदद से पुलिस ने गंगा में डूबे युवक की तलाश शुरू कराई। लेकिन सफलता नहीं मिली। सोमवार की सुबह कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद 30 वर्षीय राजेंद्र का शव गोताखोरों ने गंगा से बरामद कर लिया। जिससे परिवार के लोगों में चीख पुकार मच गई। मृतक के भाई ओम सिंह ने बताया कि गोताखोरों की मदद से गंगा में डूबे भाई की लगातार तलाश कराई जा रही थी। इसके बाद गंगा से गोताखोरों द्वारा भाई का शव बरामद कर लिया गया। मृतक अपने पीछे डेढ़ माह की बेटी रचिता, 8 साल का बेटा अभिषेक के अलावा पत्नी दयावती को रोते बिलखते छोड़ गया है। वरिष्ठ उप निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा जा रहा है। परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

विवादों में घिरे दरोगा को कोट चौकी से हटाया

गुफरान के मामले में उछला था नाम

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। विवादों में घिरे दरोगा सतेंद्र नागर को एसपी ने कोट चौकी से हटा दिया है। उन्हें अब थाना सैदनगली भेजा गया है। हैंडलूम कारोबारी गुफरान की आत्महत्या से जुड़े केस में उनका नाम खूब उछला था। आत्मघाती कदम उठाने से पहले बनाई गई वीडियो में गुफरान ने आरोपियों द्वारा खुद को कोट चौकी में प्रताड़ित करने के अलावा दरोगा सतेंद्र के सामने गोली मारने की धमकी देने का आरोप लगाया था। गुस्साए परिजनों ने मामले में दी गई तहरीर में आरोपियों में दरोगा सतेंद्र नागर का भी नाम लिखा था लेकिन पुलिस अफसरों ने दबाव बनाकर दूसरी तहरीर लिखवा ली थी। वहीं, गुफरान के परिजनों ने मुलाकात के दौरान एसपी अमित कुमार आनंद व एएसपी अखिलेश भदौरिया से दरोगा सतेंद्र नागर की शिकायत करते हुए आत्महत्या प्रकरण में उनकी भूमिका की जांच कराने की मांग

चौकी में बुलाकर मृतक को धमकाने का आरोप

की थी। इतना ही नहीं गुफरान की आत्महत्या की खबर मिलने पर घर पहुंचे दरोगा सतेंद्र नागर ने आरोपियों को बचाने के लिए बिना पोस्टमार्टम शव सुपुर्देखाक करने की तहरीर भी परिजनों से लिखवा ली थी लेकिन दो दिन बाद सामने आए एक वीडियो और सुसाइड नोट ने खेल बिगाड़ दिया था। परिजनों ने दरोगा पर मृतक गुफरान की जेब में रखे 35 हजार रुपये छीनने का भी आरोप लगाया था। वहीं, रविवार देर रात पुलिस कार्यालय से जारी सूची में एसपी ने दरोगा सतेंद्र नागर से कोट चौकी का चार्ज छीन उन्हें थाना सैदनगली भेज दिया। इसके अलावा चार अन्य दरोगाओं के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया।

मासूम से कुकर्म के दोषी को उम्रकैद

अदालत ने 16 हजार का जुर्माना भी लगाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। मासूम से कुकर्म के दोषी को अदालत ने आजीवन कारावास के अलावा 16 हजार रूपये जुर्माने की सजा सुनाई।

9 नवंबर 2024 की घटना रजबपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से जुड़ी थी। यहां रहने वाले एक किसान का पांच वर्षीय मासूम बेटा रोजाना की तरह घर के आगे खेल रहा था। उसी दौरान पड़ोस में रहने वाले किसान चंद्रपाल सिंह के घर में नौकरी करने वाला मध्य प्रदेश के जिला रिवा का रहने वाला अर्जुन उर्फ बहरा बच्चे को बहला-फुसलाकर पास में ही एक गन्ने के खेत में ले गया था। जहां उसने बच्चे के साथ कुकर्म किया था। जानकारी पर पीड़ित बच्चे के चाचा और परिवार के अन्य सदस्य शिकायत लेकर किसान चंद्रपाल सिंह के घर गए तो अर्जुन उर्फ बहरा ने उनके साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की थी। इतना ही नहीं जान से मारने की धमकी भी दी थी। मामले में पीड़ित बच्चे के चाचा ने पड़ोसी चंद्रपाल सिंह और उनके नौकर अर्जुन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने नौकर अर्जुन उर्फ बहरा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले में विवेचना के दौरान पुलिस ने चंद्रपाल सिंह का नाम निकालकर आरोपी नौकर अर्जुन के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश विशेष पॉक्सो एक्ट प्रथम की कोर्ट में चल रही थी। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक रतनलाल लोधी कर रहे थे। सोमवार को कोर्ट में मुकदमे की आखिरी सुनवाई हुई। पत्रावली के अवलोकन व साक्ष्य के आधार पर कोर्ट ने अर्जुन उर्फ बहरा को दोषी करार दिया। उम्रकैद की सजा सुनाई तथा 16 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

एम्बूलेंस की टक्कर से बाइक सवार घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरगढ़ निवासी मुजम्मिल पुत्र अलाउद्दीन सोमवार को बाइक पर सवार होकर संभल अड्डे की तरफ से गजरौला की दिशा को आ रहा था। इस दौरान जैसे ही उसकी बाइक झकड़ी अड्डे के नजदीक पहुंची तो अचानक संभल अड्डे की तरफ को जा रही तेज रफ्तार अनियंत्रित निजी एंबुलेंस ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना के बाद एंबुलेंस चालक फरार हो गया। सूचना पर परिजन भी मौके पर पहुंच गये। परिजनों द्वारा घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार चल रहा है। भीड़ के द्वारा एंबुलेंस को कब्जे में लिया गया है। फिलहाल मामले में अभी कोई कानूनी कार्यवाही नहीं की गई है।

मायके आई विवाहिता से छेड़खानी का आरोप

दो युवकों के खिलाफ रिपोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। मायके आई विवाहिता से छेड़छाड़ की घटना सामने आई हैं। पीड़िता बाजार से सामान लेने जा रही थी तभी आरोपियों ने बुरी नजर से हाथ पकड़कर खींच लिया। राहगीरों की भीड़ लगती देख आरोपी धमकी देते हुए भाग गए। मामले में आरोपी दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

नौगावां सादात थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किसान ने करीब एक साल पूर्व अपनी बेटी की शादी बिजनौर जिले के नूरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले युवक के साथ तय की थी। करीब 20 दिन से विवाहिता अपने मायके आई हुई थी। घटना बीती 6 सितंबर की दोपहर की है। विवाहिता गांव में ही एक दुकान से सामान लेने जा रही थी। आरोप है कि रास्ते में मिले गांव के रहने वाले जुनैद ने हाथ पकड़ते हुए बुरी नीयत से दबोच लिया, साथ में उसका दोस्त जुगनू भी था। विरोध करने पर दोनों गाली-गलौज व मारपीट की। शोर मचाने पर राहगीर रुक गए, जिन्हें जमा होते देख आरोपी धमकी देते हुए भाग गए। पीड़िता का आरोप है कि जुनैद पहले भी उसे जान से मारने की धमकी दे चुका है। सीओ अवधभान भदौरिया ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले में आरोपी जुनैद व जुगनू के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना की जांच कराई जा रही है। आरोपियों को जल्दी गिरफ्तार कर चालान किया जाएगा।

एक नजर

समाधान दिवस पर चार शिकायतों का निस्तारण

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। तहसील सभागार में सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप की अध्यक्षता में हुआ। उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव भी मौजूद रहीं। सुबह से ही फरियादी अपनी समस्याएं लेकर सभागार पहुंचे। जमीन पर कब्जा, पुलिसिया उत्पीड़न, पेंशन, राशन कार्ड और नगरपालिका की लापरवाही जैसे मुद्दों पर जनता ने खुलकर अपनी बात रखी। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 20 शिकायतें दर्ज हुईं। जिनमें चार शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस मौके पर तहसीलदार मूसाराम थारू, नायब तहसीलदार राजपाल सिंह, योगेश लोधी, एडीओ राजीव कुमार मौजूद रहे।

लेखपाल पर जाति प्रमाण पत्र निरस्त करने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। तहसील परिसर सोमवार को उस समय अफसरों के बीच चहल-पहल बढ़ गई, जब नगर के मोहल्ला विजयनगर निवासी बुजुर्ग डालचंद्र थैला लेकर तहसील पहुंचे। उन्होंने अफसरों के सामने पुराने प्रमाणपत्र और दस्तावेज रखकर कहा कि वह जन्म से हिंदू छीपी जाति के सदस्य हैं। इसके बावजूद हल्का लेखपाल ने बिना किसी जांच के उनके पौत्र का जाति प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया। बुजुर्ग डालचंद्र ने बताया कि उन्होंने पौत्र के जाति प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। लेकिन लेखपाल ने बिना किसी ठोस आधार और जांच के उसे निरस्त कर दिया।

चोरी की तीन बाइकों के साथ चोर पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी कर पुर्जे बेचने वाले शातिर चोर शमशेर निवासी लिण्डरपुर, नूरपुर (बिजनौर) को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से तीन चोरी की बाइक, हीरो होंडा का कटा इंजन, साइलेंसर, सीट और अन्य पुर्जे बरामद हुए। पुलिस पूछताछ में शमशेर ने बताया कि वह बाइक चोरी कर उनके पुर्जे अलग-अलग बेच देता था और पैसों से अपने शौक पूरे करता था। आरोपी के खिलाफ बिजनौर और मुजफ्फरनगर में लूट, धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर समेत नौ मुकदमे दर्ज हैं। बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रवि कुमार समेत छह पुलिसकर्मी शामिल रहे।

लोक अदालत में अपने वाद निपटाएं

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। जनपद न्यायाधीश विवेक ने राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने का आह्वान किया है। बताते चलें कि 13 सितम्बर को जनपद न्यायालय में लोक अदालत का आयोजन होगा। जिसके विषय में जानकारी देते जिला जज विवेक ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से वाद निपटाने में समय व धन दोनों की बचत होती है तथा किसी भी पक्ष की जीत-हार नहीं होती। इसलिए लोक अदालत का फायदा उठायें।

शिक्षकों ने सीएम का आभार जताया

शाह टाइम्स संवाददाता जोया। इंडियन इंटर कालेज के शिक्षकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिक्षकों के लिए शुरू की गयी कैशलेस चिकित्सा सुविधा पर आभार जताया। कालेज में हुई बैठक में प्रबंधक हाजी जीशान ने कहा कि भाजपा सरकार ने शिक्षकों के लिए जो यह योजना शुरू की है इसका प्रदेश के लाखों शिक्षकों को लाभ मिलेगा। बैठक में कौसर मेंहदी, नुरूल हसन, यासिर अली, अब्दुल जब्बार, एचके सिंह, आमिर सुहैल, शाहकार अब्बासी, सबा, जेबा, सुमैया आदि मौजूद रहीं।

साक्षरता दिवस का महत्व बताया

शाह टाइम्स ब्यूरो रजबपुर। जीएमएस ग्रुप आफ फार्मेसी शकरपुर में साक्षरता दिवस जागरूकता कार्यक्रम हुआ। संस्थान के चेयरमैन शाहनवाज अली ने कहा कि आठ सितम्बर को यूनेस्को द्वारा 1966 में अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के रूप में घोषित किया गया था। निदेशक डा. हरीश कुमार ने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ना, लिखना, सीखना भर नहीं है बल्कि जीवनभर सीखने व विवेकपूर्ण निर्णय लेकर का आधार है। साक्षरता के विषय में जानकारी देते कहा कि इसे समाज के समग्र विकास से जोड़ना चाहिए। इस अवसर पर शिक्षक, कर्मचारी मौजूद रहे।

अमरोहा। जोया-अमरोहा रोड पर जाम लगाते भाकियू कार्यकर्ता।

भाकियू ने जोया-अमरोहा रोड जाम किया

अधिकारियों के न पहुंचने पर भड़के

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। किसानों की दर्जनों समस्याओं को लेकर भाकियू शंकर ने बड़ा मोर्चा खोलते हुए अधिकारियों के न पहुंचने पर किसानों धरने पर बैठ गये।किसानों के धरने पर बैठने पर पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया।

किसानों की समस्याओं के लिए दिए जा रहे हैं धरने की सूचना मिलने पर उपजिलाधिकारी सदर, तहसीलदार, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी व सहायक अभियंता, जिला कृषि अधिकारी कृषि उपनिदेशक उप निबंधन सहकारी, सीओ धरना स्थल पर पहुंच गये। सभी बिंदुओं पर वार्ता कर समाधान करने का भरोसा दिलाया। मुख्य विकास अधिकारीको ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि अगर जल्द निस्तारण नहीं हुआ तो वह आंदोलन की राह पकड़ने को मजबूर होंगे। किसानों ने कहा कि गंगा क्षेत्र में आई बाढ़ से धनोरा, हसनपुर और गंगेश्वरी क्षेत्र के किसानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। ऐसे में सरकार को तत्काल सर्वे कराकर उचित मुआवजा देना चाहिये। किसानों ने चेतावनी दी कि गन्ना मूल्य 518 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया जाये। जो चीनी मिलें भुगतान नहीं कर रही हैं। उनके क्रय केंद्र काटकर समय से भुगतान करने वाली मिलों को दिये जाये।साथ ही मुरादाबाद मंडल के 5 लाख किसानों के हित में मध्य गंगा नहर फेज-2 में 6 किमी की रफ्तार से पानी छोड़ा जाये। किसानों ने साफ कहा कि अगर सरकार उनकी समस्याओं का समाधान नहीं करती तो वह आंदोलन का बिगुल फूंकेंगे और इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस मौके पर रामफल, सिंह भरत सिंह,रणवीर सिंह, नरेश सिंह, राम निवास, राकेश रतनपुर हरि सिंह प्रधान जी, अरुण कुमार, भजनलाल सिंह, राकेश रस्तौनी, सुंदर सिंह, जिले सिंह पीतम सिंह,आमिर हुसैन, प्रीतम सिंह सतपाल मौजूद थे

युवक से 18 हजार की ठगी

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। साइबर लुटेरों ने युवक का रिश्तेदार बन कर फर्जी मैसेज डालकर 18000 रुपये की ठगी कर ली। पुलिस को तहरीर दे दी है। कोतवाली क्षेत्र के गांव शेखूपुर झकड़ी निवासी बॉबी शर्मा पुत्र विजय शर्मा को ठगी करने वाले गिरोह ने रिश्तेदार बनकर एक फर्जी मैसेज डाल दिया। उसके बाद तीन क्यूआर कोड भेज कर थोड़े-थोड़े करके 18000 रुपये डलवा लिए गये। बाद में जब युवक को फ्राड होने की हकीकत का पता चला तो उसके पैरों के नीचे की जमीन खिसक गई। पीड़ित युवक ने बताया कि 2000 करके नौ बार साइबर लुटेरों ने पैसे क्यूआर कोड से डलवाये है। पुलिस को ठगी करने वालों के खिलाफ रविवार की तहरीर दे दी गई है।

अतिक्रमण व कूड़े से पटा तालाब, सभासदों ने एडीएम को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। तालाब पर कब्जा और गंदगी के कारण कलाली मार्ग के हालात खराब हो गया है। बारिश के दिनों में स्थिति और ज्यादा भयावह हो जाती है। कई राहगीर फिसलकर घायल हो चुके हैं। मोहल्ले की महिलाओं और छात्राओं को रोजाना इसी गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तालाब का अस्तित्व सिर्फ कागजों में रह गया है, जबकि जमीनी हकीकत बेहद खराब है। इसी समस्या को लेकर सभासद प्रशांक त्यागी, पूनम रानी और नूतन रानी ने अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग की कि तालाब की तत्काल पैमाइश कराई जाए, अतिक्रमण हटवाया जाए और नगर पालिका से सौंदर्यकरण कराया जाए।सभासद प्रशांक त्यागी ने कहा तालाब अब नाम का रह गया है, मौके पर हालत बेहद दयनीय हैं। अगर जल्द कदम नहीं उठाए गए तो हालात और बिगड़ जाएंगे। पूनम रानी ने कहा छात्राएं और महिलाएं रोज गंदे पानी से होकर गुजरती हैं, यह बेहद असुविधाजनक और अस्वास्थ्यकर है। नूतन रानी ने प्रशासन से आग्रह किया कि इस दिशा में तत्काल और ठोस कदम उठाए जाएं। सभासदों का यह भी कहना है कि बीती 2 अगस्त को भी इस संबंध में एक प्रार्थना पत्र दिया गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिससे लोगों में रोष बढ़ रहा है।

धूमधाम से निकली जैन समाज की गजरथ यात्रा

अग्रवाल समाज ने किया पुष्प वर्षा से स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा।श्री दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में सोमवार को गजरथ यात्रा महोत्सव का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ। शोभायात्रा में नगर का माहौल पूरी तरह धर्ममय हो गया। इस दौरान देवराज इंद्र और इंद्राणी बनने का सौभाग्य डॉ. हर्षित जैन और दीक्षा जैन को मिला। भगवान को रथ पर विराजमान कराने का सौभाग्य विशाल जैन लोहे वालों को तथा रथ हांकने का दायित्व अनिल कुमार जैन गजरौला वालों को प्राप्त हुआ।

रथ यात्रा जैन मंदिर से प्रारंभ होकर परंपरागत मार्गों से होती हुई पुनः मंदिर पहुंची, जहां समापन के बाद जिनेंद्र भगवान का अभिषेक हुआ। मटकी आयोजन, 24 तीर्थंकरों की झांकियां, शोभायात्रा का रथ, बैंड-बाजे और ढोल-नगाड़ों की थाप आकर्षण का केंद्र रहीं। नगर भ्रमण के दौरान अग्रवाल सभा और नगरवासियों द्वारा जगह-जगह पुष्पवर्षा कर गजरथ यात्रा का स्वागत किया गया। अग्रवाल सभा के संयुक्त तत्वावधान में समाज के प्रमुख पदाधिकारियों ने जैन समाज के अध्यक्ष और धर्मप्रेमियों को माला पहनाकर तथा तस्वीर भेंटकर सम्मानित किया। इस मौके पर चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल, अग्रवाल सभा अध्यक्ष पंकज सिंघल, महिला अध्यक्ष सिम्मी अग्रवाल, युवा अध्यक्ष अक्षय अग्रवाल, कुसुमलता गोयल, सोनिया अग्रवाल, विवेक अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के लोग मौजूद रहे। वहीं जैन समाज से डॉ. अनिल कुमार जैन, जिनेंद्र कुमार जैन, इंद्र कुमार जैन, विनोद कुमार जैन, राजेंद्र कुमार जैन, नीरज जैन, विकास जैन, महावीर जैन, कौशल जैन, प्रेम जैन, संजीव जैन, स्वतंत्र जैन, अनमोल जैन, शिवम जैन, विपिन जैन, जीवन जैन, अनंत जैन, सिद्धार्थ जैन, विवेक जैन, दयानंद जैन, मोहित जैन, उमंग जैन, सिद्धांत जैन, दीपक जैन, नमन जैन, आदित्य जैन, आशीष जैन, संदीप जैन, वैभव जैन, सरला जैन, रेखा जैन, उषा जैन, मीनाक्षी जैन, दिव्या जैन, सरिता जैन, अनीता जैन, सीमा जैन, अमिता जैन, प्राची जैन, सुप्रिया जैन सहित सैकड़ों महिलाएं और पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे। रथयात्रा के दौरान हर मोड़ पर श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम दिखाई दिया

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पियेगा वही दहाड़ेगाः सुधीर गिरि

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान में 'अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' के उपलक्ष्य में 'साक्षरता वृद्धि में डिजीटल एजूकेशन का महत्व' विषय पर संगोष्ठी एवं साक्षरता जागरूकता पखवाड़ा-2025 का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित वक्ताओं ने ज्ञान/शिक्षा की शक्ति की महत्ता बताते हुए कहा कि भारत को फिर से विश्वगुरू बनाने एवं विकसित भारत 2047 में सबसे बड़ा रोल 'शिक्षित भारत-विकसित भारत' का ही होगा। इस अवसर पर साक्षरता जागरूकता पखवाड़ा-2025 के तहत संस्थान प्रबंधन/प्रशासन के 15 शिक्षकों के नेतृत्व में 150 सदस्यीय छात्र-छात्राओ के दल को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। ये छात्र-छात्राएं मेरठ, मुरादाबाद समेत पश्चिमी यूपी के विभिन्न जनपदों में शिक्षण संस्थानों एवं सार्वजनिक संस्थानो में जाकर नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग एवं जागरूकता संगोष्ठियों द्वारा 'शिक्षा के महत्व' को इंगित करेंगे। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान में प्रशासनिक भवन के सामने ओपन परिसर में आयोजित जागरूकता संगोष्ठी एवं साक्षरता जागरूकता पखवाडा-2025 का शुभारंभ संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. कृष्णकान्त दवे आदि ने रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करके किया। अपने सम्बोधन में संस्थापक अध्यश सुधीर गिरि ने कहा कि अमेरिका, जर्मनी, जापान, कनाडा में नहीं पूरे वैश्विक परिदृश्य पर नजर डालिये, जिस देश का युवा शिक्षित होगा एवं तकनीकी रूप से सक्षम होगा, उस देश को विकसित होने से कोई नहीं रोक सकता। संविधान निर्माता भारत बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर ने भी कहा था कि 'शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पियेगा वही दहाड़ेगा।' यदि हमे सच में भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो इसे पहले शतप्रतिशत 'शिक्षित राष्ट्र' बनाना होगा।

प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि भारत की नयी शिक्षा नीति-2020 बहुत ही ऐतिहासिक एवं शानदार है जिसमें, स्किल इण्डिया-डिजीटल इण्डिया, सर्व शिक्षा अभियान समेत तमाम कल्याणकारी शैक्षणिक योजनाएं शुमार हैं। आज क्वालिटी एजूकेशन एवं नवाचारो के दम पर भारत फिर से विश्व गुरू बनने चला है। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. पीयूष पाण्डेय, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. मंजरी राणा, मेरठ परिसर से निदेशक डॉ. प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

अलेक्जेंडर एथलेटिक क्लब द्विवार्षिक चुनाव

परिवर्तन परिवार टीम के प्रत्याशियों ने मतदाताओं के घर-घर जाकर मांगे वोट

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। सोमवार को अलेक्जेंडर क्लब के परिवर्तन परिवार की टीम ने सोमवार सुबह अपने सभी उम्मीदवारों के साथ वेस्टर्नन रोड, ईस्टर्न कचहरी रोड, साकेत, सिविल लाईंस और कचहरी के आस पास के क्षेत्र में एक सभा क्लब के चुनाव की रणनीति तय करने के लिए की और वोटर्स सदस्यों के घर-घर जाकर संपर्क किया। इस दौरान परिवार परिवर्तन टीम के सभी उम्मीदवार मौजूद थे। सभी उम्मीदवारों को इस क्षेत्र में रहने वाले सभी वोटर सदस्यों ने अपना आशीर्वाद दिया और विजयी होने की शुभकामनाएं परिवर्तन परिवार की टीम को दीं। इस अवसर पर टीम परिवर्तन परिवार के उम्मीदवार जे.पी. अग्रवाल उपाध्यक्ष, संजय कुमार सचिव, राहुल दास कोषाध्यक्ष सहित तमाम कार्यकारिणी सदस्यों ने आईआईएमटी विश्वविद्यालय के डायरेक्टर और संस्थापक योगेश मोहन गुप्ता के पास भी पहुंचे। इस दौरान बड़ी संख्या में क्लब सदस्यय मौजूद रहे।

आज से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे भाकियू भानु के कार्यकर्ता

मांगे पूरी न होने तक प्रबंध निदेशक कार्यालय पर जारी रहेगा धरना

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। अपनी मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भानु) आज प्रबन्ध निदेशक कार्यालय का घेराव करेगी और पर अनिश्चितकालीन धरना देगी। भारतीय किसान यूनियन (भानु) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. नुसरत सेठ ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय किसान यूनियन (भानु) मंगलवार (आज) से आंदोलन का आगाज कर रही है। उत्तर प्रदेश के चारों विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के विरूद्ध संगठन के कार्यकर्ता एवं प्रदेश भर के किसान अपने हक की लड़ाई के लिए मैदान में उतर रहे हैं। प्रबंध निदेशक कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा और यह धरना तब तक जारी रहेगा जब तक किसानों की मांगे पूरी नहीं होतीं। डॉ. नुसरत सेठ ने बताया कि किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर गत 6 नवंबर (शनिवार) को प्रबन्ध निदेशक पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को एक ज्ञापन सौंपा गया था और किसानों की समस्याओं के जल्द समाधान की मांग की गई थीं परन्तु कोई समाधान नहीं किया गया। धरने में भरत सिंह, सुबीश त्यागी, ठा. जयभगवान सिंह सिसौदिया, पूनम चौहान, ठा. एन.पी. सिंह, अंकुर चौहान, चौ. जयवीर सिंह, राजीव कुमार अधाना, कमलजीत सिंह चौहान, पुनीत त्यागी, अमित त्यागी, दया प्रकाश समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल होंगे।

एमएसबी इंटरनेशनल स्कूल में मनाया गया ऑरेंज दिवस

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। मोदीपुरम स्थित एमएसबी इंटरनेशनल स्कूल में सोमवार को किंडर कक्षाओं में बच्चों के लिए रंगारंग कार्यक्रम कराया गया। जिसमें सोमवार का दिन ऑरेंज डे के रूप में मनाया गया। इसमें छोटे-छोटे बच्चे ऑरेंज कलर की पोषाक पहनकर आए और ऑरेंज कलर के फल, सब्जियां, रंग-बिरंगे खिलौने इन सब की जानकारी उन्हें दी गई। इस रंगारंग कार्यक्रम को किंडर विंग की सभी शिक्षिकाओं ने मिलकर बहुत उत्साह से मनाया और बच्चों ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर इसमें भाग लिया। एमएसबी इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य उमेश शर्मा ने बच्चों को नारंगी रंग की तरह हमेशा चमकते-दमकते रहने की प्रेरणा दी। और उनके उज्जवल भविष्य के लिए उनको अच्छी-अच्छी बातें बताई। हमारे एम.डी. सर डॉक्टर राजीव भारद्वाज ने बच्चों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। बच्चों ने नारंगी रंग के फल जैसे संतरा, नारंगी रंग की सब्जी जैसे गाजर इनके ऊपर आकर्षक कविताएं याद की और सुनाई। बच्चों की आकर्षक कविताओं ने सबका मन मोह लिया। इस प्रकार उत्साह पूर्वक इस प्रोग्राम का समापन किया गया। इस कार्यक्रम में किंडर विंग की सभी शिक्षिकाओं ने हिस्सा लिया शालिनी गोयल, शशि शर्मा, विभा शर्मा, रूपाली चौधरी, अनिका चौधरी, नैना, मानसी, मंजू गोस्वामी आदि शिक्षिकाओं ने कार्यक्रम में सहयोग दिया।

धमकी देने वाले आरोपी को भेजा जेल

शाह टाइम्स संवाददाता

फलावदा। मवाना में स्थित एक कॉलेज की अध्यक्षा को धन गबन करने के आरोपी गोली मारने धमकी दे रहे थे। पीड़िता ने बीते दिनों आरोपी और उसके एक साथी के खिलाफ थाना फलावदा में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले में सोमवार को एक आरोपी को हिरासत में लेकर शांति भंग में चालान कर जेल भेज दिया।

यह था मामला: पीड़ित अतुल वर्मा पुत्र स्व. अचल सिंह वर्मा निवासी मवाना ने बीते दिनों थाने में पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उसकी पत्नि अर्चना वर्मा मवाना कॉलेज में अध्यक्षा के पद पर कार्यरत हैं। मुनु चौधरी पुत्री भोपाल सिंह निवासी पिलौना के विरूद्ध कॉलेज के रुपये गबन करने के सम्बन्ध में थाना मवाना पर वर्ष 2024 में मुकदमा पंजीकृत कराया गया था जिसमें वादी द्वारा मुकदमे की पैरवी चल रही है। मुनु चौधरी का भाई विवेक चौधरी पुत्र भोपाल सिंह निवासी पिलौना इस मुकदमे में जबरदस्ती समझौता करने के लिए पीड़िता और उसके परिवार को सोशल मीडिया व फेसबुक के माध्यम से गंदी गंदी गाली व परिवार को गोली मारकर खत्म करने की धमकी दे रहा था। विवेक चोधरी के विरूद्ध पूर्व में भी थाने पर कई मुकदमे दर्ज हैं। यह अपराधी किस्म का व्यक्ति हैं तथा अपराधियों से इसका मेल जोल है। पीड़िता को डर है कि आरोपी अपने साथी बदमाशों से मिलकर विवेक चौधरी उसकी और परिवार के लोगों की कभी भी हत्या कर सकता है। आरोपी विवेक चौधरी द्वारा फेसबुक पर दी गयी धमकी का वीडियो भी पीड़िता ने पुलिस को उपलब्ध करा दी। फलावदा पुलिस ने विवेक चौधरी को हिरासत में लेकर शांति भंग की धाराओं में चालान कर दिया।

मुख्यमंत्री के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का देखा गया सजीव प्रसारण

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। सोमवार को विकास भवन सभागार में विधायक मेरठ कैंट अमित अग्रवाल, एमएलसी धर्मेन्द्र भारद्वाज की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में नवचयनित कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मेरठ जनपद में 24 कनिष्ठ सहायक नियुक्त हुए हैं जिनको जनप्रतिनिधियों द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। जिलाधिकारी द्वारा जनप्रतिनिधियों को शॉल व पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 1112 कनिष्ठ सहायक एवं 22 एक्सरे टेक्नीशियन पद के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया।

कार्यक्रम में विधायक व एमएलसी द्वारा नवचयनित कनिष्ठ सहायकों अभिषेक, अक्षय वर्मा, अमन सिंह, अनिकेत, अंकुर कुमार, अंकुर चौधरी, आरती वर्मा, आशीष श्रीवास्तव, भारती, भूपेन्द्र कुमार, छतर पाल, दीपक सिंघल, दीप्ति गोयल, गौरव तोमर, कु. मनीषा मवी, नितिन राजलीवाल, प्रवीण कुमार यादव, रचित यादव, रूपा, शुभम कुमार, विकास कुमार को नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। नियुक्ति पत्र पाकर नवचयनित कनिष्ठ सहायकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पीडीडीआरडीए सुनील कुमार सिंह, सीएमओ डॉक्टर अशोक कटारिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ व नवचयनित कनिष्ठ सहायक उपस्थित रहे।

कृषि राज्यमंत्री ने नवनियुक्त 09 कनिष्ठ सहायकों को बांटे नियुक्ति पत्र

रामपुर। उत्तर प्रदेश के कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, जिलाधिकारी श्री जोगिंदर सिंह, पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष मो. हनलाल सैनी और जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार की उपस्थिति में स्वास्थ्य विभाग में नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित जनपद में 09 कनिष्ठ सहायकों को जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा नियुक्ति पत्र वित. रित किये गये।

आज विद्युत उपभोक्ता सेवा शिविर व जन-सुनवाई का होगा आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि., के अन्तर्गत जनपद मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, हापुड, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, मुरादाबाद, संभल, रामपुर, अमरोहा, बिजनौर एवं गौतमबुद्धनगर (नोएडा) के सभी उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु संभव कार्यक्रम के अन्तर्गत मंगलवार को प्रबंध निदेशक ईशा दुहन की अध्यक्षता में विद्युत उपभोक्ता सेवा शिविर एवं जन-सुनवाई का आयोजन किया जाऐगा। यह शिविर डिस्काम मुख्यालय ऊर्जा भवन विक्टोरिया पार्क मेरठ में प्रात: 10 बजे से अपराह्न 12 बजे तक आयोजित किया जाऐगा। शिविर मे विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित और न्यायपूर्ण निस्तारण किया जाएगा। शिविर में उपभोक्ताओं को बिल सुधार (बिल संशोधन), बिल जमा करने की सुविधा, स्मार्ट मीटर से संबंधित समस्याओं का समाधान, पी.एम. सूर्यघर योजना से संबंधित सहायता, मीटर रीडिंग, डुप्लीकेट बिल एवं बिल भुगतान से आदि से जुडी अन्य सेवाएं, मीटर एडवाइज एवं अन्य मीटर संबंधी समस्याओं का त्वरित निस्तारण की विशेष सुविधाए उपलब्ध कराई जाएंगी। विशेष रूप से बिलिंग कैम्प में, उपभोक्ताओं की बिल संबंधी शिकायतों का मौके पर समाधान किया जाऐगा, जिससे उपभोक्ता अपना बिजली बिल सुधार, मीटर रीडिंग सुधार, डुप्लीकेट बिल एवं बिल भुगतान से संबंधी अन्य सेंवाओं का लाभ ले सकेगें। पश्चिमांचल डिस्काम के समस्त 14 जनपदों के विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु, प्रत्येक मंगलवार को विद्युत उपभोक्ता सेवा शिविर एवं जनसुनवाई की व्यवस्था की गई, जिसमें विभाग के उच्च स्तर से लेकर, स्थानीय स्तर तक के अधिकारी मौजूद रहेगें। प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि डिस्काम उपभोक्ताओं को पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत सेवाए उपलब्ध कराने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उपभोक्ताओं से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में शिविर में प्रतिभाग कर, अपनी समस्याओं एवं शिकायतों का मौके पर ही समाधान प्राप्त करें।

डीएम और एसपी ने किया सम्पर्क मार्गों का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। सोमवार को जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह ने पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र के साथ कोसी नदी का जलस्तर बढ़ने से हुए संपर्क मार्ग के कटान का स्थलीय निरीक्षण करने तहसील स्वार के ग्राम पसियापुर एवं मझरा चांदपुर पहुंचे।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता सिंचाई को निर्देशित किया कि ग्रामीण जन की सुविधा, सुरक्षा व आवागमन को सुचारु रूप से करने के लिए तत्काल वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था करायें।

जिलाधिकारी ने ग्रामीणजनों से बात. चीत की और गांव में किसी भी प्रकार की जनहानि या पशुहानि के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने अधिशासी अभियंता (सिंचाई) को जलस्तर कम होने के उपरांत कटान की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए भविष्य के लिए आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय और स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को निर्देशित किया कि भविष्य में सम्भावित बाढ़ की आशंका के दृष्टिगत पूर्व में ग्रामीणजनों को आवंटित किये गये पट्टों का सत्यापन कर आवश्यकतानुसार उन्हें सुरक्षित स्थान पर स्थानान्तरित करने की कार्रवाई करें।

विधायक ने शोरूम का किया फीता काटकर उद्धघाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

स्वार। स्वार टांडा विधायक अपनी टीम के साथ नगर पालिका पहुँचे लोगों ने फूल मालाओं से विधायक जी का स्वागत किया काफी तादाद में लोग मौजूद थे. फीता काटने के बाद विधायक ने नगर पालिका की दुकानों का निरीक्षण किया वही उन्हें देखकर लोगो में काफी उत्साह दिखा. और विधायक जिन्दाबाद के नारे लगाने लगे उन्होंने ने कहा में जनता के लिए हर समय तैयार हूं मेरे घर के दरवाजे मेरी जनता के लिए हर समय खुले हैं। आगे कहा कि ऐसे शोरूम हमारे क्षेत्र में खुलते रहें इससे लोगों को रोजगार और जनता को अच्छा सामान मिलेगा और लोग बाहर से खरीदारी ना करके अपने क्षेत्र में ही खरीदारी करे। इस दौरान शोरूम स्वामी अब्दुल्लाह आजम, फैजान बल्ली, हामिद अल्वी, अकील मेंबर, मारूफ पाशा, शादाब अंसारी, दीपक नागर सलहाकार, पंकज सैनी प्रतिनिधि, नबी अहमद, शब्बीर प्रधान हामिद प्रधान इरफान अल्वी, इदरीस पठान कार्यालय प्रभारी आदि मौजूद रहे।

सड़क स्वीकृत होने पर मोक्ष धाम सेवा ट्रस्ट ने विधायक को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक /रामपुर। नगर के मोक्ष धाम को जाने वाली सड़क कथन शासन द्वारा स्वीकृत कराने पर मोक्ष धाम सेवा ट्रस्ट ने क्षेत्रीय विधायक को सम्मानित किया। भारतीय जनता पार्टी की क्षेत्रीय विधायक राजबाला सिंह के अथक प्रयास से नगर के नवादिया मोड़ स्थित नहर नदी के पुल के किनारे से मोक्ष धाम तक मार्ग नव निर्माण कार्य 0.500 किलोमीटर 131.65 लाख की लागत से बनवाने का प्रस्ताव शासन को दिया गया था। जिसकी स्वीकृति शासन द्वारा प्राप्त हो गई है।

मोक्ष धाम सेवा ट्रस्ट मिलक जिला रामपुर के समस्त पदाधिकारीगण, सदस्यों एवं नगर की समस्त जनता की ओर से क्षेत्रीय विधायक का हार्दिक आभार एवं खुशी का इजहार किया गया। जिसके उपलक्ष्य में मोक्ष धाम सेवा ट्रस्ट मिलक के समस्त पदाधिकारी गण व सदस्यों के द्वारा (शाहबाद-मिलक) विधायक राजबाला सिंह व उनके पति दिलीप लोधी को स्मृति चिन्ह व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। जिन्होंने इस असंभव कार्य को संभव बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया आपके द्वारा ट्रस्ट के मेंबरों से भेंट वार्ता की गई। जिसमें ट्रस्ट के द्वारा विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया जहां पर उपस्थित ट्रस्ट के अध्यक्ष के के शर्मा, उपाध्यक्ष डॉक्टर हरीश अग्रवाल, रजनीश अग्रवाल, अभय अग्रवाल, अशोक महेश्वरी, नत्थू लाल गंगवार, विनोद प्रकाश सक्सेना, पीयूष शर्मा इत्यादि उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर डीएम और एसपी ने तहसील स्वार में सुनीं जन शिकायतें

- शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं
- अवैध कब्जेदारों पर होगी कठोर कार्रवाई
- फार्मर रजिस्ट्री में छूटे किसानों का अभियान चलाकर करायें पंजीकरण: डीएम

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। सोमवार को जिलाधिकारी जोगिन्दर सिंह एवं पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र की उपस्थिति में तहसील स्वार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 37 शिकायतें/प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 05 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया। अधिकतर शिकायतें विद्युत विभाग से संबंधित रहीं। इस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता (विद्युत) को निर्देशित किया कि विद्युत संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु शिविर (कैम्प) लगाकर लोगों की समस्याओं का निवारण यथाशीघ्र करायें। ग्राम पंचायत मोहब्बतनगर में चकमार्ग पर अवैध कब्जे कर पेड़ लगाए जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने संबंधित लेखपाल को पुलिस बल के साथ मौके पर जाकर चकमार्ग की पैमाइश कर अवैध कब्जा हटाने तथा एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए कि समाधान दिवस में प्राप्त सभी शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लेखपालों को निर्देशित किया कि जिन किसानों का फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण अभी तक नहीं हुआ है, उन्हें विशेष अभियान चलाकर तुरंत पंजीकृत किया जाए, जिससे भविष्य में उन्हें सरकारी योजनाओं से वंचित न होना पड़े। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कानून-व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों, अवैध कब्जों एवं अपराध संबंधी मामलों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा।

जनता की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इसी प्रकार तहसील मिलक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) डॉ. नितिन मदान की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 22 शिकायतें प्राप्त हुई और 03 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सदर में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें 16 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 04 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील बिलासपुर में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें 15 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया।

इसके अतिरिक्त तहसील टाण्डा में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में 19 शिकायतें प्राप्त हुई और 04 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील शाहबाद में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें 10 शिकायतें प्राप्त हुई और 01 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया।

मछली मारने गए युवक की कोसी नदी घाट से मोटरसाइकिल चोरी

मसवासी। चौकी क्षेत्र के गांव जमना जमनी के जंगल से कोसी नदी घाट से मछली मारने गये यूवक की मोटरसाइकिल चोरी होगई वहा पर मौजूद लोगो ने आस पास काफी तलाश किया लेकिन मोटरसाइकिल का कोई पता नही चल पाया यूवक ने मोटरसाइकिल चोरी की तहरीर चौकी पुलिस को दी है। मेहमूद हसन पुत्र अला उद्दीन निवासी भूवरा अपनी मोटरसाइकिल से जमना जमनी के जंगल मे कोसी नदी घाट पर मछली पकड़ने गया था वह अपनी मोटरसाइकिल कुछ दूर खड़ी कर कोसी नदी घाट पर मछली पकड़ने लगा कुछ देर के बाद जब वह अपनी खड़ी मोटरसाइकिल देखने गया तब वहा पर मोटरसाइकिल मौजूद नही थी। मोटरसाइकिल न देख उसके होश उड़ गए इसकी जानकारी उसने आस पास मछली पकड़ रहे लोगो को दी वहा पर मौजूद लोगो ने मोटरसाइकिल को गन्ने के खेतो मे ओर आस पास काफी तलाश किया लेकिन मोटरसाइकिल का कोई पता नही चल पाया।

नाम परिवर्तन

मैं रिजवान सैफी पुत्र मोहम्मद इरशाद सैफी माता का नाम शमा परवीन है, आज से मैंने अपना नाम बदलकर मोहम्मद रिजवान सैफी रख लिया है। मुझे आज से मोहम्मद रिजवान सैफी के नाम से जाना जाए। पता: 82, समर कॉलोनी, मेरठ, उत्तर प्रदेश 250002

बाढ़ पीड़ितों को वितरित की खाद्यान किट क्षतिग्रस्त हुए मकानों का सर्वे करने के दिए निर्देश

पीलीभीत। गन्ना विकास एवं चीनी मिले राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित एवं नदी कटान वाले गांवो का दौरा किया जहा उन्होनें बाढ़ पीड़ितो को खाद्यान किट का वितरण किया। इस दौरान उन्होनें बाढ पीड़ितो की समस्याये सुनी और उनके समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिये। राज्यमंत्री संजय गंगवार ने भ्रमण के दौरान उनके साथ मौजूद एडीएम वित्त रितू पुनिया एंव अन्य अधिकारियों को नदी कटान रोकने के समुचित प्रबन्ध किये जाये और बाढ़ बारिश के दौरान जिन ग्रामीणों के मकान क्षतिग्रस्त/ध्वस्त हो गये है उनका तत्काल सर्वे करा कर उनकों शासन की नीति के अनुसार मुआवजा प्रदान किया जाये। ग्रामीण क्षेत्रों में जन सभाओं को सम्बोधित करते हुए राज्यमंत्री संजय गंग. वार ने कहा की भाजपा सरकार बाढ़ पीड़ितों की हर सम्भव मदद करने को तैयार है और किसी को भी परेशानी नही होने दी जायेगी। उन्होंने नदी कटान वाले क्षेत्रों में मार्ग क्षतिग्रस्त होने के कारण मोटर साईकल से कटान की स्थिति को मौके पर जाकर देखा। उन्होनें सिचाई विभाग के अधिकारियों को भी कहा है कि नदी कटान वाले क्षेत्रों में तत्काल कटान रोके जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। क्षेत्र भ्रमण के दौरान राज्यमंत्री ने मरौरी ब्लाक क्षेत्र के ग्राम नाकूड़, बेहरी खेड़ा, बक्शपुर, दियुनीकेसरपुर आदि कई गांवों का दौरा कर बाढ बारिश से हुई जनहानि का जायजा लिया। इस दौरान मरौरी ब्लाक प्रमुख सभ्यता वर्मा, समाजस. वी आकाश ममनानी, मण्डल अध्यक्ष अनीता कश्यप, प्रतिनिधि ओमप्रकाश वर्मा, जसपाल सिंह, हरीशंकर, ग्राम प्रधान सोव. रन सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्रामीण के घर में घुसे मगरमच्छ को वन विभाग की टीम ने किया रेस्क्यू

कलीनगर। तहसील कलीनगर के गांव जमुनिया में ग्रामीण के घर में अचानक मगरमच्छ के घुसने से परिवार सहित ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक शिवलाल पुत्र किशोर रविवार रात अपने घर में सो रहे थे, तभी देर रात लगभग 11 बजे अचानक शिवलाल की नींद खुल गई। नींद खुलने के बाद उसने देखा कि उसके घर में मगरमच्छ घुस आया है। घर में मगरमच्छ देखकर शिवलाल के होश उड़ गए शिवलाल मगरमच्छ को देखते ही चीखने चिल्लाने लगा। इसके उपरांत सभी परिवार के लोग जग गए और आसपास के ग्रामीण भी मौके पर इकट्ठा हो गए और परिवार सहित पूरे ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। आनन–फानन में परिजनों द्वारा जमुनिया पुलिस चौकी को सूचित किया गया। जहां जमुनिया चौकी इंचार्ज चंद्रपाल सिंह तत्काल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मौके पर पहुंचे पुलिस चौकी इंचार्ज द्वारा वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना देने के लगभग 2 घंटे के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मगरमच्छ का रेस्क्यू किया।

घरेलू विवाद में पति पत्नी ने पिया ज़हर, पत्नी की मौत, पति गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जनपद के न्यूरिया थाना क्षेत्र के मोहल्ला ठाकुरद्वारा में रविवार की रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया। पति–पत्नी के बीच हुए झगड़े ने ऐसा भयावह रूप ले लिया कि दोनों ने जहरीला पदार्थ खा लिया। 27 वर्षीय गर्भवती पत्नी सीतू की मौत हो गई, जबकि पति राजू की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। यह मामला न सिर्फ एक परिवार को उजाड़ गया बल्कि समाज के सामने घरेलू कलह और रिश्तों की नाजुक स्थिति का भी आईना दिखा गया। रविवार देर रात राजू और उसकी पत्नी सीतू के बीच राजू की दूसरी पत्नी को लेकर झगड़ा हुआ। यह विवाद धीरे–धीरे इतना बढ़ गया कि दोनों ने आवेश में आकर जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजनों ने आनन–फानन में उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें एस.एस. हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया यहां इलाज के दौरान सीतू ने दम तोड़ दिया। जबकि राजू की हालत अभी भी गंभीर बताई जा रही है और डॉक्टरों की टीम राजू जिंदगी बचाने के प्रयास में जुटी हुई है। मृतका सीतू गर्भवती थी। उसके पहले से दो छोटे बच्चे हैं 5 साल की बेटी और 2 साल का बेटा। मां की मौत और पिता की गंभीर हालत ने मासूम बच्चों को बेसहारा कर दिया है। पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है। घर में मातम का माहौल है और बच्चों का भविष्य अनिश्चितता में डूब गया है।

गाड़ी चालक ने पुलिसकर्मी से की अभद्रता

शाह टाइम्स ब्यूरो

बुलंदशहर। कोतवाली देहात क्षेत्र में भूड़ चौराहे पर वाहन चेकिंग किए जाने से नाराज एक गाड़ी के चालक ने हैड कांस्टेबल से अभद्रता शुरू कर दी। हैड कांस्टेबल के विरोध करने पर आरोपी मारपीट करने पर उतारू हो गया। हैड कांस्टेबल की सूचना पर देहात पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया। देहात पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी का चालान कर दिया है। जिले भर में एसएसपी के निर्देश पर अलग–अलग स्थानों पर पुलिस टीम द्वारा वाहन चेकिंग की जाती है। यातायात पुलिस में तैनात हैड कांस्टेबल राहुल कुमार ने कोतवाली देहात में तहरीर देकर बताया कि रविवार को उनकी ड्यूटी भूड़ चौराहे पर लगी हुई थी। चेकिंग के दौरान उन्होंने एक गाड़ी को रोककर उसकी जांच करने लगे। आरोप है कि इस पर गाड़ी का चालक भड़क गया और हैड कांस्टेबल राहुल कुमार से अभद्रता करने लगा। हैड कांस्टेबल से गाली–गलौच की गई। हैड कांस्टेबल के विरोध करने पर आरोपी मारपीट पर उतारू हो गया। इस पर हैड कांस्टेबल ने पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना दी। देहात पुलिस ने कुछ ही देर में मौके पर पहुंचकर आरोपी चालक को हिरासत में लिया। आरोपी की पहचान नरेश कुमार के रूप में हुई। एएसपी ऋजुल कुमार ने बताया कि आरोपी द्वारा सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की गई। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी नरेश का चालान कर दिया गया है।

शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

शाह टाइम्स ब्यूरो

बुलंदशहर। सोमवार को खुर्जा देहात थाना क्षेत्र के एक गांव में मुस्लिम युवक ने शादी का झांसा देकर तीन माह तक युवती के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एक गांव निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि उनके गांव में मुस्लिम युवक किराए के मकान में रहता था। जिसने उसे अपनी बातों के जाल में फंसा कर शादी करने की बात कही। आरोप है कि शादी का झांसा देकर तीन महीने से उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता आ रहा था। जिसके बाद आरोपी ने पीड़िता से आधार कार्ड और उसकी टीसी मांग ली। जिसकी बातों में आकर उसने आधार कार्ड और टीसी उसे दे दी। जिसके बाद आरोपी वहां से चला गया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। देहात थाना प्रभारी प्रशिक्षु शशांक श्रीवास्तव ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोप

महिला को जबरन ले गए परिजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

बुलंदशहर। सोमवार को नगर क्षेत्र में कचहरी रोड से एक महिला को उसके परिजन जबरन अपने साथ ले गए। महिला के साथ आए प्रेमी युवक ने उसे रोकने का प्रयास करते हुए जमकर हंगामा किया। पुलिस कार्यालय पहुंचकर एसएसपी से शिकायत करते हुए महिला की जान को खतरा जताया। थाना पहासू में महिला के संबंध में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। आरोपी परिजनों ने महिला को थाना पहासू पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। एसएसपी ने मामले में उचित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पहासू क्षेत्र के एक दंपति के मध्य कभी वक्त से विवाद चल रहा है। दोनों के बीच पारिवारिक विवाद न्यायालय में विचाराधीन है। पति से विवाद के चलते महिला उसको छोड़कर चली गई। जिसके बाद पति द्वारा थाना पहासू में उसकी गुमशुदगी दर्ज करा दी गई। बताया कि महिला अपने प्रेमी के साथ नोएडा क्षेत्र में रहने लगी। सोमवार को न्यायालय में केस के संबंध में तारीख थी, जिस पर महिला अपने प्रेमी के साथ न्यायालय जा रही थी। आरोप है कि कचहरी रोड पर महिला को उसके परिजन जबरन अपने साथ ले गए। महिला के साथ आए युवक ने काफी शोर मचाया, किंतु उसकी एक न चल सकी। इसके बाद युवक ने हंगामा शुरू कर दिया। युवक ने पुलिस कार्यालय पहुंचकर एसएसपी को मामले की जानकारी देते हुए महिला की जानमाल को खतरा जताया।

मौसम ने बिगड़ा लोगों का स्वास्थ

शाह टाइम्स ब्यूरो

बुलंदशहर। सोमवार को जिला अस्पताल में हजारों की सुख्या में मरीजों की भीड़ रही। बारिश व धूप से मौसम में हर दिन बदलाव हो रहा है। जिसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ पर पड़ रहा है। मौसम में उतार–चढ़ाव होने की वजह से अस्पतालों में सुबह से ही मरीजों की भीड़ लग जाती है। पिछले एक सप्ताह के रिकॉर्ड पर जाएं तो मरीजों की संख्या अब डेढ़ गुना हो गई है। सोमवार को जिला अस्पताल में 2160 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। इनमें सबसे अधिक बुखार, डायरिया, खांसी, जुखाम के मरीज रहे। मौसम में इन दिनों रोजाना बदल रहा है। कभी धूप छांव तो कभी बारिश हो रही है। बारिश होने पर मौसम सामान्य हो जाता है तो धूप निकलते ही लोग गर्मी से परेशान हो जाते हैं। मौसम का यही बदलाव लोगों सेहत पर दिखने लगा है। जिला अस्पताल की ओपीडी में डॉक्टरों के पहुंचने से पहले मरीजों की लाइन लग जाती है।

धूमधाम से भगवान महावीर की निकली रथयात्रा

कोसीकलां। पर्वाधिराज पर्यूषण एवं क्षमावाणी पर्व के समापन अवसर पर नगर में भगवान महावीर की भव्य रथयात्रा निकाली गयी। रथयात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई माभई स्थित एम.डी.जैन पब्लिक स्कूल पहुँची। विद्यालय में जैन समाज के छोटे बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर जमकर तालियां वटोरी।सोमवार भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर हैं और उनकी शिक्षाएं अहिंसा, सत्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह और अचौर्य पर आधारित हैं। जैन समाज में महावीर दिगंबर की पूजा और आरती का विशेष महत्व है, जिसमें जिनवाणी का पाठ किया जाता है। महावीर चाली. सा भी एक लोकप्रिय स्तोत्र है, जिसमें भगवान महावीर के जीवन, उनकी शिक्षाओं और आदर्शों का वर्णन किया गया है को पर्वाधिराज पर्यूषण एवं क्षमावाणी पर्व के समापन अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ समाज के लोगों ने दीप प्रज्जवलन कर किया।इस अवसर पर भगवान महावीर की प्रातः 7 बजे नित्य नियम पूजा कर दोपहर 1 बजे पाण्डे वाले जैन मन्दिर से भगवान महावीर की भव्य रथयात्रा निकाली गयी। रथयात्रा के साथ निकली आधा दर्जन झांकियां सराफा बाजार, मैन बाजार, आर्यनगर, रेल्बे स्टेशन, शेरगढ रोड तिराहा, घंटाघर, बल्देव गंज चौराहा, होती हुई माभई स्थित एम.डी. जैन पब्लिक स्कूल पहुंची। रथयात्रा का समाज के लोगों ने पग पग पर पुष्प वर्षा कर जोशीला स्वागत किया। रथयात्रा में लग रहे भगवान महावीर के उदघोषों से समूचा

सपा नेता राजकुमार ने शिक्षक सेवानिवृत्त शिक्षकों का किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में समाजवादी पार्टी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सपा नेता राजकुमार "राजू" ने सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मानित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सेवा. निवृत्त शिक्षक जुटे कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह "जग्गा" ने कहा कि "शिक्षक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम आयोजक समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राज. कुमार "राजू" ने आए हुए सभी शिक्षकों का आभार जताते हुए कहा की "शिक्षक दिवस के

अवसर पर हम सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान करते हैं जिन्होंने अपने जीवन को शिक्षा के लिए समर्पित किया है उन्होंने बताया वह खुद शिक्षक थे उसी दौरान जनता की सेवा करने का मन आया और इस्तीफ़ा देकर राजनीति मे आए शिक्षको के प्रयासों से ही हमारे समाज में शिक्षा का स्तर सुधरा है और युवाओं को सही दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिला है। हम उनके योगदान को सलाम करते हैं और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना करते हैं।" इस दौरान विशिष्ठ अतिथि पूर्व विधायक अरशद खा एव पूर्व जिलाध्यक्ष उमाशंकर यादव ने कार्यक्रम की सराहना करतें हुए कहा की आज इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के लिये आए हुए सभी शिक्षकों को बारम्बार नमन एवं नेता जी स्व.मुलायम सिंह यादव जी के शिक्षक रहने के दौरान संस्मरण सुनाए। इस दौरान मास्टर गुरदयाल सिंह, कौशल वाजपेयी, सपा जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह यादव, समाजवादी छात्र सभा के पूर्व प्रदेश सचिव नोमान अली वारसी, कल्याण सिंह सरोज, संजय खान, मीता सिंह, दिनेश वर्मा, भगवान दीन वर्मा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व शिक्षक ओम शर्मा ने किया एवं अध्यक्षता वरिष्ठ सपा नेता एवं पूर्व शिक्षक मास्टर गुरदयाल सिंह ने की। उपस्थित शिक्षको में प्रमुख रूप से महानंद आर्य (सेवा निवृत्त शिक्षक) राजेंद्र प्रसाद सक्सेना, रामदीन, मुरारीलाल भारती, मो.सादिक, सुनील कुमार पाण्डेय, गीता देवी, भगवानदीन आदि रहे।

समाधान दिवस में आई 193 शिकायतें

शाह टाइम्स ब्यूरो

बुलंदशहर। सोमवार को सिकंद्राबाद तहसील में डीएम श्रुति की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। बता दें कि जिले की सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम ने सिकंदराबाद तहसील में शिकायतें सुनते हुए उनका निस्तारण कराया। जिले की सभी सातों तहसीलों में 193 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिनमें से 23 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के लिए सौंपा गया है। सिकंदराबाद तहसील सभागार में डीएम श्रुति की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में 33 शिकाएतें आई। जिनमें 25 राजस्व, दो–दो पुलिस और ब्लॉक, एक–एक पीडब्ल्यूडी, विद्युत, नगर पालिका और पशुपालन विभाग की रही। डीएम तीन शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया। शेष शिकायतें संबंधित अधिकारियों को सौंपी गईं। इस मौके पर एसएसपी दिनेश कुमार सिंह, एसडीएम दीपक कुमार पाल, सीओ भास्कर कुमार मिश्रा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। सदर तहसील में एसडीएम दिनेश कुमार की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। मौके पर विभिन्न विभागों से संबंधित 29 शिकायतें प्राप्त हुईं। वंही खुर्जा तहसील सभागार में एसडीएम प्रतीक्षा पांडेय ने शिकायतें सुनीं। मौके पर 14 शिकायतें प्रस्तुत की गईं लेकिन मौके पर किसी भी शिकायत का निस्तारण नहीं हो सका। मौके पर तहसील स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। जिनमें से एक भी शिकायत का निस्तारण नहीं हो सका। सभी शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के लिए सौंपा गया। इस मौके सीओ पूर्णिमा सिंह सहित तहसील स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। स्थाना तहसील सभागार में एसडीएम रविन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में शिकायतों को सुना गया। कुल 12 लोगो ने शिकायती पत्र दिए। मौके पर दो शिकायतों का निस्तारण किया गया। सीओ प्रखर पांडेय ने भी फरियादियों की समस्याएं सुनी। तहसीलदार अजय कुमार, बीडीओ मोकम सिंह, कोतवाली प्रभारी यज्ञदत्त शर्मा सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अनूपशहर तहसील में एडीएम फाइनेंस अभिषेक सिंह ने शिकायतें सुनीं। मौके पर राजस्व, विद्युत, पुलिस, सिंचाई, नगर पालिका, पीडब्ल्यूडी, ब्लॉक, आपूर्ति, समाज कल्याण आदि विभागों से संबंधित 12 शिकायती पत्र प्रस्तुत किए गए।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे नगर आयुक्त

मथुरा। यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण मथुरा–वृंदावन के निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति को लेकर बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए की जा रही विभिन्न व्यवस्थाओं का नगर आयुक्त जग प्रवेश द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने मथुरा के बाढ़ प्रभावित स्थलों तथा राहत केंद्रों का दौरा कर स्थिति का गहन जायजा लिया।

नगर आयुक्त ने सबसे पहले लक्ष्मी गार्डन, औरंगाबाद गोकुल बैराज के पास स्थापित राहत केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविरों में रह रहे परिवारों से संवाद कर उनका हालचाल जाना तथा भोजन, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता जैसी आवश्यक सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इसके अतिरिक्त उन्होंने वार्ड संख्या 29, कोयला अलीपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का भी निरीक्षण कर वहाँ की स्थिति देखी और प्रभावित परिवारों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवश्यकता अनुसार बाढ़ प्रभावित परिवारों को तत्काल बाढ़ राहत केंद्रों तक पहुँचाया जाए तथा जो लोग घरों में रह रहे हैं उनके लिए भोजन एवं शुद्ध पेयजल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि राहत केंद्रों एवं प्रभावित क्षेत्रों में एंटी–लार्वा स्प्रे और फॉगिंग का कार्य नियमित रूप से कराया जाए एवं निरंतर रूप से समुचित सफाई व्यवस्था रखी जाए। नगर स्वास्थ्य अधिकारी को मार्गों पर फैली झाड़ियों की कटाई व सफाई कराने तथा शौचालयों की सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। इसके पश्चात नगर आयुक्त ने काशीराम कॉलोनी स्थित बी.बी.आर. स्कूल राहत केंद्र का भी स्थलीय निरीक्षण किया और वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सभी आवश्यक सुविधाएँ समय पर उपलब्ध कराई जाएँ। नगर आयुक्त ने कहा कि प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सुविधा सर्वोपरि है और इस संबंध में नगर निगम पूरी तत्परता एवं गंभीरता से कार्य कर रहा है। इस दौरान सहायक नगर आयुक्त श्रीमती कल्पना सिंह चौहान, एसडीएम सदर अभिनव जैन नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोपाल बाबू गर्ग एवं आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

टूटने के बाद नहीं बनी पानी की टंकी कब बनेगा घण्टाघर

dkl h dykA नगर में पुरानी एक पानी की टँकी जर्जर हो गई थी जिसे हादसा डालने के लिए गिरा दिया गया था और आश्वाशन दिया जल्द टँकी का निर्माण कराया जाएगा जो 5 साल बीत। जाने के बाद भी नही बनी रविवार से पुराने घण्टा घर को तोड़ने का काम शुरू हो गया जिसे तोड़ भी दिया गया है और कुछ ही दिनों में चौराहे से घण्टाघर नाम की इमारत गायब हो जाएगी लेकिन आपको ज्ञात होगा की थाना रोड़ पर पोस्ट ऑफिस के सामने एक पुरानी पानी की टँकी थी जो जर्जर हो गई थी उसे पूर्व चेयरमैन नरेंद्र कुमार के समय पर करीब 5 साल पहले गिरा दिया गया और जल्द नई टँकी का अश्वासन दिया गया लेकिन समय निकलता गया पालिका के चुनाव हुए जिसमे धर्मवीर अग्रवाल पालिकाध्यक्ष बने घ्र उनके सामने कई बड़ी चुनोती आ गई पालिका कर्ज में डूबी हुई थी बाजार का करोड़ो का लेनदेन बकाया था जल। निकासी बडी समस्या थी वही घण्टाघर की इमारत जर्जर थी जो खोखली हो चुकी थी ठेका देकर तोड़ने का का शुरू ही चुका है कहीं घण्टाघर के हालात भी टँकी जैसे न हो जाये क्यो की चौराहा कोसी का दिल है करोड़ो की दुकान है पुराने घण्टा घर पर विरोध के चलते प्लास्टर भी नही हुआ और लाखों की इमारत जर्जर हो गई।

संस्कृति विवि शिक्षा, संस्कृति और धर्म के क्षेत्र में मील का पत्थर: चौ.लक्ष्मीनरायण

मथुरा। संस्कृति विवि के संतोष मैमोरियल सभागार में 14वें श्री शारदा शताब्दी सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मीनरायण ने कहा कि मेरे क्षेत्र में छह विश्वविद्यालय हैं लेकिन अकेला संस्कृति विवि ऐसा विवि है जो शिक्षा के साथ– साथ धर्म और संस्कृति को साथ लेकर चल रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि ये विवि देश के विद्यार्थियों को सुदृढ़ भविष्य निर्माण के लिए मील का पत्थर साबित होगा। डेयरी मंत्री ने कहा कि मैं संस्कृति विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता का इसलिए भी प्रशंसक हूं कि आज जब सब एलोपैथी का झंडा उठा रहे हैं, ऐसे माहौल में आप प्राकृतिक और आयुर्वेदिक चिकित्सा की शिक्षा अपने विवि में दे रहे हैं। आपका सौभाग्य उसी वक्त से बन गया जबकि विवि में गौ सेवा भी शुरू की गई है। हर किसी के सामने बाधाएं आती हैं और अच्छे काम करने वालों के सामने कुछ ज्यादह ही आती हैं। मैं तो इस विवि से शुरू से ही जुड़ा हूं और क्षेत्र की जनता भी इस विश्वविद्यालय से लगाव रखती है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए कितने सौभाग्य कि बात है कि शंक. राचार्य शारदा सर्वज्ञ पीठाधीश्वर स्वामी अमृतानंद देव तीर्थ जी महाराज संस्कृति में चातुर्मास कर रहे हैं। आज उनके दर्शन हुए, ये मेरा सौभाग्य है। आज इस समारोह में सम्मानित होने वाले सनातन संस्कृति के वैश्विक दूतों को मैं बधाई देता हूं। दीप प्रज्ज्वलन के बाद संस्कृति विवि के संतोष मैमोरियल सभागार में श्रीमद् जगदगुरु शंकराचार्य शारदा सर्वज्ञ पीठाधीश्वर स्वामी श्री अमृतानंद देव तीर्थ जी महाराज की आदि की उपस्थिति रही।

बिजली चोरी करते 6 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कोसीकलां। विद्युत विभाग ने सोमवार को कमला नगर और शिव विहार कॉलोनी में50 बकायेदारों के कनेक्शन काटे गए। इन उपभोक्ताओं पर कुल 10 लाख रुपये का बकाया था। जबकि कटिया डालकर चोरी करते हुए 6 उपभोक्ताओं के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। एक्सईएन एसपी सिंह के निर्देशन में जेई अनूप गौड़, टीजी–2 कुलभूषण की टीम ने दिल्ली गेट पर पशु पैंठ और मीनू राशन की दुकान वाली गली में अभियान चलाकर 6 उपभोक्ताओं को मीटर को बाईपास करके अतिरिक्त केवल डालकर बिजली उपयोग करते पकड़ लिया। सभी के खिलाफ कृष्णानगर बिजली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। लगातार दूसरे दिन कमला नगर और शिव विहार कॉलोनी में अभियान चलाकर बिल की बकाया जमा न करने पर 50 उपभोक्ताओं के संयोजन काट दिए। इससे कॉलोनियों में हड़कंप मच गया। जेई ने बताया कि बकायेदारों को पहले कई नोटिस दिए गए थे।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 77/3 गर्ग कॉम्प्लेक्स ई.के. रोड निकट एन.ए.एस. कालिज, मेरठ (उप्र) से प्रकाशित।
सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0121–4005303, 4007303
मुख्यालयः
मोबाइल–9720007290
UPHIN/2007/20661
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

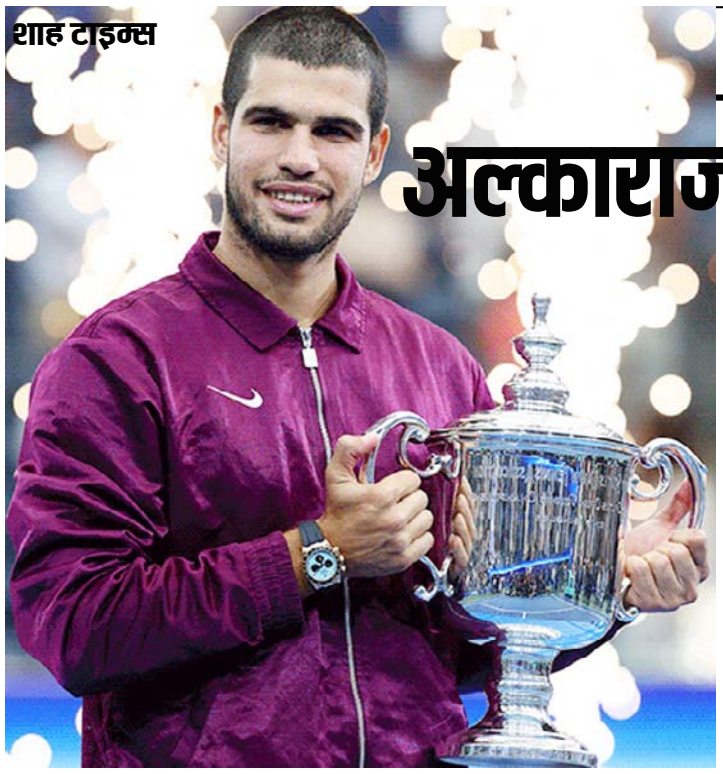

अल्काराज ने जीता यूएस ओपन

● अल्काराज ने सटीक सर्विस की और शानदार शॉट लगाकर फाइनल मुकाबले में जैनिक सिनर को 6-2, 3-6, 6-1 व 6-4 से हराया

न्यूयॉर्क, वार्ता। स्पेन के दिग्गज कार्लोस अल्काराज ने अपने एथलेटिक कौशल और शॉट-मेकिग का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इटली के स्टार जैनिक सिनर को हराकर पुरूष एकल का खिताब अपने नाम किया।

दूसरी वरीयता प्राप्त 22 वर्षीय खिलाड़ी ने आर्थर ऐश स्टेडियम में रविवार रात खेले गए फाइनल मुकाबले में सिनर को 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर यूएस ओपन पुरुष एकल खिताब फिर से हासिल किया और विश्व टेनिस के शिखर पर पहुंच गए है। इस जीत के साथ अल्काराज़ ने 2022 में यूएस ओपन और 2023 में विबलडन में जीत के बाद अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया और उन्होंने इस साल की शुरुआत में विबलडन फाइनल में सिनर से मिली हार का बदला भी लिया। अल्काराज ने शुरुआती सेट 6-2 से जीत लिया, दोनों ओर से विजयी शॉट लगाए और सिनर की शुरुआती सर्विस ब्रेक कर लगातार दबाव में रखा।

हालांकि, इतालवी खिलाड़ी ने दूसरे सेट में अपनी लय पकड़ी, अपनी सर्विस में सुधार किया और अल्काराज के बैकहैंड को निशाना बनाकर मुकाबला 6-3 से बराबर कर दिया। तीसरा सेट में अल्काराज ने सटीक सर्विस की और शानदार शॉट लगाकर 6-1 से जीत हासिल की। चौथे सेट में सिनर ने डटकर मुकाबला किया, लेकिन अल्काराज ने 6-4 चौथा सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ, अल्काराज़ नोवाक जोको. विच के बाद तीन ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। उनकी फिटनेस, सामरिक बहुमुखी प्रतिभा और बड़े मंचों पर उभरने की क्षमता ने उन्हें पुरुष टेनिस में एक नए युग की शुरुआत में अग्रणी बना दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि सिनर के साथ उनकी प्रतिद्वंद्विता अगले दशक को परिभाषित कर सकती है, ठीक उसी तरह जैसे फेडरर, नडाल और जोकोविच के बीच हुए शानदार मुकाबलों ने किया था।

संक्षिप्त खेल समाचार

धीमी ओवर गति के लिए द. अफ्रीका पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली, वार्ता। दक्षिण अफ्रीका पर इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। दक्षिण अफ्रीका पर यह कार्रवाई एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के जवागल श्रीनाथ की ओर से गई। दक्षिण अफ्रीका को निर्धारित समय से एक ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया। मैदानी अंपायर नितिन मेनन और रसेल वॉरेन, तीसरे अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद और चौथे अंपायर माइक बर्न्स ने यह आरोप लगाये गए थे। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियम तहत खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2-22 के अनुसार न्यूनतम ओवर गति के अपराध के दोषी पाये जाने पर खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में अपनी टीम द्वारा फेंके गए प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

एशिया कप में संजू तोड़ सकते हैं महेन्द्र धोनी का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, वार्ता। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जाने वाले आगामी एशिया कप 2025 में संजू सैमसन पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के टी-20 में विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ सकते है। हाल ही में संजू सैमसन के 'नो लुक सिक्स' की भी काफी चर्चा हुई। जब वो फॉर्म में होते हैं तो उनके बल्ले को रोकना नामुम. कन होता है, केरल लीग में उन्होंने पांच मैचों में ही 30 छक्के लगाकर साबित कर दिया कि वो अंतर्राष्ट्रीय टी-20 के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं।

अनन्या, दिव्यांशी ने उत्तरी मैसेडोनिया में अंडर-15 युगल वर्ग में रोमांचक मुकाबले में जीता सोना

● भारतीय जोड़ी उतार-चढ़ाव भरे मुकबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन की की झाओं और लियू को 3-2 से हराया

नई दिल्ली, वार्ता। अनन्या मुरल. ीधरन और दिव्यांशी भौमिक ने उत्तरी मैसेडोनिया के स्कोप्जे में आयोजित डब्ल्यूटेटे यूथ स्टार कंटेंडर में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-15 गर्ल्स डबल्स का स्वर्ण पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में अद्भुत धैर्य और सहनशक्ति का प्रदर्शन करऐ हुए रोमांचक फाइनल में चीन की झाओ वांगकी और लियू ज़िलिग को 3-2 से हराया। चीनी जोड़ी के साथ कड़ी टक्कर के बाद, अनन्या और दिव्यांशी ने निर्णायक मुकाबले में अपना संयम बनाए रखा और महत्वपूर्ण मैच पॉइंट बचाकर मुकाबला 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 से अपने नाम कर लिया। इससे पहले सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी ने हमवतन रियाना भूटा और अंकोलिका चक्रवर्ती को 3-1 (11-2, 10-12, 11-3, 11-6) से हराया था, और रियाना और एंजेलिका को अंतत: कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। भारत की पदक तालिका में पीबी अभिनंद और ऋत्विक गुप्ता ने और इजाफा किया, जिन्होंने क्रमश: अंडर-19 और अंडर-15 बालक एकल में रजत पदक जीते। अभिनंद जापान के इवैडा शुंटो से सीधे गेमों (6-11, 7-11, 8-11) में हार गए, जबकि)त्विक को अपने खिताबी मुक. ाबले में कोरिया के ली सेउंगसू से 8-11, 5-11, 8-11 से हार का सामना करना पड़ा। युगल मुकाबलों में भी उत्साह देखने को मिला, जिसमें पी-बी- अभिनंद ने कांस्य पदक जीता। अंडर-19 मिक्स्ड डबल्स में अभिनंद और सिड्रेला दास की जोड़ी ने, और अंडर-15 बॉयज डबल्स में ऋत्विक गुप्ता और साहिल रावत की जोड़ी ने पदक जीते।

गुरदित बाल्कन ओपन में बने सर्वश्रेष्ठ पावरलिफ्टर

नई दिल्ली, वार्ता। द्रोणाचार्य भूपेंद्र धवन के शिष्य गुरदित सिंह ने बाल्कन ओपन क्लासिक एंड इक्विप्ड (बेंच प्रेस/स्क्वाट/डेडलिफ्ट) चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ पावरलिफ्टर बनकर एक बार फिर इतिहास रच दिया। इससे पहले, 2024 में, उन्होंने इंग्लैंड में इंग्लिश ओपन में भी सर्वश्रेष्ठ पावरलिफ्टर का खिताब जीता था। गुरदित ने जूनियर 110 किलोग्राम वर्ग में सर्वश्रेष्ठ पावरलिफ्टर का पुरस्कार जीता, जबकि सुमित दास ने सीनियर 110 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता और जगदीश सिंह जस्सा ने सीनियर 100 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। 6-7 सितम्बर को बेलग्रेड, सर्बिया में आयोजित हुई बाल्कन ओपन पावरलिफ्टिग चैंपियनशिप में, भारत के गुरदित सिंह ने कुल 667-5 किलोग्राम (क्लासिक रॉ) भार उठाकर सर्वश्रेष्ठ पावरलिफ्टर (जूनियर वर्ग) का खिताब जीता। सुमित दास और जगदीश सिंह जस्सा दोनों ने फुल पावरलिफ्टिग रॉ वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। आईपीएल इंडिया के अध्यक्ष, ओम प्रकाश अंगरीश ने भारतीय टीम के कोच द्रोणाचार्य भूपेंद्र धवन के शिष्यों को बधाई दी और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। पूरी भारतीय टीम ने अपने कोच द्रोणाचार्य भूपेंद्र के साथ-साथ आईपीएल इंडिया और शेरू क्लासिक वर्ल्ड का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी के सहयोग से हमें यह सफलता मिली।

भारतीय महिला हॉकी टीम सिंगापुर को 12-0 से रौंदकर सुपर चार में

● मुमताज ने तीसरी बाद टीम के लिए गोल दागा जिससे भारत की मैच में दूसरी हैट्रिक बनी

चीन, वार्ता। भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिगापुर के खिलाफ 12-0 की शानदार जीत के साथ महिला एशिया कप 2025 के सुपर 4 में अपनी जगह पक्की कर ली।

भारतीय महिला टीम के लिए नवनीत ने (14वें, 20वें, 28वें) और मुमताज ने (दूसरे, 32वें, 39वें) मिनट में गोलकर हैट्रिक बनाई तथा नेहा ने (11वें, 38वें) मिनट में दो गोल किए। जबकि लालरेमसियामी ने (13वें), उदिता ने (29वें), शर्मिला ने (45वें) और रुतुजा पिसल ने (53वें) मिनट में गोल किए। भारत के लिए मुमताज दूसरे मिनट में ही गतिरोध तोड़ते हुए गोलकर दमदार शुरुआत की। नेहा ने 11वें मिनट में रिबाउंड पर शानदार गोलकर बढ़त दोगुना कर दी। दो मिनट बाद ही, लालरेम. सियामी ने नजदीकी रेंज से एक और गोल करके बढ़त को 3-0 कर दिया। पहला क्वार्टर खत्म होने से पहले नवनीत ने 14वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में सिगापुर ने प्रतिरोध दिखाया, लेकिन नवनीत ने 20वें मिनट में एक और ज़बरदस्त गोल करके स्कोर 5-0 कर दिया। भारत ने लगातार दबाव बनाते हुए लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और तीसरे पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत ने गोलकीपर को छकाते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की और 28वें मिनट में बढ़त को और मज़बूत किया। इसके तुरंत बाद, उदिता ने एक और पेनल्टी कॉर्नर पर संयमित तरीके से गोल करके हाफ टाइम तक भारत को 7-0 की बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम पूरी तरह से नियंत्रण में थी। 32वें मिनट में, लालरेमसियामी ने मुमताज को एक तेज पास देकर स्कोर 8-0 कर दिया।

भारत को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले और नेहा ने 38वें मिनट में फिर से गोल दागा। कुछ मिनट बाद, मुमताज ने तीसरी बार गोल दागा, जिससे भारत की मैच में दूसरी हैट्रिक बनी। क्वार्टर के अंत में, भारत ने मुकाबले का अपना 12वां पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। नेहा का ज़बरदस्त शॉट बचा लिया गया, लेकिन शर्मिला ने रिबाउंड पर गोल करके बढ़त 11-0 कर दी। अंतिम क्वार्टर में, भारत ने दबाव बनाए रखा और रुतुजा पिसल ने 53वें मिनट में एक बेहतरीन डिफ्लेक्शन के साथ स्कोरशीट पर अपना नाम दर्ज करा लिया।

हांगकांग ओपन में पीवी सिंधु की अगुवाई में भारतीय टीम उतरेगी

● इस साल सीजन के पहले इंडियन ओपन के साथ-साथ किसी भी बीडब्लयूएफ विश्व टूर में उनका सबसे शानदार प्रदर्शन रहा

हांगकांग, वार्ता। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिधु मंगलवार से शुरू हो रहे हांगक. ांग ओपन 2025 बैडमिटन टूर्नामेंट में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी। आठवीं वरीयता प्राप्त सिधु अपने पहले दौर के मैच में यूरोपीय चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसन से मुकाबला करेंगी। महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में सिधु के साथ हमवतन अनुपमा उपाध्याय और रक्षिता रामराज भी हैं, जबकि महिला युगल वर्ग में रुतपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा एकमात्र भारतीय जोड़ी हैं। सिधु के लिए, पिछले महीने पेरिस में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचना, इस साल सीजन के पहले इंडियन ओपन के साथ-साथ किसी भी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर में उनका सबसे शानदार प्रदर्शन था। इंडियन ओपन में अपने प्रदर्शन के बाद सिधु बीडब्ल्यूएफ टूर पर चार बार पहले दौर से बाहर हो चुकी हैं और तीन बार अंतिम 16 में पहुंची हैं। वहीं पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। लक्ष्य सेन का यह सीजन संघर्षपूर्ण रहा है। पुरुष एकल वर्ग में उनके साथ हमवतन एचएस प्रणय और आयुष शेट्टी भी होंगे, जो इस साल बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब जीतने वाले एकमात्र भारतीय हैं। पूर्व विश्व नंबर वन किदांबी श्रीकांत हांगकांग ओपन में अपने अभियान की शुरुआत क्वालीफिकेशन राउंड से करेंगे, जहां उनका सामना थारुण मन्नेपल्ली से होगा। दूसरी ओर, पुरुष युगल में भारत की चुनौती की अगुवाई सात्विकसाईराज रंकीरेढी और चिराग शेट्टी करेंगे। पिछले महीने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में आखिरी बार एक्शन में नज़र आए सात्विक-चिराग की जोड़ी ने पेरिस में सेमीफाइनल तक का सफर तय करके यह सुनिश्चित किया कि 2011 से हर संस्करण में कम से कम एक पदक जीतने का भारत का सिलसिला बरकरार रहे।

महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नामित हुए सिराज

● सिराज ने इंग्लैंड दौर पर प्रभावित किया था और 5वें टेस्ट में अपनी दमदार गेंदबाजी से भारत को मैच जिताया था

दुबई, वार्ता। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्महद सिराज को आईसीसी के अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। सिराज ने इंग्लैंड दौरे पर प्रभावित किया था और पांचवें टेस्ट में अपनी दमदार गेंदबाजी से भारत को मैच जिताया था।

इस मैच के जीतने से ही भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रा कराने में सफल रही थी। सिराज के साथ इस पुरस्कार की दौड़ में न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और वेस्टइंडीज के जेडन सील्स भी शामिल हैं। सिराज ने इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज के सभी मैचों को खेला और 23 विकेट चटकाए। जून के अंत में शुरू यह सीरीज अगस्त की शुरुआत में खत्म हुई। सिराज ने पांचों टेस्ट में 185.3 ओवर डाले और अपनी रफ्तार कम किए बिना युवा और कम अनुभव वाले भारतीय टीम को 2-2 से ड्रा करने में मदद की। आईसीसी ने कहा, मोहम्मद सिराज ने अगस्त में सिर्फ एक मैच खेला, लेकिन उस मैच में उनकी शानदार गेंदबाजी उन्हें नामांकन दिलाने के लिए काफी थी। इंग्लैंड के खिलाफ द ओवल में एंडरसन-तेंदुलकर ट्राफी सीरीज के अंतिम टेस्ट में इस भारतीय तेज गेंदबाज ने 21.11 की औसत से नौ विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज ने बहुत दृढ़ संकल्प के साथ आक्रमण का नेतृत्व किया। सीरीज के शुरुआती चार मैच खेलने के बावजूद उन्होंने दो पारियों में 46 से अधिक ओवर डाले। उन्होंने पहली पारी में चार विकेट लिए और उसके बाद दूसरी पारी में शानदार पांच विकेट लिए। दूसरी पारी में उनके निर्णायक स्पैल ने भारत को जीत दिलाई, जिससे श्रृंखला 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इस शानदार प्रयास के लिए सिराज को इस मैच का प्लेयर आफ द मैच चुना गया। न्यूजीलैंड के हेनरी को जिम्बाब्वे में टेस्ट सीरीज में जीत के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए नामांकित किया गया है। इस दाएं हाथ के गेंदबाज ने इस सीरीज में 16 विकेट लिए। हेनरी ने पहले टेस्ट में नौ तथा दूसरे टेस्ट में सात विकेट लेकर अपनी टीम को 2-0 से जीत दिलाई। सील्स के शानदार प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने 34 साल में पहली पर वनडे सीरीज में पाकिस्तान को शिकस्त दी। सील्स ने तीन मैचों की इस सीरीज में 10 विकेट लिए। इसमें आखिरी मैच में उन्होंने 18 रन देकर छह विकेट लिए जिससे पाकिस्तान की टीम 295 रन का पीछा करते हुए महज 92 रन पर सिमट गई।

राज्य स्तरीय सीनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप में श्रीगंगानगर ने लहराया परचम

श्रीगंगानगर, वार्ता। राजस्थान में अलवर जिले के नीमराना में पांच से सात सितम्बर तक आयोजित प्रतिष्ठित राजस्थान सीनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप में श्रीगंगानगर के तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 स्वर्ण, चार सिल्वर और एक कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। श्रीगंगानगर तीरंदाजी संघ की अध्यक्ष मंजू बाला ने सोमवार को बताया कि जिले के तीरंदाजों ने विभिन्न श्रेणियों में अपनी श्रेष्ठता का परिचय दिया। पुरुष कंपाउंड टीम में पुलकित काजला, प्रबलप्रताप, यश नेण और जसमीतसिंह की चौकड़ी ने शानदार समन्वय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इंडियन राउंड इंडिविजुअल स्पर्धा में गुरजीतसिंह ने अपनी सटीक निशानेबाजी से रजत पदक हासिल किया। रिकर्व महिला इंडिविजुअल में अमनदीपकौर ने रजत जीता। वहीं रिकर्व मिक्स टीम में दिलीप रेगर और सुश्री अमनदीपकौर की जोड़ी ने भी रजत पदक पर कब्जा जमाया।

अफगानिस्तान को हराकर पाक ने जीती त्रिकोणीय श्रृंखला

शारजाह, वार्ता। मोहम्मद नवाज (पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के दम पर पाकिस्तान ने फाइनल मुक. ाबले में अफगानिस्तान को 75 रनों से हराकर टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला अपने नाम कर ली। 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण के आगे लडखड़ाई और एक के बाद एक उसके विकेट गिरते चले गए। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की पूरी टीम 15-5 ओवर में 66 रन पर ढ़ेर कर मुकाबला 75 रनों से जीत लिया। अफगानिस्तान के केवल दो बल्लेबाज कप्तान राशीद खान (17) और सेदिघुल्लाह अटल (13) ही दहाई आंकड़े तक पहुंच सके। नवाज को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया। उन्होंने पहले दरविश रसूली और अजमतुल्लाह ओमरजई को लगातार गेंदों पर बिना खाता खोले आउट किया और फिर अपने अगले ओवर की पहली ही गेंद पर इब्राहिम जादरान (नौ) को स्टंप आउट कराकर अपनी हैट्रिक पूरी की। नवाज पाकिस्तान के तीसरे गेंदबाज है जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय टी-20 में हैट्रिक बनाई। उनसे पहले फहीम अशरफ और मोहम्मद हसनैन यह कारनामा कर चुके हैं। मोहम्मद नवाज ने चार ओवर में 19 रन देकर पांच विकेट लिए। अबरार अहमद और सुफियान मकीम को दो-दो विकेट मिले। शाहीन शाह अफरीदी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

अब हमारा पूरा ध्यान एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप पर : हरमनप्रीत सिंह

बिहार, वार्त। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने हीरो एशिया कप 2025 का खिताब जीतने के बाद सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि अब हमारा पूरा ध्यान एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप पर होगा। हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि सभी खिलाड़ी पूरी तरह से एकाग्र थे। हम जानते थे कि हमें यह मैच जीतना है और हमने खुद से कहा कि विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का यही एकमात्र रास्ता है। आज एशिया की नंबर एक टीम के रूप में टूर्नामेंट में उतरते हुए, हम अपनी उम्मीदों पर खरा उतरना चाहते थे। हालांकि हमने अपनी उम्मीदों के मुताबिक शुरुआत नहीं की, खासकर पिछले तीन मैचों में, हमने अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया और यही हमारे प्रदर्शन का स्तर है। इसने हमें एक टीम के रूप में अपनी क्षमता का एहसास दिलाया। मैं अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। कोरिया के खिलाफ टीम के प्रदर्शन के बारे में दिग्गज ड्रैगफ्लिकर ने कहा, ह्हर मैच से कुछ न कुछ सीख मिलती है। कोरिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ एक ऐसा झटका था जिससे हम उबरना चाहते थे और हमने फाइनल में इसे पलट दिया। मैं टीम की रक्षापंक्ति की खास तौर पर सराहना करूंगा। हर खिलाड़ी ने मजबूत डिफेंस में योगदान दिया। हमारे फॉरवर्ड ने कई मौके बनाए और गोल में तब्दील किए। अब, हमारा ध्यान विश्व कप पर है और हमारे पास तैयारी के लिए एक साल है। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि गर्म परिस्थितियों में 10 दिनों में सात मैच खेलना आसान नहीं है। यह वाकई मुश्किल है, लेकिन मुझे टीम पर बहुत गर्व है और उन्होंने सचमुच चैंपियन की तरह खेला है।

मनप्रीत ने एशिया कप की जीत को बाढ़ पीड़ित पंजाब के लोगों को समर्पित किया

बिहार, वार्ता। भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी मनप्रीत सिंह ने हीरो एशिया कप 2025 की जीत को पंजाब के बाढ़ पीड़ित लोगों को समर्पित किया।

मैच जीतने के बाद मनप्रीत ने कहा कि मैं इस जीत को पंजाब के लोगों को समर्पित करना चाहता हूं, जो अकल्पनीय शक्ति और लचीलेपन के साथ विनाशकारी बाढ़ का सामना कर रहे हैं।

यह जीत हर उस पीड़ित के लिए है जो अपना जीवन फिर से बनाने के लिए संघर्ष कर रहा है, और उन निस्वार्थ स्वयंसेवकों के लिए है जो जरूरतमंदों को बचाने, उनका समर्थन करने और उनके पुनर्वास के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। आपका जज्बा ही हमारी सच्ची प्रेरणा है, और यह जीत पंजाब के साहस को श्रद्धांजलि है।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

मंगलवार, 9 सितम्बर 2025

नेपाल में विद्रोह

सोशल मीडिया को बैन करने और भ्रष्टाचार को लेकर सोमवार को नेपाल में हजारों युवाओं ने संसद भवन परिसर में घुसकर सरकार के खिलाफ विद्रोह कर दिया। नेपाल सरकार ने तीन सितंबर को फेसबुक, इंस्टा, यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया साइट्स बैन करने का फैसला किया है। नेपाल युवाओं ने सरकार के इस फैसले को बोलने की आजादी छीनने के रूप में लिया। युवाओं का कहना है कि उनका बोलना भी सरकार के लिए अपराध है। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए।

कहीं सेना ने गोलियां भी चलाई। जिसमें 19 लोगों की मौत हो गई, दो सौ से ज्यादा घायल बताए जाते हैं। यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है, क्योंकि प्रदर्शन अभी समाप्त नहीं हुआ। नेपाल के इतिहास में संसद में यह पहला मामला है। नेपाल में भारत से लगी कई सीमा पर कर्फ्यू लगा दिया गया है। तराई क्षेत्र के कई शहरों में प्रदर्शन फैल गया है। प्रदर्शनकारी बदलाव की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। हालांकि विरोध को बढ़ता देख सरकार ने सांय सवा तीन बजे के बाद बिना वर्चअुल नेटवर्क इस्तेमाल किए सारे सोशल मीडिया प्लेटफार्म चल रहे हैं। असल में नेपाल सरकार ने एससी के निर्देश के बाद सभी प्लेटफार्म को सात दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन का आदेश दिया था, सरकार का तर्क था कि रजिस्ट्रेशन के बिना यह प्लेटफार्म देश में फेक आईडी, हेट स्पीच, साइबर क्राइम के लिए प्रयोग हो रहे हैं। तय समय सीमा के भीतर रजिस्ट्रेशन न कराने पर सरकार ने चार सितंबर को 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बैन लगा दिया था। इसमें व्हाट्सएप, फेसबुक, यूट्यूब जैसे बड़े प्लेटफार्म भी हैं।

हालांकि टिकटॉक फाइबर जैसे प्लेटफार्म पर बैन नहीं लगा, क्योंकि उन्होंने रजिस्ट्रेशन समय पर करा लिया था। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्कमल दहल प्रचंड ने सरकार से युवाओं की मांगों पर ध्यान देने की अपील की है। वहीं नेपाल के पूर्व वित्त सचिव रामेश्वर खनाल ने सरकार के मनमाने और गलत फैसले और सुशासन देने में नाकामी के चलते युवाओं का गुस्सा बढ़ना बताया है। उनका कहना है कि बड़े भ्रष्टाचार के घोटाले और सरकारी नियुक्तियों की खरीद-फरोख्त समझते आ रहे युवा पीढ़ी में गुस्सा बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि इस प्रदर्शन में 12 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी जो 28 से 30 वर्ष के हैं, संसद में घुसने के समय मौजूद थे। युवाओं का यह प्रदर्शन कई जिलों में फैला हुआ है। इससे साफ है कि यह मात्र कोई मामूली प्रदर्शन नहीं है, बल्कि सरकार के खिलाफ विद्रोह है। यह विद्रोह श्रीलंका, बांग्लादेश की याद दिला रहा है। वहां भी लोगों का आक्रोश इसी तरह देखने में आया था। कुछ जानकार यह भी मानते हैं कि नेपाल के विद्रोह के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ है। मौजूदा सरकार के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली चीन समर्थक बताए जाते हैं। जिसके चलते अमेरिका उनसे नाराज बताया जाता है और उस विद्रोह के पीछे अमेरिका को जिम्मेदार माना जा रहा है। वैसे इसमें कोई नई बात भी नहीं है। हर विद्रोह के पीछे विदेशी शक्तियां अपना खेल तो खेलती ही हैं। भारत को भी बेहद सतर्क रहने की जरूरत है।

आदिवासियों के हितों की अन्देखी

ग्रेट निकोबार मेगा प्रोजेक्ट की मंजूरी से लेकर इसके निर्माण के फैसले तक में द्वीप पर रह रहे आदिवासियों के हितों की अनदेखी की गई है, प्रोजेक्ट पर हजारों करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे इससे द्वीप पर रहने वाले आदिवासी समुदाय और वहां की अनोखी प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचेगा, पिछले ग्यारह वर्षों में अधूरे नीति-निर्माण किए गए हैं, इस सुनियोजित श्रृंखला में नवीनतम है, ग्रेट निकोबार मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना, जिस पर होने वाला 72,000 करोड़ रुपये का बेतहाशा और गलत खर्च द्वीप के मूल आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा करता है, यह दुनिया की सबसे अनोखी वनस्पतियों और जीवों में एक के लिए खतरा है।

श्रीमती सोनिया गांधी, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष

रिश्तों की गरिमा की पुनः स्थापना!

पहले मोहल्ले और गांव के लोग भी परिवार के सदस्य जैसे होते थे। यदि किसी परिवार में कलह होती थी तो पड़ोसी हस्तक्षेप करके सुलह करा देते थे। आज लोग एक-दूसरे से अलग-थलग हो गए हैं। 'निजता' के नाम पर लोग किसी के मामलों में बोलना नहीं चाहते। इस चुप्पी का नतीजा है कि छोटे विवाद हिंसक रूप ले लेते हैं। परिवारों में हिंसा का एक बड़ा कारण आर्थिक तनाव भी है। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता ने लोगों को चिड़चिड़ा बना दिया है। पिता बेरोजगार बेटे पर गुस्सा निकालते हैं, बेटा अपमानित होकर पिता की हत्या तक कर देता है। पति-पत्नी के बीच आर्थिक जिम्मेदारियों को लेकर झगड़े होते हैं जो कभी-कभी खून-खराबे में बदल जाते हैं। शराब, ड्रग्स और अन्य नशे परिवारिक हिंसा की जड़ हैं। नशे में व्यक्ति का विवेक खत्म हो जाता है और वह अपने ही परिवार को मारने तक से नहीं हिचकिचाता। भारत में लगभग 30 प्रतिशत घरेलू हिंसा के मामलों में नशे को मुख्य कारण माना गया है। आज के समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी या पैसा कमाना रह गया है।

अशोक मधुप

आज जगह-जगह रिश्तों का खून हो रहा है। हालत यह है कि बाप बेटी को मार रहा है। बेटी बाप को मार रही है। पति-पत्नी को मार रहा है। पत्नी पति की हत्याकर रही है। भाई बहन को मारते नहीं झिझक रहा तो भाई की हत्या करते बहन के हाथ नहीं कांप रहे। मां बेटे और बेटी का हत्या कर रही है तो बेटा और बेटी मां को ही नहीं बाप की भी हत्या कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि भारत की परिवार व्यवस्था टूट चुकी है। रिश्तों पर स्वार्थ हावी हो गया है।

आज समाज का सबसे दुखद और चिंताजनक पहलू यह है कि जिन रिश्तों को सबसे पवित्र और मजबूत माना जाता है, वहीं रिश्ते टूट रहे हैं और हिंसा का शिकार हो रहे हैं। समाचार पत्र और टीवी चैनल लगभग रोजाना ऐसी खबरें दिखाते हैं। हालत यह है कि बाप बेटी को मार रहा है। बेटी बाप को मार रही है। पति-पत्नी को मार रहा है। पत्नी पति की हत्या कर रही है। भाई बहन को मारते नहीं झिझक रहा तो भाई की हत्या करते बहन के हाथ नहीं कांप रहे। मां बेटे और बेटी का हत्या कर रही है तो बेटा और बेटी मां को ही नहीं बाप की भी हत्या कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि भारत की परिवार व्यवस्था टूट चुकी है। रिश्तों पर स्वार्थ हावी हो गया है। व्यक्तिवाद ने समाज पर अपना अधिकार कर लिया।

इन घटनाओं ने यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि आखिर इंसान को इतना निर्दयी और क्रूर कौन बना रहा है? जिन संबंधों में विश्वास, अपनापन और प्रेम होना चाहिए, वहां नफरत, तनाव और हिंसा क्यों बढ़ रही है? लगता है कि भारतीय परिवार टूटने का असर यह हुआ है कि एकल परिवार अब अपने तक सीमित होने की जद्दोजहद में है। पहले संयुक्त परिवार होते है। सामूहिक चूल्हा होता था। सामूहिक खानपान था। हमारे बचपन तक खाना रसोई के पास जमीन पर बैठकर जीमा जाता था। परिवार के बुजुर्ग बच्चे साथ बैठकर भोजन करते थे। सब दुख-सुख के साथी थे। प्राय: जरूरत के सामान सब घर के आसपास मिल जाते थे। धीरे-धीरे परिवार की जरूरते बढ़ने लगीं। युवक रोजगार के लिए बाहर जाने लगे। धीरे-धीरे उनके साथ पत्नी और बच्चे नौकरी वाले स्थान पर रहने लगे। आज आदमी अपने तक सीमित होकर रह गया। व्यक्तिवाद हावी हो गया।

लगता है कि जैसे समाज ने सारे रिश्ते जंगल बनाकर रहेंगे। हम आदि व्यवस्था से भी आदम की ओर बढ़ते जा रहे हैं। इन सब रिश्तों को दोबारा कैसे जिंदा किया जाए इस पर विचार करना होगा। पहले के समय में संयुक्त परिवार होते थे। परिवार के बुजुर्ग विवादों को संभालते, बच्चों को संस्कार देते और छोटी-छोटी गलतियों को समय रहते सुधार लेते। आज अधिकांश परिवार 'न्यूक्लियर फैमिली' यानी छोटे परिवार बन गए हैं। ऐसे में पति-पत्नी के झगड़े सुलझाने वाला कोई नहीं होता। माता-पिता और बच्चों के बीच पीढ़ीगत संवाद टूट गया है। अकेलापन और अवसाद घर कर जाता है। जब संवाद टूटता है तो गलतफहमियां बढ़ती हैं और छोटी-सी बात हिंसा तक पहुंच जाती है।

पहले मोहल्ले और गांव के लोग भी परिवार के सदस्य जैसे होते थे। यदि किसी परिवार में कलह होती थी तो पड़ोसी हस्तक्षेप करके सुलह करा देते थे। आज लोग एक-दूसरे से अलग-थलग हो गए हैं। 'निजता' के नाम पर लोग किसी के मामलों में बोलना नहीं चाहते। इस चुप्पी का नतीजा है कि छोटे विवाद हिंसक रूप ले लेते हैं। परिवारों में हिंसा का एक बड़ा कारण आर्थिक तनाव भी है। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता ने लोगों को चिड़चिड़ा बना दिया है। पिता बेरोजगार बेटे पर गुस्सा निकालते हैं, बेटा अपमानित होकर पिता की हत्या तक कर देता है। पति-पत्नी के बीच आर्थिक जिम्मेदारियों को लेकर झगड़े होते हैं जो कभी-कभी खून-खराबे में बदल जाते हैं। शराब, ड्रग्स और अन्य नशे परिवारिक हिंसा की जड़ हैं। नशे में व्यक्ति का विवेक खत्म हो जाता है और वह अपने ही परिवार को मारने तक से नहीं हिचकिचाता। भारत में लगभग 30 प्रतिशत घरेलू हिंसा के मामलों में नशे को मुख्य कारण माना गया है। आज के समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी या पैसा कमाना रह गया है।

बच्चों को नैतिक शिक्षा, संस्कार और धैर्य सिखाने की परंपरा कमजोर हो चुकी है। सम्मान और सहनशीलता की जगह 'आत्मकेंद्रिता' बढ़ रही है। लोग रिश्तों को बोझ समझने लगे हैं। आपसी विश्वास और त्याग की भावना खत्म हो रही है। यही कारण है कि भाई-बहन, पति-पत्नी, मां-बेटे जैसे पवित्र रिश्ते भी हत्या जैसे अपराध तक पहुंच जाते हैं। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने जीवन की धारा को बदला है। युवा वर्ग आभासी Virtual दुनिया में ज्यादा जी रहा है। परिवार को समय न देकर 'फ्रस्ट्रेशन' (तनाव) में डूब जाता है।अपराध आधारित वेब सीरीज और हिंसक वीडियो गेम ने भी संवेदनाओं को कुंद कर दिया है। लोग वास्तविक जीवन में भी गुस्से और हिंसा को सामान्य मानने लगे हैं। आज मानसिक स्वास्थ्य सबसे बड़ी समस्या है। डिप्रेशन, तनाव और मनोविकृति से पीड़ित लोग अक्सर हिंसा की ओर बढ़ जाते हैं। कई बार माता-पिता अवसाद में आकर अपने ही बच्चों की हत्या कर देते हैं। युवा अवसादग्रस्त होकर माता-पिता पर हमला कर बैठते हैं। मानसिक रोगों की पहचान और इलाज की व्यवस्था की कमी के कारण ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं। परिवारों में संपत्ति विवाद हिंसा का बड़ा कारण है। भाई-भाई की हत्या कर देते हैं। बेटे-बेटियां मां-बाप की संपत्ति हथियाने के लिए उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं। जमीन-जायदाद के झगड़े अक्सर खून-खराबे तक पहुंच जाते हैं। पारिवारिक हिंसा सिर्फ अपराध नहीं है, बल्कि समाज की चेतावनी भी है। यह हमें बताता है कि हम रिश्तों के मूल्य, संस्कारों और आपसी संवाद को खोते जा रहे हैं। अगर समय रहते सुधार नहीं किया गया तो परिवार जैसी संस्था ही कमजोर हो जाएगी। हमें यह समझना होगा कि पैसा, आधुनिकता और तकनीक से ज्यादा महत्वपूर्ण मानवता, प्रेम और विश्वास है। यदि रिश्तों में करुणा, धैर्य और संवाद कायम रहेगा तो न बाप बेटी को मारेगा, न बेटी बाप को, न पति पत्नी पर हाथ उठाएगा और न ही भाई-बहन, मां-बाप, बेटे-बेटी हत्या तक पहुंचेंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

श्रद्धा से श्राद्ध तक: पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता

इसीलिए हमारे दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में तर्पण-श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों को जल देने की विधि को तर्पण कहा जाता है। पितृ दोष को ज्योतिष शास्त्र में अशुभ फल देने वाला माना गया है और शास्त्रों के अनुसार पितृ पक्ष में पितरों का तर्पण करने से पितृ दोष से आने वाली परेशानियां दूर होती हैं तथा पितरों का आशीर्वाद मिलता है। देव ऋण, ऋषि ऋण तथा पितृ ऋण का हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है और पितृ पक्ष में माता-पिता के प्रति तर्पण करके श्रद्धा व्यक्त की जाती है क्योंकि पितृ ऋण से मुक्त हुए बिना जीवन निरर्थक माना जाता है। सनातन धर्म के अनुसार देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण से मुक्ति पाए बिना व्यक्ति का पूर्ण कल्याण होना असंभव है।

योगेश कुमार गोयल

भाद्रपद माह की पूर्णिमा से शुरू होकर पितृमोक्षम अमावस्या तक पितृ पक्ष हर साल प्राय: 15 दिनों का होता है। हिन्दू पंचाग के अनुसार इस बार पितृ पक्ष की शुरुआत 7 सितम्बर से हुई है और 21 सितंबर को सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितृ पक्ष का समापन होगा। हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष को बहुत अहम माना गया है लेकिन इस दौरान शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। पितृ पक्ष में सगाई, विवाह, मुंडन, गृहप्रवेश, परिवार के लिए महत्वपूर्ण चीजों की खरीदारी, नए कपड़े खरीदना, कोई नया कार्य शुरू करना इत्यादि कोई भी शुभ कार्य करना अच्छा नहीं माना जाता। पितृ पक्ष में लोग अपने पूर्वजों को याद कर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध कर्म, पिंडदान और तर्पण करते हैं।

दरअसल हिन्दू धर्म में मृत्यु के पश्चात पितरों की याद में श्राद्ध किया जाता है और उनकी मृत्यु की तिथि के अनुसार ही श्राद्ध की तिथि निर्धारित की जाती है। वैसे हिन्दू धर्म के अलावा ईसाई, इस्लाम और बौद्ध धर्म में भी अपने पूर्वजों को याद रखने की प्रथा है। पश्चिमी जगत में जहां पूर्वजों की स्मृति में मोमबत्तियां जलाने की प्रथा है, वहीं ईसाई धर्म में व्यक्ति के निधन के चालीस दिनों पश्चात् सामूहिक भोज की रस्म की जाती है। इस्लाम में चालीस दिनों बाद कब्र पर फातिहा पढ़ने और बौद्ध धर्म में भी पूर्वजों की याद में कुछ ऐसे ही प्रावधान देखने को मिलते हैं। श्राद्ध का अर्थ होता है 'श्रद्धापूर्वक'। हमारे संस्कारों और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने को ही श्राद्ध कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो दिवंगत परिजनों को उनकी मृत्यु तिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया जाना जाना ही श्राद्ध है। ब्रह्मपुराण के अनुसार उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम जो भी वस्तु उचित विधि द्वारा श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दी जाए, वह श्राद्ध कहलाता है। पितृ पक्ष को हिन्दू धर्म में 'महालय' या 'कनागत' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान, तर्पण कर्म और ब्राह्मण को भोजन कराने से पूर्वज प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। पिंडदान करने के लिए हरिद्वार और गया को सर्वोत्तम माना गया है। प्राचीन हिन्दू धर्म ग्रंथों और धार्मिक परम्पराओं में पितृपक्ष के अलावा भी श्राद्ध का उल्लेख मिलता है। धर्मसिंधु में तो श्राद्ध के लिए वर्षभर की सभी 12 अमावास्याओं, 4 पुणादि तिथियों, 14 मन्वादि तिथियों, 12 संक्रांतियों, 12 वैधृति योग, 12 व्यतिपात योग, 15 पितृपक्ष, 5 अष्टका, 5 अन्वष्टका और 5 पूर्वेद्यु अर्थात् 96 कालखंड का विवरण मिलता है किन्तु पितृ पक्ष के दौरान श्राद्ध कर्म करने का महत्व सर्वाधिक माना गया है। पूर्वजों के निधन की तिथि के अनुसार पितृपक्ष के दौरान उनका श्राद्ध कर्म किया जाता है लेकिन पारंपरिक अवधारणाओं के अनुसार अगर किसी पितर की मृत्यु तिथि मालूम नहीं है तो उनका श्राद्ध अमावस्या के दिन किया जाता है, जिसे 'सर्व पितृ अमावस्या' भी कहा जाता है। जिन परिजनों की मृत्यु की तिथि ज्ञात नहीं होती, उन सभी का श्राद्ध इस दिन किया जा सकता है।

हिन्दू धर्म में मान्यता है कि पितृ पक्ष के दिनों में यमराज आत्मा को मुक्त कर देते हैं ताकि वे अपने परिजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। ऐसी ही मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दिनों में पितर नीचे पृथ्वी पर आते हैं और बिना किसी आव्हान के अपने वंशजों के घर किसी भी रूप में जाते हैं। ऐसे में यदि उन्हें तृप्त नहीं किया जाए तो उनकी आत्मा नाराज होकर अतृप्त लौट जाती है। माना गया है कि यदि पितर नाराज हो जाएं तो जिंदगी मुसीबतों से भर जाती है। इसलिए शास्त्रों में पितरों का श्राद्ध विधिपूर्वक करना जरूरी बताया गया है। मान्यता है कि यदि पितर खुशी-खुशी वापस जाते हैं तो अपने वंशजों को दिए गए उनके आशीर्वाद से घर-परिवार में सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। जिंदगी में सफलता के लिए मेहनत, किस्मत, ईश्वरीय कृपा के साथ-साथ पूर्वजों का आशीर्वाद भी बेहद जरूरी होता है और धर्म एवं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूर्वजों को सम्मान देने से वे प्रसन्न होते हैं तथा पूरे परिवार पर कृपा करते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पंजाब की बाढ़ त्रासदी, 2047 के सपने और 2025 का पानी-पानी

देश आजादी के अमृतकाल में है और सत्ताधारी नेतृत्व सन 2047 तक विकसित भारत का सपना दिखा रहा है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश कर रही है। इस वर्ष उत्तर भारत ने वह त्रासदी देखी है जिसने विकास के तमाम दावों को बहा दिया और एक सवाल खड़ा कर दिया है कि अगर पानी ही नियंत्रित नहीं किया जा सका, तो विकास की इमारत टिकेगी कैसे। पंजाब, जो देश की अन्न भंडार कहा जाता है, इस बार बाढ़ की विभीषिका में बुरी तरह टूट गया है। खेत खलिहान डूब गए, मवेशी बह गए, घर उजड़ गए और पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज नौ सितम्बर को खुद पंजाब का दौरा कर रहे हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि इस त्रासदी ने पंजाब की रीढ़ तोड़ दी है। यह केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि एक गहरी चेतावनी है कि हम अपनी नदियों और बांधों की राजनीति के जाल में फंसे रहकर विकास का स्थाई मॉडल गढ़ नहीं सकते।

पंजाब में इस बार की बाढ़ ऐतिहासिक है। उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के शुरुआती वर्षों में जब-जब यहां बाढ़ आई थी, तब भी नुकसान हुआ, लेकिन इस बार का नुकसान कहीं ज्यादा व्यापक और गहरा है। खेतों की खड़ी फसलें मिट्टी में समा गईं, डेयरी और पशुपालन से जुड़े लाखों परिवार मवेशियों के मरने और चारे की कमी से तबाह हो गए। अनाज मंडियों में पहुंचने वाला उत्पादन लगभग आधा रह गया है और जो बचा है, उसमें भी नमी और सड़न का खतरा मंडरा रहा है। राहत सामग्री के ट्रक भले लगातार गांव-गांव पहुंच रहे हों, लेकिन यह किसी भी स्थिति में स्थाई समाधान नहीं है। पंजाब आज केवल ट्रक भर-भर कर पहुंचाई जा रही राहत सामग्री पर निर्भर होने को मजबूर है। एक कृषि प्रधान राज्य जब राहत के पैकेटों पर जिंदा रहने लगे, तो यह विकास मॉडल की सबसे बड़ी विडंबना है।

पंजाब की त्रासदी का असर केवल स्थानीय नहीं रहेगा। यहां की गेहूं-धान उत्पादन प्रणाली पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा टिकी हुई है। अगर यह चक्र टूटता है तो आने वाले वर्षों में देश को खाद्य संकट का सामना करना पड़ सकता है। यही कारण है कि पर्यवेक्षक कह रहे हैं कि पंजाब का यह नुकसान सालों तक महसूस किया जाएगा। बाढ़ ने न केवल बुनियादी ढांचे को ध्वस्त किया है, बल्कि पंजाब के सामाजिक और आर्थिक ताने-बाने को भी हिला दिया है।

बाढ़ का प्रकोप केवल पंजाब तक सीमित नहीं रहा। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने और भूस्खलन से सैकड़ों गांव उजड़ गए। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के मार्ग अवरुद्ध हुए और हजारों तीर्थयात्री फंसे। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में भी नदियों ने कहर बरपाया। लेकिन जब सारी नदियां बिहार में मिलती हैं और ऊपर से नेपाल का अतिरिक्त पानी वहां उतरता है, तो स्वाभाविक है कि बिहार सबसे बड़ी कीमत चुकाता है। बिहार की नदियों ने एक बार फिर लाखों लोगों को बेघर किया, खेतों को जलमग्न कर दिया और ग्रामीण जीवन को महीनों पीछे धकेल दिया। बिहार दरअसल पूरे उत्तर भारत की बाढ़ का अंतिम गंतव्य है। यहां जब-जब पानी बढ़ता है, तो यह केवल स्थानीय आपदा नहीं होती बल्कि पूरे उत्तरी क्षेत्र की अव्यवस्थित जल-नीति का परिणाम होती है।

यहां यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या हमारी जल-नीति सही दिशा में है। वर्ष 2021 में केंद्र सरकार ने एक नई बांध नीति बनाई थी, जिसके तहत पूरे देश के छोटे-बड़े बांधों का रख-रखाव और नियंत्रण केंद्र के हाथों में आ गया। राज्यों को केवल इसका खर्च वहन करना है। उद्देश्य था कि बाढ़ जैसी त्रासदियों से समय रहते चेतावनी मिल सके, तकनीकी खामियां दूर हों और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो। लेकिन इस बार की त्रासदी ने दिखा दिया कि यह व्यवस्था भी कारगर साबित नहीं हुई। केंद्र की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए थी कि समय रहते राज्यों को चेताया जाता और समन्वय बैठकों के जरिए सामूहिक तैयारी की जाती। हरियाणा, जो स्वयं भाजपा शासित राज्य है, क्या उसने केंद्र के साथ ऐसी बैठकें कीं? उत्तर प्रदेश और बिहार में क्या जल प्रबंधन को लेकर कोई ठोस कदम उठाए गए? हिमाचल की त्रासदी के लिए कांग्रेस सरकार को दोष देने वाले क्या हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारों को इसी कसौटी पर नहीं कसना चाहिए? सवाल यह है कि जब बांध नीति केंद्र के अधीन है, तो क्या इस भारी जन और धन हानि की जवाबदेही भी केंद्र को नहीं लेनी चाहिए? राज्यों पर समन्वय न बैठाने का बहाना बनाना आखिर कितनी नैतिकता रखता है?

इसी क्रम में दूसरा बड़ा प्रश्न वृक्ष कटान का है। इस बार की बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं को देखते हुए उच्चतम न्यायालय ने भी गंभीर संज्ञान लिया है। पहाड़ों में अंधाधुंध वृक्ष कटान पर प्रतिबंध के बावजूद बड़ी संख्या में लकड़ी के लट्ठे और पेड़ों के ठूंठ बाढ़ के साथ बहते हुए मैदानों में पहुंचे। यह साफ संकेत है कि या तो प्रतिबंध का पालन नहीं हुआ, या फिर संगठित रूप से नियमों की अनदेखी की गई। वृक्ष कटान से पहाड़ कमजोर हुए, मिट्टी का क्षरण बढ़ा और परिणामस्वरूप बारिश का पानी रोकने वाले प्राकृतिक अवरोध टूट गए। यही कारण है कि वर्षा की तीव्रता पहले से कहीं अधिक विनाशकारी साबित हुई। सवाल यह है कि जब सीमावर्ती पचास किलोमीटर क्षेत्र गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी में आता है और बांध विभाग भी केंद्र सरकार के अधीन है, तो इतने व्यापक पैमाने पर वृक्ष कटान कैसे संभव हुआ? क्या यह राज्यों की विफलता थी या केंद्र की लापरवाही? जवाबदेही तय होना ही चाहिए।

वीरेश तरार

यह भी सोचने का समय है कि प्रकृति की चेतावनी को किस तरह लिया जाए। लगातार बदलते मौसम चक्र, ग्लेशियरों के पिघलने की गति और मानसून की अनिश्चितता ने संकेत दे दिए हैं कि आने वाले वर्षों में पानी का संकट और गहराएगा। एक ओर बाढ़, दूसरी ओर सूखाकृयही दो ध्रुवीय स्थितियां अब हमारे सामने बार-बार आती रहेंगी। ऐसे में जरूरी है कि जल प्रबंधन केवल इंजीनियरिंग का सवाल न रहे, बल्कि उसे पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक न्याय की .ष्टि से भी देखा जाए।

आज जब प्रधानमंत्री पंजाब का दौरा कर रहे हैं, तब यह केवल राहत पैकेज या मुआवजे की घोषणा का सवाल नहीं होना चाहिए। यह अवसर होना चाहिए कि हम राष्ट्रीय स्तर पर जल प्रबंधन और नीतिगत सुधार की चर्चा को केंद्र में लाएं। अगर हमने आज से तैयारी नहीं की, तो 2047 के विकसित भारत का सपना केवल नारों और भाषणों में रह जाएगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'X' ने कुरेदे 1965 की जंग के जख्म, कहा: पाक की हुई थी स्ट्रैटजिक हार

पाकिस्तानी पीएम बोले थे: 60 साल पहले हमारी सेना ने दुश्मन का हमला नाकाम किया

पाकिस्तान के कश्मीर में विद्रोह भड़काने की रणनीति को भारत ने विफल किया और पाकिस्तान को अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर होना पड़ा था

इस्लामाबाद। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के कम्युनिटी पोस्ट ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के 1965 भारत-पाक जंग से जुड़े दावों की पोल खोल दी। शहबाज ने एक्स पर लिखा कि 6 सितम्बर हमारे देश के लिए वीरता और एकता का प्रतीक है। साठ साल पहले 1965 में हमारी सेना ने जनता के साथ, दुश्मन के हमले को नाकाम किया और साबित किया कि पाकिस्तान एक मजबूत राष्ट्र है, जो अपनी रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। 1965 की वह अटूट भावना आज भी जीवित है। इस पर एक्स ने जवाब देते हुए लिखा: भारत और पाकिस्तान के बीच हुई 1965 का जंग पाकिस्तान के लिए एक स्ट्रैटजिक और पालिटिकल हार थी।

पाकिस्तान की कश्मीर में विद्रोह भड़काने की रणनीति को भारत ने विफल किया और पाक को अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर होना पड़ा था। पाकिस्तानी पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ हाल संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी सेना और जनता एक मजबूत दीवार की तरह एकजुट होकर बाहरी हमलों के खिलाफ खड़े हुए हैं, हमने हर बार दुश्मन के घमंड को कुचला है। शहबाज भारत पर उकसाने का आरोप लगाते हुए लिखा: पाकिस्तान शांति को बढ़ावा देता है। फिर भी, हमें भारत की लगातार उकसावे और बदलते क्षेत्रीय माहौल की हकीकत से अनजान नहीं रहना चाहिए। हम अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत और आधुनिक बनाना जारी रखेंगे। हमें पता है आतंकवाद और विदेशी गुर्गों से कैसे निपटना है। उन्होंने भारत आपरेटेड जम्मू और कश्मीर (आईओजेके) को लेकर कहा कि वहां के लोग लंबे समय से आतंकवाद को सहन कर रहे हैं। उनकी आजादी की लड़ाई को बलपूर्वक दबाया नहीं जा सकता। भारत और पाकिस्तान के बीच 1965 का युद्ध, जिसे सेकेंड कश्मीर वॉर के रूप में भी जाना जाता है। यह जंग जम्मू और कश्मीर के विवादित क्षेत्र को लेकर लड़ा गया, जो 1947 में दोनों देशों के बीच बंटवारे के बाद से तनाव का प्रमुख कारण रहा है। यह 1 अगस्त से 23 सितम्बर, 1965 तक चला।

1 कश्मीर विवाद:

1947-48 के पहले भारत-पाक युद्ध के बाद, कश्मीर का कुछ हिस्सा भारत के नियंत्रण में (जम्मू और कश्मीर) और कुछ हिस्सा पाकिस्तान के नियंत्रण में (आजाद कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान) रहा। दोनों देश पूरे क्षेत्र पर दावा करते रहे, जिसके कारण तनाव बना रहा।

2 ऑपरेशन जिब्राल्टर:

1965 में, पाकिस्तान ने कश्मीर में घुसपैठियों को भेजकर स्थानीय विद्रोह को भड़काने की कोशिश की, जिसे 'ऑपरेशन जिब्राल्टर' कहा गया। इसका मकसद कश्मीर में भारत के खिलाफ विद्रोह को उकसाना था। हालांकि, यह योजना विफल रही, क्योंकि स्थानीय कश्मीरियों ने इसका समर्थन नहीं किया और भारतीय सेना को इसकी जानकारी मिल गई।

3 ऑपरेशन ग्रैंड स्लैम:

इसके बाद, पाकिस्तान ने कश्मीर के चंब-जौरियां क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैन्य हमला शुरू किया, जिसके जवाब में भारत ने भी सैन्य कार्रवाई की। 1965 जंग के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तानी शेरमन टैंक को नष्ट किया। अगस्त 1965 में, पाकिस्तानी घुसपैठियों की गतिविधियों का पता चलने पर भारत ने जवाबी कार्रवाई शुरू की। 5 अगस्त को, दोनों पक्षों के बीच छिटपुट झड़पें शुरू हुईं।

1 सितम्बर को, पाकिस्तान ने चंब क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया, जिसमें टैंक और भारी हथियारों का उपयोग किया गया। इसका मकसद जम्मू-कश्मीर को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क को काटना था। भारत ने 6 सितम्बर को पंजाब सीमा पर लाहौर की ओर जवाबी हमला शुरू किया, जिससे युद्ध पूरे पश्चिमी मोर्चे पर फैल गया। भारतीय सेना ने सियालकोट और लाहौर के पास कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रवेश किया।

नई दिल्ली। आयोवा के गवर्नर किम रेनॉल्ड्स के साथ बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर।

नॉर्थ कोरिया में अमेरिका के सीक्रेट मिशन का खुलासा

जासूसी के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लगाना चाहते थे ट्रम्प, शुरू होते ही फेल हुआ

वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में एक अमेरिका की नेवी सील टीम ने 2019 में नॉर्थ कोरिया के तट पर एक खुफिया मिशन चलाया था।

इस मिशन का मकसद नॉर्थ कोरिया के शासक किम जोंग-उन की कम्युनिकेशन व्यवस्था की जासूसी करने के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लगाना था। यह मिशन असफल रहा और इसमें निहत्थे नॉर्थ कोरियाई लोग मारे गए। जनवरी 2019 की एक सर्द रात को अमेरिकी नेवी सील की एक टीम चुपचाप एक पनडुब्बी से निकली और नॉर्थ कोरिया के एक चट्टानी तट की ओर बढ़ी। इस टीम में वही सैनिक थे जिन्होंने ओसामा बिन लादेन को मारा था। उनका लक्ष्य किम जोंग-उन की जासूसी करना था ताकि अमेरिका को परमाणु बातचीत में मदद मिल सके। यह मिशन इतना खतरनाक था कि इसकी मंजूरी खुद तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दी थी। हालांकि, यह मिशन शुरू होते ही विफल हो गया। एसईएएल टीम ने कई महीनों तक बर्फीले पानी में इस मिशन की तैयारी की। टीम को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली अमेरिकी पनडुब्बी से भेजा जाना था। सील टीम को लगा कि तट पर कोई नहीं है। वे गहरे पानी में, नाइट-विजन चश्मे पहनकर और गीले कपड़ों में पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

रूसी कैंसर वैक्सीन 'उपयोग के लिए तैयार'

मास्को। कैंसर के इलाज के लिए रूस के वैज्ञानिकों की बनाई कैंसर वैक्सीन उपयोग के लिए तैयार हो गई है। इस दवा को अब केवल रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय से अनुमोदन की प्रतीक्षा है। रशिया टुडे, ने यह जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि यह वैक्सीन कैंसर के रोगियों के लिए आशा की नई किरण बन कर उभरी है। इस दवा ने अपने शुरुआती परीक्षणों में कैंसर में बनने वाली रसौली के आकार और वृद्धि को 80 फीसदी तक कम कर दिया है। रूस की फेडरल मेडिकल-बायोलॉजिकल एजेंसी की प्रमुख वेरोनिका स्क्वोर्त्सोवा के अनुसार, इस नव-विकसित कैंसर वैक्सीन ने शुरुआती परीक्षणों में शानदार परिणाम दिया है और अब यह बाजार में उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

हांगकांग में तूफान 'तापा' कमजोर पड़ा

हांगकांग। हांगकांग में आया तूफान तापा सोमवार अपराह्न के बाद को कमजोर पड़ गया और इससे संबंधित चेतावनी के स्तर कम हो गई है। हांगकांग वेधशाला (एचकेओ) आज अपराह्न एक बजे के बाद तूफान कमजोर पड़ने के संकेत दिए है। तूफान तापाह के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा है और 100 उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। जिससे सैकड़ों मुसाफिरों को मुसीबत का सामना करना पड़ा। उन्होंने रविवार रात को तेज़ हवाओं की चेतावनी देते हुए दूरदराज के द्वीपों पर रहने वालों को तुरंत घर लौटने की सलाह दी थी। प्रशासन ने स्कूलों को बंद रखने का आदेश जारी किया गया।

जापान के सत्ताधारी दल में प्रधानमंत्री पद के लिए घमासान

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के पद से इस्तीफा देते ही जापान के सत्ताधारी दल लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) में प्रधानमंत्री पद के लिए घमासान शुरू हो गया है। पूर्व विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने सोमवार को इस पद के लिए अपना इरादा जाहिर करते हुए कहा कि वह अपना सारा राजनीतिक अनुभव देश और पार्टी के सेवा के लिए समर्पित करने हेतु कृत-संकल्प हैं। क्योदो न्यूज ने पार्टी सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि मंत्रिमंडलीय मुख्य सचिव योशिमासा हयाशी ने भी इस पद की उम्मीदवारी के लिए दावा किया है।

टैरिफ पर खुद अमेरिका में ही घिरे ट्रम्प

टैरिफ पर सुप्रीम सुनवाई के बीच बोले ट्रम्प के मंत्री: विपरीत फैसले का पड़ेगा खजाने पर असर

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से लगाए गए भारी टैरिफ पर कानूनी विवाद गहराता जा रहा है। अगर देश की सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा, तो अमेरिकी सरकार को अब तक वसूले गए शुल्क का लगभग आधा हिस्सा वापस करना पड़ सकता है।

यह बयान खुद अमेरिका के वित्त मंत्री स्काट बेसेंट ने दिया है। उन्होंने एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला हमारे खिलाफ दिया, तो हमें लगभग आधे टैरिफ की वापसी करनी होगी। यह अमेरिकी खजाने के लिए बहुत बुरा होगा...लेकिन अगर कोर्ट कहता है, तो हमें करना ही पड़ेगा। बता दें कि

ट्रम्प का तर्क था कि व्यापार घाटा अमेरिकी विनिर्माण उद्योग को नुकसान पहुंचा रहा है

डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्रपति रहते हुए लगभग सभी प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों पर भारी टैरिफ लगाए। उन्होंने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनामिक पावर्स एक्ट के तहत अप्रैल में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर यह कदम उठाया। ट्रम्प का तर्क था कि व्यापार घाटा अमेरिकी विनिर्माण उद्योग को नुकसान पहुंचा रहा है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। लेकिन अदालतों ने इस पर सवाल उठाए। मई 2025 में न्यूयार्क में मौजूद कोर्ट आफ इंटरनेशनल ट्रेड ने इन टैरिफ को अवैध करार दिया। 29 अगस्त 2025 को यूएस कोर्ट आफ अपील्स फार द फेडरल सर्किट ने 7.4 के फैसले में कहा कि टैरिफ लगाना कांग्रेस का अधिकार है, न कि राष्ट्रपति का। अदालत का कहना था कि ट्रम्प ने अपने संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण किया।

आंकड़े सचेत कर रहे...

अमेरिकी खजाना: अगर फैसला ट्रम्प के खिलाफ हुआ, तो सरकार को सैकड़ों अरब डालर वापस लौटाने होंगे, जिससे खजाना पर भारी दबाव पड़ेगा।

अमेरिकी कंपनियां: जो कंपनियां टैरिफ के कारण नुकसान झेल रही थीं, उन्हें राहत मिलेगी।

वैश्विक व्यापार: ट्रम्प के टैरिफ खत्म होने से दुनिया भर के व्यापारिक रिश्तों पर असर पड़ेगा, खासकर चीन, यूरोप और भारत जैसे देशों के साथ।

राजनीतिक प्रभाव: यह मामला ट्रम्प के 2024 चुनावी वादों और उनकी आर्थिक नीतियों की विश्वसनीयता को सीधे चुनौती देगा।

रूस के साथ सौदा करने वाले देशों पर सख्ती सही

कीव। 6 अगस्त की रात रूस ने यूक्रेन पर युद्ध का अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। इसके बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि रूस से व्यापार जारी रखने वाले देशों पर टैरिफ और अन्य सख्त प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए। एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में जेलेंस्की से पूछा गया कि चीन में पीएम नरेंद्र मोदी, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात को लेकर उनका क्या कहना है और क्या उन्हें लगता है कि डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से भारत पर टैरिफ लगाने की योजना उलटी पड़ सकती है? इस पर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के साथ सौदे जारी रखने वाले देशों पर टैरिफ लगाना सही विचार है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर भी पोस्ट करते हुए कहा कि रूस की आक्रामकता को रोकने के लिए केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि ठोस कदम जरूरी हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति यूएस ओपन फाइनल में हूटिंग के शिकार

इस दौरान दर्शकों की तरफ से उन्हें मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली

न्यूयार्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूएस ओपन में शामिल हुए। फाइनल मैच से पहले कुछ देर के लिए एक लग्जरी बाक्स से हाथ हिलाते नजर आए। इस दौरान दर्शकों की तरफ से उन्हें मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली।

कहीं, तालियां बजाई गईं, कहीं उन्हें हूटिंग का सामना करना पड़ा। आर्थर ऐश स्टेडियम उस समय तक पूरी तरह भरा नहीं था और ट्रम्प का अभिवादन भी न तो पहले से घोषित था और न ही बहुत देर तक चला। नतीजतन, कुछ लोग इसे देख भी नहीं पाए। ट्रम्प इस बार रोलेक्स के मेहमान के तौर पर आए थे, जबकि उनके प्रशासन ने हाल ही में स्विटजरलैंड से आने वाले उत्पादों पर 39 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगाया है। आयोजक टीवी प्रसारण पर उनकी हूटिंग को रोकने की कोशिश कर रहे थे। ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में घरेलू यात्राओं को मुख्य रूप से खेल आयोजनों तक ही सीमित रखे हुए हैं। वे पहले की तरह बड़ी चुनावी रैलियों की बजाय अब खेल मुकाबलों में दर्शकदीर्घा में नजर आते हैं। ट्रम्प की मौजूदगी के कारण सुरक्षा जांच कड़ी कर दी गई और पुरुष फाइनल का समय आधे घंटे पीछे खिसकाना पड़ा। इसका मतलब यह हुआ कि स्पेन के 22 वर्षीय कार्लोस अल्काराज और इटली के 24 वर्षीय डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर के बीच मुकाबला देरी से शुरू हुआ।

यूक्रेनी पीएम के ऑफिस पर रूस का हमला

805 ड्रोन और 17 मिसाइलें दागीं, चार लोगों की मौत, जवाब में यूक्रेन ने रूसी पाइपलाइन उड़ाई

कीव। रूस ने यूक्रेन पर रविवार को अब तक का सबसे बड़ा हवाई और ड्रोन हमला किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकारी भवन में हमले के बाद आग लग गई। इसी भवन में यूक्रेनी पीएम ऑफिस सहित कई महत्वपूर्ण ऑफिस हैं।

अधिकारियों ने बताया कि देश भर में हुए हमलों में चार लोग मारे गए, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने कीव में मुख्य सरकारी इमारत को निशाना बनाया। यह साढ़े तीन साल की जंग में पहली बार हुआ है। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, रूस ने 805 ईरान-निर्मित शाहेद ड्रोन और डिकॉय लॉन्च किए। साथ ही 17 क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागीं। पलटवार करते हुए यूक्रेन ने रूस के दुझबा पाइपलाइन पर ड्रोन हमला किया। जिससे रूस से हंगरी और स्लोवाकिया को तेल सप्लाई होता है। दमकलकर्मियों ने इमारत पर लगी आग को बुझाया और बचाव दल ने इमारत में लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि ऐसे समय में जब बातचीत बहुत पहले शुरू हो सकती थी, हत्याएं जानबूझकर किया गया अपराध है। यह युद्ध को लम्बा खींचने का प्रयास है। उन्होंने हमलों को रोकने के लिए दुनिया से मदद मांगी। वहीं, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक परिसर और परिवहन बुनियादी ढांचे पर हमले किये हैं, जिससे हथियारों और सैन्य उपकरणों के गोदामों को नुकसान पहुंचा है। बता दें कि 15 अगस्त को रूस के राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अलास्का में हुई मुलाकात के बाद रूस और यूक्रेन के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। यूक्रेन रूसी रिफाइनरियों को टारगेट कर रहा है तो रूस आम यूक्रेनियों को निशाना बना रहा है। यूक्रेनी पीएम यूलिया स्वायरडेंको ने रूस के इस हमले का जवाब देने के लिए और हथियारों की मांग की और वैश्विक समुदाय से अपील की कि वे रूसी हमलों के खिलाफ प्रतिक्रिया दें।

गाजा में इजरायली सेना का हमला, 50 की मौत

50 से ज्यादा इमारतों को पूरी तरह से नष्ट किया, 100 अन्य आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त

गाजा। गाजा पट्टी में इजरायली सेना द्वारा कम से कम 50 फलस्तीनी मारे गए हैं। फलस्तीनी सरकारी समाचार एजेंसी वाफा ने यह जानकारी अपनी रिपोर्ट में दी है।

वाफा के अनुसार मारे गए लोगों में से 46 लोग परिक्षेत्र के उत्तरी भाग के निवासी थे। गाजा नागरिक सुरक्षा प्रवक्ता महमूद बसल ने एक बयान में कहा कि रविवार सुबह से इजरायली सेना ने 50 से जयादा इमारतों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है और 100 अन्य को आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है, जिनमें हज़ारों नागरिकों के आवास वाली ऊंची इमारतें भी शामिल हैं। बसल ने इस दिन को 18 मार्च के बाद से 'युद्ध के सबसे कठिन दिनों में से एक' बताया। इस बीच, इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा है कि उसने गाजा शहर में एक और ऊंची इमारत पर हमला किया। इसका इस्तेमाल हमास ने किया था। आईडीएफ ने

स्वतंत्र फलस्तीनी समिति के गठन के बदले बंधकों की रिहाई पर चर्चा को हमास तैयार

कहा कि हमास के आतंकवादियों ने इलाके में आईडीएफ सैनिकों की स्थिति पर नज़र रखने के लिए खुफिया जानकारी जुटाने वाले उपकरण लगाए थे और निगरानी चौकियां स्थापित की थीं। आईडीएफ हालांकि इस दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। वहीं, हमास ने आरोपों को 'निराधार' बताते हुए इसे खारिज कर दिया और कहा कि जिन ऊंची इमारतों को निशाना बनाया गया, वे आवासीय इमारतें थीं। जैसे-जैसे इज़राइली सेना गाजा शहर में अपने अभियान पर आगे बढ़ रही थी, स्थानीय निवासी विस्थापित हो रहे हैं। फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि गाजा में हज़ारों लोग एक बार फिर अपने घरों से विस्थापित हो रहे हैं। लगातार हमलों के कारण लोगों के घर उजड़ गए हैं और लोग छोटे, असुरक्षित इलाकों में सिमट गए हैं। एजेंसी ने कहा कि इमारतों, स्कूलों, आश्रयों और अस्पतालों के नष्ट हो जाने से भोजन, स्वच्छ पानी और अन्य आवश्यक आपूर्ति तक लोगों की पहुंच बेहद सीमित हो गई है। कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है, कोई भी सुरक्षित नहीं है।

पाक में मंत्रियों समेत हजारों का डेटा लीक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में केंद्रीय मंत्रियों समेत हजारों लोगों का संवेदनशील डेटा लीक हो गया है। लीक हुआ डेटा ऑनलाइन बिक्री के लिए भी उपलब्ध है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, ऑनलाइन बिक्री के लिए जो डेटा उपलब्ध है, उसमें मोबाइल सिम, काल लाग, राष्ट्रीय पहचान पत्र और विदेश दौरे की जानकारी आदि शामिल है। जिन लोगों के डेटा लीक हुए हैं, उनमें कई केंद्रीय मंत्री और पार्टियों के प्रवक्ता शामिल हैं।

पाकिस्तान में डेटा लीक की घटनाएं पूर्व में भी हो चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान की सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। यहां तक कि जिन वेबसाइट्स से डेटा लीक होने की

संवेदनशील जानकारी ऑनलाइन बिक रही, मोबाइल सिम कॉल लॉग, राष्ट्रीय पहचान पत्र व विदेश दौरे की जानकारी आदि शामिल

शिकायत हुई, उनके खिलाफ भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोबाइल लोकेशन का डेटा सिर्फ 500 रुपये में ऑनलाइन बिक रहा है। वहीं मोबाइल रिकॉर्ड का डेटा 2000 रुपये और विदेश दौरों की जानकारी पांच हजार रुपये में मिल रही है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि जिन लोगों का डेटा लीक हुआ है, उनका उत्पीड़न किया जा सकता है। डेटा लीक को लेकर पाकिस्तान की आम जनता में भारी नाराजगी है। लोगों की मांग है कि डेटा लीक के लिए लोगों की जवाबदेही तय की जाए और ये पता लगाया जाए कि इस डेटा लीक के पीछे कौन है।

पाकिस्तान के गृहमंत्री मो. हसिन नकवी ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। जांच के लिए 14 सदस्यीय टीम गठित की गई है और जांच समिति दो हफ्ते में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। गौरतलब है कि सोशल मीडिया और आईटी के इस युग में डेटा लीक एक बड़ी समस्या बन गया है। बीते दिनों साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञों ने बताया था कि 16 अरब लोगों का संवेदनशील डेटा लीक हो गया था। इसे इंटरनेट इतिहास की सबसे बड़ी डेटा चोरी बताया जा रहा है।

यरुशलम में बंदूकधारियों की गोलीबारी, पांच मरे, 15 घायल

यरुशलम। उत्तरी यरुशलम में सोमवार को एक बस स्टॉप पर दो हमलावरों की अंधाधुंध गोलीबारी में कम से कम पांच लोग मारे गए और 15 अन्य जख्मी हो गए। घायलों में सात की हालत गंभीर है। सीएनएन ने बताया कि एक सुरक्षा अधिकारी और एक नागरिक ने हमला होने के तुरंत बाद हमलावरों को गोली मार दी, जिससे हमला रुक गया। पुलिस ने हमलावरों की पहचान के बारे में कोई जानकारी देने से मना कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू खुद मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से बात की। हमले के वीडियो फुटेज में सुबह के समय व्यस्त चौराहे पर स्थित एक बस स्टॉप से दर्जनों लोग भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटनास्थल पर पहुंचे चिकित्सा दल ने बताया कि इलाके में अफरा-तफरी का माहौल था और कई जगह कांच बिखरा हुआ था। घायल और बेहोश लोग सड़क तथा बस स्टॉप के पास फुटपाथ पर पड़े हुए थे। फलस्तीनी चरमपंथी समूहों की ओर से इस हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है।